01-06-2025 Final_01-06-2025 Final.qxd 5/31/2025 11:32 PM Page 1

01 जून 2025
रविवार

केशव टाइम्स

डिजिटल संस्करण

आपकी आवाज

ठेकेदारी में वर्चस्व जमाने के लिए पूर्व जिप प्रतिनिधि ने कराई संतोष की हत्या

2

कर्नाटक में खुलेआम तंबाकू के उपयोग पर रोक

तंबाकू खरीदने की न्यूनतम उम्र 18 से बढ़ाकर 21 साल की गई

एजेंसी/बेंगलुरु

कर्नाटक सरकार ने तंबाकू उत्पादों को लेकर एक सख्त कानून को अधिसूचित कर दिया है। इस नए कानून के तहत अब तंबाकू खरीदने की न्यूनतम उम्र 18 से बढ़ाकर 21 साल कर दी गई है, साथ ही सार्वजनिक जगहों पर तंबाकू का उपयोग पूरी तरह से प्रतिबंधित कर दिया गया है। यह अधिसूचना 30 मई को जारी की गई, जब राष्ट्रपति ने 23 मई को सिगरेट और अन्य तंबाकू उत्पाद (विज्ञापन पर प्रतिबंध और व्यापार, उत्पादन, आपूर्ति और वितरण का विनियमन) कर्नाटक संशोधन विधेयक, 2024 को अपनी मंजूरी दी। नए कानून के अनुसार, अब कोई भी व्यक्ति किसी सार्वजनिक जगह पर तंबाकू का इस्तेमाल नहीं कर सकता। कुछ विशेष जगह जैसे, 30 कमरे या उससे ज्यादा वाले होटल, 30 या उससे ज्यादा लोगों के बैठने की क्षमता वाले रेस्टोरेंट, हवाई अड्डों - इन जगहों पर विशेष स्मोकिंग जोन बनाए जा सकते हैं।

नए कानून की धारा 4ए के तहत अब राज्य में हुक्का बार खोलना या चलाना पूरी तरह से प्रतिबंधित कर दिया गया है। इसमें कहा गया है कि कोई भी व्यक्ति अपने नाम पर या किसी और के नाम पर हुक्का बार नहीं खोल सकता, चाहे वो ईटिंग हाउस हो, पब हो, बार हो, रेस्टोरेंट हो या किसी भी नाम से चलने वाला कोई भी स्थान हो। यदि कोई हुक्का बार चलाता पाया गया, तो उसे कम से कम एक साल की जेल, जो बढ़कर तीन साल तक हो सकती है। इसके साथ ही कम से कम 50,000 का जुर्माना, जो बढ़कर एक लाख रुपये तक हो सकता है।

21 साल से कम उम्र के लोगों को तंबाकू बेचना मना: नए कानून के मुताबिक अब कोई भी 21 साल से कम उम्र का व्यक्ति तंबाकू या सिगरेट नहीं बेच सकता। इसके साथ ही किसी शैक्षणिक संस्था (स्कूल-कॉलेज आदि) के 100 मीटर के अंदर तंबाकू बेचना प्रतिबंधित है। वहीं खुली या एक-एक सिगरेट भी नहीं बेची जा सकती। अब यदि कोई व्यक्ति सार्वजनिक जगह पर स्मोकिंग करता है या 21 साल से कम उम्र के व्यक्ति को तंबाकू बेचता है, तो उस पर पहले जहां 200 रु. का जुर्माना लगता था, अब 1,000 रु. तक का जुर्माना लगाया जाएगा।

अब ट्रेन, रेलवे स्टेशन पर नहीं बना सकेंगे रील्स

एजेंसी/नई दिल्ली

भारतीय रेलवे ने अब रेलवे स्टेशनों, ट्रेन और रेलवे की संपत्तियों की वीडियोग्राफी और फोटोग्राफी बनाने को लेकर नया फैसला लिया है। पूर्वी रेलवे ने यह महत्वपूर्ण कदम राष्ट्रीय सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए उठाया है। उन्होंने सभी ब्लॉगर और यूट्यूबर से रेलवे स्टेशनों की फोटो और वीडियो बनाने से मना किया है। रेलवे का कहना है कि राष्ट्रीय सुरक्षा को देखते हुए कृपया स्टेशनों की ना तो फोटो खींचे और ना ही इनके वीडियो बनाएं। रेलवे ने यह फैसला एक यूट्यूबर की गिरफ्तारी के बाद लिया है। उस यूट्यूबर पर पाकिस्तानी खुफिया एजेंटों को जानकारी देने का आरोप है।

पूर्वी रेलवे के अधिकारियों ने कहा है कि स्टेशनों की सुरक्षा सबसे जरूरी है। कुछ दिनों पहले हरियाणा की यूट्यूबर ज्योति मल्होत्रा को

गिरफ्तार किया गया था। उन पर आरोप है कि उन्होंने पाकिस्तानी खुफिया एजेंटों को संवेदनशील जानकारी दी थी। इस घटना के बाद रेलवे और सतर्क हो गया है। पूर्वी रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी दीप्तिमय दत्ता ने कहा कि सुरक्षा उपाय पहले से ही लागू है, जिसके तहत संबंधित प्राधिकारी की पूर्व अनुमति के बिना स्टेशनों या किसी भी रेलवे संपत्ति पर फोटोग्राफी या वीडियोग्राफी की अनुमति नहीं है। रेलवे का कहना है कि रेलवे स्टेशनों पर व्यावसायिक वीडियोग्राफी पर प्रतिबंध है, अगर कोई ऐसा करना चाहता है तो उसे पहले सभी संबंधित अधिकारियों से अनुमति लेनी होती है। वीडियोग्राफी और फोटोग्राफी के लिए निर्धारित मानदंड और रेल मैनुअल हैं जिनका पालन करना होता है।अब सभी स्टेशनों पर और निगरानी बढ़ाएंगे और यह सुनिश्चित करेंगे कि कोई भी महत्वपूर्ण स्टेशनों की विस्तृत फोटो ना खींच पाए। कुछ ब्लॉगर और यूट्यूबर रेलवे स्टेशनों की वीडियो बनाने लगते हैं, जो चिंता का विषय है। हम लोग देश की सुरक्षा से कोई समझौता नहीं कर सकते। इसलिए सुरक्षा को देखते हुए यह फैसला लिया गया है। हालांकि मीडिया या फिर न्यूज चैनलों को किसी कार्यक्रम की कवरेज करनी है तो इसके लिए विशेष तौर पर परमीशन मिल सकती है। यह नियम सिर्फ आम जनता के लिए लागू किया गया है। रेल मैनुअल के अनुसार, नागरिकों को फोटो या वीडियो फोटोग्राफी की अनुमति रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारियों द्वारा दी जाएगी।

खबरें फटाफट

दिल्ली हाईकोर्ट ने खारिज की लालू प्रसाद की याचिका

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने राजद प्रमुख और पूर्व रेल मंत्री लालू प्रसाद यादव की उस याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें उन्होंने 'जमीन के बदले नौकरी' घोटाले से संबंधित कथित भ्रष्टाचार मामले में निचली अदालत की कार्यवाही पर रोक लगाने की मांग की थी। इस घोटाले की जांच सीबीआई ने की थी। अधिकारियों ने बताया कि यह मामला मध्य प्रदेश के जबलपुर स्थित भारतीय रेलवे के पश्चिम मध्य क्षेत्र में ग्रुप-डी की नियुक्तियों से संबंधित है। यह नियुक्ति 2004 से 2009 के बीच लालू के रेल मंत्री रहने के दौरान की गई थी। इन नियुक्तियों के बदले में लोगों ने राजद सुप्रीमो के परिवार या सहयोगियों के नाम पर जमीन के टुकड़े उपहार में दिए या हस्तांतरित किए। 18 मई 2022 को लालू और उनकी पत्नी, दो बेटियों व अन्य के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था। आईआरसीटीसी का मामला रेलवे भर्ती घोटाले से अलग है। आईआरसीटीसी घोटाले का आरोप भी 2004 में लालू के रेल मंत्री रहते होने की बात है। दरअसल, रेलवे बोर्ड ने उस वक्त रेलवे की कैटरिंग और रेलवे होटलों की सेवा को पूरी तरह आईआरसीटीसी को सौंप दिया था। इस दौरान रांची और पुरी के बीएनआर होटल के रखरखाव, संचालन और विकास को लेकर जारी टेंडर में अनियमिताएं किए जाने की बातें आई थीं।

भोपाल में आयोजित महिला सशक्तिकरण महासम्मेलन में पाकिस्तान को चेतावनी

अगर तुम गोली चलाओगे तो गोली का जवाब गोले से दिया जाएगा: मोदी

- पीएम मोदी का होलकर घराने की पगड़ी पहना किया गया स्वागत
- प्रधानमंत्री मोदी ने इंदौर मेट्रो, दतिया- सतना एयरपोर्ट का वर्चुअल लोकार्पण और उज्जैन में 29 किमी लंबे घाट का वर्चुअल भूमिपूजन किया

एजेंसी/भोपाल

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में महिला सशक्तिकरण महासम्मेलन में हिस्सा लिया। लोकमाता देवी अहिल्याबाई होल्कर की 300वीं जन्म जयंती पर आयोजित इस आयोजन में सिंदूरी रंग उमड़ा। महिलाएं सिंदूरी रंग की साड़ियां पहनकर कार्यक्रम में शामिल हुईं। प्रधानमंत्री मोदी सुबह साढ़े नौ बजे वायुसेना के विमान से रवाना होकर 10.55 बजे भोपाल एयरपोर्ट पहुंचें। जहां से हेलीकाप्टर से 11.20 मिनट पर जंबूरी मैदान स्थित हेलीपैड पर उतरे। यहां से कार द्वारा लोकमाता देवी अहिल्या महिला सशक्तीकरण महासम्मेलन स्थल पर पहुंचे।

प्रधानमंत्री मोदी का होलकर घराने की पगड़ी पहनाकर स्वागत किया गया। बैतूल का धातु शिल्प और माहेश्वरी साड़ी का ताना-बाना भी सौंपा गया। ऑपरेशन सिंदूर के बाद यह प्रधानमंत्री का मध्य प्रदेश में पहला दौरा है। इसी आयोजन के साथ प्रधानमंत्री इंदौर मेट्रो, दतिया-सतना एयरपोर्ट का वर्चुअल लोकार्पण और उज्जैन में 29 किमी लंबे घाट का वर्चुअल भूमिपूजन भी किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा- पहलगाम में आतंकियों ने भारत की नारी शक्ति को चुनौती दी है। यह चुनौती आतंकियों और उनके आकाओं के लिए काल बन गई है। आजादी के बाद आतंकवाद के खिलाफ सबसे बड़ा और सबसे सफल ऑपरेशन है सिंदूर। भारतीय सेना ने पाकिस्तान की सीमा में सैकड़ों किमी घुसकर आतंकियों को मिट्टी में मिला दिया है। अब पाकिस्तान का प्रॉक्सी वार नहीं चलेगा। जो आतंकियों को मदद करेगा, उसको भी इसकी भारी कीमत चुकाना पड़ेगी। अब भारत का एक-एक नागरिक कह रहा है कि अगर तुम गोली चलाओगे, तो मानकर चलो गोली का जवाब गोले से दिया जाएगा। ऑपरेशन सिंदूर हमारी नारी शक्ति के सामर्थ्य का भी प्रतीक है।ड्ट सबसे पहले मैं मां भारती को, भारत की मातृशक्ति को प्रणाम करता हूं। आज यहां इतनी बड़ी संख्या में माताएं-बहनें-बेटियां हमें आशीर्वाद देने आई हैं। मैं आप सभी के दर्शन पाकर धन्य हो गया हूं।

बोले पीएम... शासन का सही अर्थ जनता की सेवा करना है

पीएम मोदी ने कहा कि आज लोकमाता देवी अहिल्याबाई होलकर जी की 300वीं जन्मजयंती है। 140 करोड़ भारतीयों के लिए ये अवसर प्रेरणा का है। राष्ट्र निर्माण के लिए हो रहे भगीरथ प्रयासों में अपना योगदान देने का है। देवी अहिल्याबाई कहती थी कि शासन का सही अर्थ जनता की सेवा करना और उनके जीवन में सुधार लाना होता है। आज का कार्यक्रम उनकी इस सोच को आगे बढ़ाता है। आज इंदौर मेट्रो की शुरूआत हुई है, दतिया और सतना भी अब हवाई सेवा से जुड़ गए हैं। ये सभी प्रोजेक्ट मध्य प्रदेश में सुविधाएं बढ़ायेंगे। विकास को गति देंगे और रोजगार के अनेक नए अवसर बनाएंगे। मैं आज इस पवित्र दिवस पर इन सभी कामों के लिए पूरे मध्य प्रदेश को बहुत बधाई देता हूं। लोकमाता देवी अहिल्याबाई होल्कर का नाम सुनते ही मन में श्रद्धा का भाव उमड़ पड़ता है। उनके महान व्यक्तित्व के बारे में बोलने के लिए शब्द कम पड़ जाते हैं। देवी अहिल्याबाई प्रतीक हैं कि जब इच्छाशक्ति होती है, दृढ़ प्रतिज्ञा होती है तो परिस्थितियां कितनी ही विपरीत क्यों ना हों, परिणाम लाकर दिखाया जा सकता है। 250-300 साल पहले जब देश गुलामी की जंजीरों में जकड़ा हुआ था। उस समय ऐसे महान कार्य कर जाना कि आने वाली अनेक पीढ़ियां उसकी चर्चा करें, ये कहना तो आसान है, करना आसान नहीं था। लोकमाता अहिल्याबाई ने प्रभुसेवा और जनसेवा को कभी अलग नहीं माना।

देवी अहिल्याबाई की याद में 300 रुपये का सिक्का जारी

देवी अहिल्याबाई की 300वीं जन्म जयंती के अवसर पर उनकी याद में प्रधानमंत्री ने देश का पहला 300 रुपये का स्मारक सिक्का जारी किया। 35 ग्राम वजनी इस सिक्के में चांदी की मात्रा 50 प्रतिशत है। एक तरफ अहिल्या बाई का फोटो है। यह देश-दुनिया में जारी होने वाला ऐसा पहला सिक्का है, जिसका मूल्य 300 रु है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अलावा मंच पर राज्यपाल मंगुभाई पटेल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा और राजेंद्र शुक्ल, केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत, भोपाल जिले के प्रभारी मंत्री चैतन्य कुमार कश्यप के साथ ही मोहन कैबिनेट की सभी महिला मंत्री मौजूद रहे। इसके अलावा भोपाल की महापौर मालती राय मंच पर पीएम के साथ बैठीं।

पूर्वोत्तर के पांच राज्यों में बारिश से भारी तबाही, 19 की जानें गईं

एजेंसी/नई दिल्ली

देश में समय से पहले आया मानसून पूर्वोत्तर में जमकर तबाही मचा रहा है। बीते तीन दिनों में पूर्वोत्तर के मणिपुर, मिजोरम, असम, अरुणाचल प्रदेश, त्रिपुरा में लगातार भारी बारिश, भूस्खलन और बाढ़ में 19 लोगों की मौत हो चुकी है। जबकि 12 हजार से ज्यादा परिवार प्रभावित हुए हैं। इन राज्यों में घर गिरने से बड़ी संख्या में लोग बेघर हो गए हैं। नदियां उफान पर हैं। मौसम विभाग ने सभी राज्यों के लिए अलर्ट जारी किया है। मिजोरम के दक्षिण मिजोरम के लॉन्गतलाई शहर में भारी बारिश के चलते हुए भूस्खलन के कारण पांच घर और एक होटल ढह गया। इसमें कई लोग फंस गए। लॉन्गतलाई जिले के सबसे बड़े नागरिक सामाजिक संगठन यंग लाई एसोसिएशन (वाईएलए) के स्वयंसेवकों के साथ राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (एसआरडीएफ) और तीसरी भारतीय रिजर्व बटालियन के कर्मियों द्वारा बचाव अभियान चलाया जा रहा है। भूस्खलन के कारण राष्ट्रीय राजमार्ग-54 अवरुद्ध हो गया है, जिससे लॉन्गतलाई का संपर्क मिजोरम के सुदूर दक्षिणी जिले सियाहा से कट गया है।

असम में पांच लोगों की मौत: भारी बारिश और भूस्खलन से असम के कामरूप मेट्रो जिले में पांच लोगों की मौत हो गई। वहीं पांच जिलों में 12,000 से अधिक लोग बाढ़ से प्रभावित हुए। गुवाहाटी और सिलचर में बाढ़ से 10 हजार से अधिक लोग प्रभावित हुए।

अरुणाचल प्रदेश में भूस्खलन में नौ लोगों ने तोड़ा दम: अरुणाचल प्रदेश में भी बारिश और भूस्खलन ने तबाही मचाई। यहां भूस्खलन में नौ लोगों की मौत हो गई। पूर्वी कामेंग जिले में बाना-सेप्पा खंड पर हुए भूस्खलन में सात लोगों की मौत हो गई। वहीं लोअर सुबनसिरी जिले में जीरो-कामले मार्ग पर पाइन ग्रोव क्षेत्र के पास भूस्खलन के बाद दो मजदूरों की मौत हो गई और दो अन्य को बचा लिया गया। वहीं त्रिपुरा में भारी बारिश और आंधी के कारण जिरानिया में एक व्यक्ति डूब गया। 200 से अधिक लोग बेघर हो गए।

पटना में दो युवकों को बदमाशों ने मारी गोली, एक की मौत, दूसरा गंभीर

केटी न्यूज/पटना

पटना के फतुहा थाना क्षेत्र में शुक्रवार देर रात दो युवकों पर अज्ञात अपराधियों ने गोलीबारी कर दी। इस घटना में 30 वर्षीय हरि ओम कुमार की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 28 वर्षीय रवि कुमार गंभीर रूप से घायल हो गया। दोनों ही पुनपुन क्षेत्र के रहने वाले बताए जा रहे हैं। घटना बांकीपुर से मुड़ेरा जाने वाली अलंग सड़क पर हुई। हरि ओम कुमार को कनपटी पर गोली लगी थी, जिससे उसकी तुरंत मौत हो गई। घायल रवि कुमार को सुबह टहलने निकले ग्रामीणों ने सड़क किनारे पड़ा पाया। सूचना मिलते ही गांव में हड़कंप मच गया।

फतुहा थाना अध्यक्ष रूपक कुमार अंबुज ने पुलिस टीम के साथ घटनास्थल पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है। घायल रवि कुमार का इलाज एनएमसीएच अस्पताल में चल रहा है।

वंशावली की मांग वाली राहुल की याचिका खारिज

एजेंसी/पुणे

पुणे की एक अदालत ने शनिवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी की उस अर्जी को खारिज कर दिया जिसमें उन्होंने सत्यकी सावरकर की मां की पारिवारिक जानकारी (वंशावली) मांगी थी। मामले में राहुल गांधी ने यह दलील दी थी कि सत्यकी ने अपनी पिता की तरफ का पारिवारिक विवरण तो दिया है, लेकिन मां की तरफ का नहीं, जो इस मामले में जरूरी है। लेकिन मामले में सुनवाई के दौरान अदालत ने कहा कि यह मामला राहुल

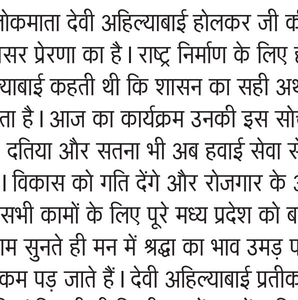

गांधी के लंदन में दिए गए भाषण से जुड़ा है, न कि किसी की पारिवारिक जानकारी से। इसलिए यह अर्जी खारिज की जाती है। बता दें कि सत्यकी सावरकर, हिंदुत्व विचारक वीर सावरकर के पड़पोते हैं और उन्होंने राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि का मामला दर्ज कराया है। सत्यकी सावरकर की मां, हिमानी सावरकर, नाथूराम गोडसे के भाई गोपाल गोडसे की बेटी थीं। नाथूराम गोडसे वही हैं जिन्होंने महात्मा गांधी की हत्या की थी। सत्यकी सावरकर ने एक और अर्जी देकर राहुल गांधी की जमानत रद्द करने की मांग की थी। उनका कहना था कि राहुल बार-बार सुनवाई टाल रहे हैं और जानबूझकर मामले में देरी कर रहे हैं। लेकिन अदालत ने यह अर्जी भी खारिज कर दी। अदालत ने कहा कि राहुल गांधी को पहले से ही व्यक्तिगत हाजिरी से छूट मिली हुई है और ऐसा कोई सबूत नहीं है कि वह मामले को लटकाने की कोशिश कर रहे हैं।

जून महीने में होंगे कई बदलाव, वित्तीय लेन-देन पर पड़ेगा असर

एटीएम और यूपीआई के जरिए भी निकाल सकेंगे पीएफ के पैसे

एजेंसी/नई दिल्ली

हर महीने की तरह ही जून का महीना भी कई बड़े बदलाव लेकर आ रहा है, जो सीधे तौर पर आपकी जेब और वित्तीय लेन-देन को प्रभावित कर सकते हैं। यूपीआई और पीएफ से लेकर एलपीजी सिलेंडर के दामों तक, कई नियम 1 जून से बदलने वाले हैं। इन बदलावों से जहां कुछ सुविधाएं बढ़ेंगी, वहीं कुछ मामलों में आपको अतिरिक्त शुल्क भी चुकाना पड़ सकता है। आइए जानते हैं कि जून से प्रभावी होने वाले ये बदलाव कौन-कौन से हैं। सरकार

कर्मचारी भविष्य निधि संगठन का नया और एडवांस वर्जन, ईपीएफओ 3.0 लॉन्च करने की तैयारी में है। यह जून महीने में शुरू किया जा सकता है। इसके रोलआउट के बाद पीएफ क्लेम करना बेहद आसान हो जाएगा। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि भविष्य में आप एटीएम और यूपीआई के माध्यम से भी अपने पीएफ खातों से पैसे निकाल पाएंगे। इस बदलाव से देश के 9 करोड़ से अधिक पीएफ खाताधारकों को सीधा लाभ मिलेगा।

एनपीसीएल ने यूपीआई को लेकर एक नया नियम लागू किया है, जिसके तहत यूपीआई पेमेंट करते समय यूजर्स को अब केवल 'अल्टीमेट बेनिफिशियरी' यानी असली प्राप्तकर्ता का बैंकिंग नाम ही दिखेगा। क्यूआर कोड या एडिट किए गए नाम अब दिखाई नहीं देंगे। यह नियम 30 जून तक सभी यूपीआई ऐप्स को लागू करना होगा।

1 जून से क्रेडिट कार्ड यूजर्स के लिए कुछ नियम बदलने वाले हैं। यदि आप कोटक महिंद्रा बैंक का क्रेडिट कार्ड इस्तेमाल करते हैं, तो आपको बड़ा झटका लग सकता है। बैंक अब ऑटो-डेबिट लेनदेन फेल होने पर 2% का बाउंस चार्ज लगाएगा। यह न्यूनतम 450 रुपये और अधिकतम 5000 रुपये तक हो सकता है। बैंक की वेबसाइट के अनुसार, 1 जून से बैंक के ज्यादातर क्रेडिट कार्ड पर मासिक फाइनेंस चार्ज में भी बढ़ोतरी हो सकती है।

Rising Sun International Scholol
Dumraon
अभिभावकों के विश्वास का 12 साल
Nur. to 8 Class
Pride of Dumraon
Admission Open 2025-26

Salient Features

- Outstation (Tamilnadu, Darjeeling, Kolkata, Jharkhand, Orisa) teaching staff
- Smart Class facility
- Audio-Video class for Nursery
- Computer lab-Richh library
- Music class
- Conducting Group discussion, Speech, Quiz, Writing, Spelling competition

Principal
Mr. Venketesan Subramaniyam
Chennai, TamilnadU

ADD- STATION ROAD, DUMRAON, NEAR BANK OF BRODACON- 6287076454, 8677874835

डिजिटल संस्करण
केशव टाइम्स
बक्सर
बक्सर, 01 जून 2025
website:keshavtimes.com
e-mail:keshavtimes1@gmail.com

बहाली में फर्जी दारोगा बन घुसने के प्रयास में बर्खास्त हवलदार गिरफ्तार

♦ भाई को होमगॉर्ड जवान बनाने के लिए रचा था स्वांग, राज खुलते ही भाग खड़ा हुआ आरोपी

केटी न्यूज/बक्सर

बक्सर के पुलिस लाईन में चल रहे होमगॉर्ड बहाली के दौरान एक फर्जी दारोगा पकड़ा गया है। मामला शुक्रवार का है। वह पहले बिहार पुलिस में हवलदार के पद पर कार्यरत था, जिसे किसी कारण से विभाग ने बर्खास्त कर दिया था। गिरफ्तार आरोपी की पहचान नवानगर थाना क्षेत्र के केसठ शिवपुर गांव निवासी मो. ध्यानचंद अली के रूप में की गई है।

वह अपने भाई को होमगॉर्ड जवान बनाने के लिए फर्जी दारोगा का स्वांग रचा था, लेकिन पुलिस लाईन के गेट पर तैनात पुलिस अधिकारियों ने समय रहते उसकी शिनाख्त कर ली, इसके बाद वह भागने का प्रयास करने लगा, लेकिन उसकी तस्वीर पुलिस लाईन के सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई थी। पुलिस टीम ने पीछा कर उसे पकड़ लिया। पूछताछ में उसने अपना जुर्म कबूल कर लिया है।

हालांकि, इसके पहले वह खुद को भोजपुर जिले के साइबर थाने का सब इंस्पेक्टर बता पुलिस लाइन में प्रवेश करने की कोशिश कर चुका था तथा रोकने वाले पुलिसकर्मियों को रौब भी दिखा रहा था, लेकिन वहां ड्यूटि पर तैनात पुलिसकर्मियों को उसकी गतिविधियों पर शक हुआ तथा उसकी रौब की परवाह किए बिना उससे आई कार्ड मांगा तथा भोजपुर पुलिस से संपर्क किया, इसके बाद उसके स्वांग से पर्दा उठा। असलियत सामने आते देख वह वहां से भाग खड़ा हुआ। पुलिस ने आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया है और उसके खिलाफ आगे की कानूनी प्रक्रिया जारी है।

पूर्व में भी मच चुका है बवाल: बता दें के पूर्व में भी होमगॉर्ड की बहाली प्रक्रिया में अभ्यर्थियों ने बवाल मचाया था। अभ्यर्थियों ने दौड़ प्रक्रिया में धांधली का आरोप लगाया था। इस दौरान सदर डीएसपी धीरज कुमार तथा अन्य पुलिस पदाधिकारियों ने अभ्यर्थियों को कंप्यूटर कक्ष में ले जाकर चीप को दिखा संतुष्ट किया था। इस घटना के बाद पुलिस प्रशासन इस बहाली को पारदर्शी बनाने के लिए और सख्ती बरत रहा है। फर्जी दारोगा का पकड़ा जाना इसी का प्रमाण है।

अवैध रूप से प्रवेश के आरोप में एक युवक को गिरफ्तार

" होमगॉर्ड की बहाली के दौरान बक्सर पुलिस लाइन में अवैध रूप से प्रवेश के आरोप में एक युवक को गिरफ्तार किया है। वह खुद सब इंस्पेक्टर बता रहा था। होमगॉर्ड की बहाली पूरी पारदर्शिता के साथ कराई जा रही है, बहाली प्रक्रिया में किसी भी तरह की अनियमितता या फजीर्वाड़ा करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। – **धीरज कुमार, सदर डीएसपी, बक्सर**

एक्शन : तीसरे दिन भी चला बुलडोजर भारी संख्या में मौजूद रहे पुलिस जवान

केटी न्यूज/राजपुर

राजपुर के अहियापुर में 24 मई की सुबह हुए ट्रिपल मर्डर में पुलिस का बुलडोजर ऐक्शन तीसरे दिन भी जारी रहा। पुलिस ने शनिवार को मुख्य आरोपी मनोज यादव के रसेन स्थित आलीशन महल पर बुलडोजर चला ध्वस्त कर दिया। वहीं, अहियापुर में सामुदायिक भवन को अतिक्रमणमुक्त कराने की कार्रवाई भी की गई। इसके पहले पुलिस ने दो दिन तक अहियापुर स्थित मनोज मनोज व संतोष यादव के तिमंजिले मकान को तोड़ा था व संपति को जब्त किया था।

लगातार तीसरे दिन पुलिस की इस कार्रवाई से आरोपियों व अपराधियों में हड़कंप मच गया है। ट्रिपल मर्डर के बाद पुलिस जिस तरह से सख्त कदम उठा रही है तथा ताबड़तोड़ कार्रवाई कर रही है, उससे अपराधियों में डर बना हुआ है। वहीं, जानकारी के अनुसार एक अन्य आरोपी धनसोई थाना क्षेत्र के रामपुर गांव निवासी बटेश्वर यादव की संपति कुर्क करने की प्रक्रिया चल रही है। पुलिस का कहना है कि इश्तेहार के बाद कभी भी उसके घर भी बुलडोजर चल सकता है।

गौरतलब हो कि 24 मई की सुबह अहियापुर में पूर्व जिप अध्यक्ष प्रतिनिधि मनोज यादव व पूर्व जिप उपाध्यक्ष संतोष यादव ने सरकारी जमीन पर कब्जे के लिए गांव के एक परिवार के सदस्यों को घेरकर गोलीबारी की थी। इस घटना में जहां तीन लोगों की मौके पर मौत हो गई थी, वहीं दो गंभीर रूप से जख्मी हुए थे, लेकिन घटना के बाद से पुलिस की कार्रवाई भी चर्चा में बनी है।

संपत्ति जब्त की गई है

" राजपुर में लगातार तीसरे दिन बुलडोजर ऐक्शन हुआ। पुलिस ने रसेन स्थित आरोपी मनोज यादव के मकान को तोड़ने के साथ ही वहां मिली संपत्ति जब्त की गई है। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर छापेमारी की जा रही है। अहियापुर ट्रिपल मर्डर के पीड़ितो को ऐतिहासिक न्याय दिलाया जाएगा। – **शुभम आर्य, एसपी, बक्सर**

बलुआ में मिला अधेड़ का शव, जांच में जुटी स्थानीय पुलिस

चौसा। मुफस्सिल थाना क्षेत्र के बलुआ गांव में एक अधेड़ का शव मिला है। उसका शव गांव के सरकारी करहा के पास पड़ा था। ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची मुफस्सिल थाने की पुलिस शव को उठा थाना लाई।

मृतक की पहचान इसी थाना क्षेत्र के जोकही गांव निवासी 55 वर्षीय राजेन्द्र गोंड के रूप में हुई है। पुलिस ने कागजी प्रक्रिया पूरी कर शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल बक्सर भेजा। घटनास्थल पर शव की हालत को देखकर हत्या की आशंका जताई जा रही है। बताया जाता है कि मृतक के नाक से खून निकला था और दांत भी टूटे हुए थे, जिससे प्रथम द्दष्टया किसी तरह की मारपीट की आशंका से इंकार नहीं किया जा सकता है। वहीं, पुलिस को आशंका है कि वह हीट वेब का शिकार हो गया है। हालांकि, मौत के कारणों का स्पष्ट खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो पाएगा। वहीं, घटना के बाद से मृतक के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया था। हालांकि, परिजन यह नहीं बता सकें कि वह गांव से यहां तक किस काम से आया था।

थानाध्यक्ष शंभू कुमार भगत ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। उन्होंने हत्या से इंकार किया है और कहा कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही अधेड़ की मौत के कारणों का पता चल सकेगा। समाचार लिखे जाने तक इस मामले में एफआईआर दर्ज नहीं हुआ था।

खुलासा: नावानगर स्थित पेप्सी प्लांट में ठेकेदारी करता है मुख्य आरोपी

ठेकेदारी में वर्चस्व जमाने के लिए पूर्व जिप प्रतिनिधि ने कराई संतोष की हत्या

♦ तीन गिरफ्तार, मुख्य साजिशकर्ता समेत तीन फरार

♦ गिरफ्तारी के लिए हो रही है छापेमारी: एसपी

केटी न्यूज/बक्सर

वासुदेवा थाना क्षेत्र के अमीरपुर देवपुरा (कुशवाहा टोला) निवासी व निमार्णाधीन पेप्सी कंपनी के ठेकेदार संतोष कुमार सिंह की हत्या कंपनी के ठेकेदारी में वर्चस्व कायम करने के लिए पूर्व जिला परिषद प्रतिनिधि व उसके साथियों ने करवाई है। हत्या करने व साजिश रचने में मुन्ना यादव के साथ कुल छह लोग शामिल है। जिनमें पुलिस ने तीन को गिरफ्तार कर लिया है। शनिवार को एसपी शुभम आर्य ने प्रेस वार्ता में मामले का खुलासा किया।

पुलिस ने जिन अपराधियों को गिरफ्तार किया है उनमें अमीरपुर के भोला सिंह उर्फ शिव शंकर सिंह पिता देवाश्रय सिंह, देवपुरा के महेन्द्र सिंह पिता स्व. रामनारायण सिंह व चकौड़ा के अरूण सिंह पिता स्व. राम प्रवेश सिंह शामिल है। वहीं, अमीरपुर निवासी व पूर्व जिला परिषद प्रतिनिधि मुन्ना यादव के अलावे उपेन्द्र व सुनील की भी इस हत्याकांड में भूमिका थी। तीनों अभी फरार चल रहे है। जिनकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस संभावित ठिकानों पर लगातार छापेमारी कर रही है। एसपी ने बताया कि इनमें अरूण सिंह का अपराधिक इतिहास मिला है तथा वह हत्या के मामले में पूर्व में जेल जा चुका है।

एसपी ने बताया कि 25 मई की सुबह अमीरपुर के देवपुरा टोला निवासी संतोष सिंह की हत्या पेप्सी कंपनी के पीछे अपराधियों ने गोली मार कर दी थी। इस हत्याकांड के उद्भेदन के लिए डुमरांव एसडीपीओ अफाक अख्तर अंसारी के नेतृत्व में एक टीम गठित किया गया था। टीम में डुमरांव सर्किल इंस्पेक्टर श्रीनाथ, मुरार थानाध्यक्ष अमन कुमार, नावानगर थानाध्यक्ष नंदू कुमार, वासुदेवा थानाध्यक्ष मधुबाला भारती, सोनवर्षा थानाध्यक्ष नवीन कुमार के अलावे वासुदेवा थाने के सशस्त्र बल व डुमरांव डीआईयू टीम को शामिल किया गया था। इस टीम ने वैज्ञानिक अनुसंधान व तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर पांच दिन में ही घटना का उद्भेदन करते हुए हत्याकांड व साजिश रचने में शामिल कुल तीन लोगों को गिरफ्तार कर लिया।

व्यवसायिक प्रतिस्पर्द्धा व पार्टनरी से इंकार बनी संतोष की मौत की वजह: एसपी ने बताया कि जब पेप्सी कंपनी का निर्माण कार्य शुरू नहीं हुआ था, उस समय से संतोष व उसके हत्यारे एक दूसरे के साथ काम करते थे। तब ये लोग मिलकर बियाडा की जमीन पर उगे पेड़ को काट बेचते थे। वहीं, जब पेप्सी कंपनी का निर्माण कार्य शुरू हुआ तो संतोष का उसके अधिकारियों से नजदीकी बढ़ गया तथा वह कंपनी को मजदूर तथा अन्य संसधान मुहैया कराने लगा। धीरे-धीरे उसका कंपनी पर एकक्षत्र राज्य कायम हो गया था।

जबकि दूसरी तरफ पूर्व जिप प्रतिनिधि मुन्ना यादव, भोला सिंह व महेन्द्र सिंह भी कंपनी में ठेकेदारी करना चाहते थे, लेकिन संतोष के रहते उनके मंसूबे कामयाब नहीं हो रहे थे। इस दौरान एक बार मुन्ना व महेन्द्र ने संतोष से पार्टनर बनाने की बात कही थी तथा इसके लिए दोनों उसे ढाई से तीन लाख रूपए देने को भी तैयार थे, लेकिन संतोष उन्हें पार्टनर बनाने को तैयार नहीं हुआ।

इसके अलावे महेन्द्र सिंह व भोला सिंह का टैज्क्टर पेप्सी कंपनी में चल रहा था। जिसका करीब एक लाख से अधिक रूपया संतोष के पास था। वह बार-बार मांगने पर भी दोनों को टैज्क्टर के किराये का भुगतान नहीं कर रहा था। इन्ही सब बातों से नाराज मुन्ना यादव ने उसकी हत्या की साजिश रची।

एक दिन पूर्व रात से कर रहे थे रेकी

एसपी ने बताया कि संतोष की हत्या के लिए मुन्ना यादव, भोला सिंह व महेन्द्र सिंह कई दिनों से साजिश रच रहे थे। 24 मई को मुन्ना यादव के घर सभी जुटे थे। उसी दिन तय किया गया कि सुबह में जब वह शौच के लिए निकलेगा तब उसे गोली मार देना है। एसपी ने बताया कि मुन्ना ने ही इसके लिए एक देशी कट्टा व दो कारतूस मुहैया कराया तथा चार लोगों को उसके हत्या की जिम्मेवारी दी गई। सभी अपराधी आधी रात से ही उसकी रेकी कर रहे थे। इस दौरान संतोष अपने दरवाजे पर सो रहा था तथा सुबह में जैसे ही वह शौच के लिए पेप्सी कंपनी के पीछे पहुंचा कि पहले से घात लगाए बैठे अपराधियों ने उसे पकड़ काफी करीब से कान के पास गोली मार दी। जिससे मौके पर ही उसकी मौत हो गई। एसपी ने बताया कि हत्या के बाद हथियार छिपाने की जिम्मेवारी उपेन्द्र व सुनील की थी, जो अभी फरार चल रहे है। एसपी ने बताया कि फरार अभियुक्तों को भी शीघ्र गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

पत्नी से विवाद के बाद युवक ने की आत्महत्या

केटी न्यूज/नावानगर

घरेलू कलह के चलते एक युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। यह ह्रदयविदारक घटना नावानगर थाना क्षेत्र अंतर्गत स्थित बुढैला गांव से सामने आई है, जहां युवक और उसकी पत्नी के बीच कहासुनी के बाद युवक ने यह खौफनाक कदम उठाया। मृतक की पहचान उक्त गांव के राजेश सिंह के 22 वर्षीय पुत्र विकास महतो के रूप में हुई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार बीती रात पति-पत्नी के बीच किसी बात को लेकर जोरदार बहस हुई थी।

विवाद के कुछ समय बाद युवक ने अपने कमरे में जाकर पंखे से लटककर फांसी लगा ली। परिजनों को इसकी जानकारी शनिवार सुबह की हुई। जब बार-बार दरवाजा पीटने के बाद युवक नहीं खोला, तो परिजन ने वेंटिलेटर के सहारे देखा। जहां युवक फांसी लगाकर झूल रहा था। बाद में परिजनो ने इसकी सूचना पुलिस को दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। साथ ही पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। थानाध्यक्ष नंदू कुमार ने बताया कि घटना से संबंधित सभी पहलुओं को खंगाला जा रहा है। हालांकि प्रारंभिक जांच में मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है, हालांकि पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और परिवारजनों से पूछताछ के बाद ही सच्चाई सामने आ पाएगी।

दरवाजे पर सो रहे दादा-पोती को मारी गोली

केटी न्यूज/डुमरांव

नैनीजोर थाना क्षेत्र के नैनीजोर दक्षिणी पंचायत के वार्ड नौ स्थित यादव टोली में शुक्रवार की मध्य रात्रि दरवाजे पर सो रहे दादा व पोती को अज्ञात अपराधियों ने गोली मार जख्मी कर दिया है।

जख्मी 65 वर्षीय चतुर यादव व दो वर्षीय चांदनी कुमारी का आरा सदर अस्पताल में इलाज चल रहा है। वहीं, घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। वहीं, हमलावरों का पता नहीं चल सका है। मिली जानकारी के अनुसार चतुर यादव अपनी दो वर्षीय पोती के साथ दरवाजे पर सो रहे थे। रात करीब 12 बजे सोए अवस्था में किसी ने उन्हें गोली मार दी। गोली चतुर से पीठ को चीरते हुए चांदनी को भी लगकर निकल गई। गोलीबारी की आवास सुन उनकी पुत्रवधू सोनी देवी दौड़े भागे दरवाजे पर आई तो देखी कि उनके ससुर व बेटी खून से लथपथ है। इसके बाद वह शोरगुल मचा ग्रामीणों को इस घटना की जानकारी दी। ग्रामीणों ने रात में ही पुलिस को सूचना दी, मौके पर पहुंची पुलिस की अभिरक्षा में दोनों को इलाज के लिए आरा पहुंचाया गया। हालांकि, इस मामले में शनिवार की शाम तक एफआईआर दर्ज नहीं हुआ था।

मामले में थानाध्यक्ष मो. फिरोज आलम ने बताया कि पुलिस मामले की जांच कर रही है। इस घटना के बाद ग्रामीणों में हड़कंप मच गया है। ग्रामीणों का कहना है कि कई लोग घर से बाहर सोते है। इस घटना के बाद उनमें भय व्याप्त है। वहीं, घटना को ले गांव में कई तरह की चचाएं हो रही है।

डीएम अंशुल अग्रवाल का हुआ तबादला विद्यानंद सिंह बने बक्सर के नये जिलाधिकारी

केटी न्यूज/बक्सर

जिलाधिकारी अंशुल अग्रवाल का तबादला हो गया है, उनकी जगह योजना एवं विकास विभाग के निदेशक रहे विद्यानंद सिंह को बक्सर का नया डीएम बनाया गया है। राज्य सरकार ने इसकी अधिसूचना जारी कर दी है। अंशुल अग्रवाल के साथ ही राज्य सरकार ने कुल 34 आईएएस अधिकारियों को तबादला किया है। अंशुल अग्रवाल को निबंधक सहयोग समिति बनाया गया है।

बक्सर के जिलाधिकारी बनाए गए विद्यानंद योजना एवं विकास विभाग, बिहार, पटना में अर्थ एवं सांख्यिकी निदेशक के पद पर कार्यरत थे। विद्यानंद सिंह को पूर्व में प्रोन्नति के बाद भारतीय प्रशासनिक सेवा के 2013 बैच का कैडर प्राप्त हुआ था। उनके पास प्रशासनिक सेवाओं का लंबा अनुभव है। माना जा रहा है कि यह अनुभव बक्सर के विकास के काम आएगा। उनके बेहतर कार्यशैली और अनुभव को देखते हुए ही सरकार ने उन्हें बक्सर जैसे प्रमुख जिले का जिलाधिकारी बनाया है।

बता दें कि पूर्व डीएम अंशुल अग्रवाल को कुछ महीने पहले ही अपर सचिव के पद पर प्रोन्नति मिली थी। बक्सर में जिलाधिकारी रहते हुए अंशुल अग्रवाल ने अपने बेहतर कार्यों, आम जनता से कुशल व्यवहार तथा विकास कार्यों के लिए काफी सुर्खियां अर्जित की है।

बक्सर के तीन भाजपा नेताओं को मिली प्रदेश मंत्री की जिम्मेदारी, जिलाध्यक्ष ने जताई खुशी

केटी न्यूज/बक्सर

भारतीय जनता पार्टी बिहार प्रदेश ने सांगठनिक द्दष्टिकोण से तथा आने वाले आगामी विधानसभा चुनाव को देखते हुए संगठन विस्तार किया है। प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल ने संगठन का विस्तार करते हुए बक्सर जिले से तीन नेताओं को प्रदेश मंत्री की जिम्मेवारी सौंपी है।

आगामी विधानसभा चुनाव के पहले इन कार्यकताओं के मनोनयन से जिला भाजपा में खुशी की लहर दौड़ गई है। भाजपा जिलाध्यक्ष ओमप्रकाश भुवन ने बिहार भाजपा के संगठन बिस्तार को लेकर खुशी जाहिर की है। उन्होंने ने कहा कि प्रदेश अध्यक्ष ने अपने अनुभव व सूझ बूझ का परिचय देते हुए भारतीय जनता पार्टी का सांगठनिक बिस्तार किया है, जो आगामी विस चुनाव में बिहार में एक सशक्त सरकार बनाने में भुमिका निभाएगी। उन्होंने बक्सर जिले से तीन तीन प्रदेश मंत्री संतोष रंजन राय, मनोज सिंह तथा पूनम रविदास को बनाऐ जाने पर प्रसन्नता जाहिर करते हुए प्रदेश अध्यक्ष को बधाई दी और कहा कि इनके नेतृत्व और मार्गदर्शन में बक्सर जिला के सभी चार की चार सीटें हम एनडीए के खाते में डालने का काम करेंगे।

मौके पर बधाई देने वालों में अनिल पांडेय, पुनीत सिंह, इंदु देवी, निर्भय राय, चुन्नू सिंह, मीना सिंह कुशवाहा, रमेश गुप्ता, धनंजय त्रिगुण, बिनोद राय, रेखा देवी, अरविंद पासवान, संध्या पाण्डेय, राजाराम पांडेय, बिमल कुमार सिंह, मनोज पाण्डेय, तेज प्रताप सिंह छोटे, विनोद सिंह, धनंजय राय, प्रतिभा सिंह, भरत प्रधान, संत सिंह, उमाशंकर राय समेत कई अन्य कार्यकर्ता शामिल रहे।

पढ़ेंगे-बढ़ेंगे और सीखेंगे हम, विषय पर अभिभावक शिक्षक संगोष्ठी कार्यक्रम आयोजित

ग्रीष्मावकाश में बच्चों के पढ़ने के लिए अभिभावक घर में बनाएं स्टडी कॉनर्र: डीएम

♦ ग्रीष्मकालीन अवकाश में छात्रों को सीखने के लिए अभिभावकों को किया गया जागरूक

केटी न्यूज/बक्सर

जिलाधिकारी अंशुल अग्रवाल की उपस्थिति में शनिवार को आदर्श शिशु मध्य विद्यालय कोइरपुरवा एवं मध्य विद्यालय महदह में अभिभावक शिक्षक संगोष्ठी कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

जिलाधिकारी ने अभिभावकों से कहा कि एक जून से ग्रीष्मकालीन अवकाश शुरू हो रहा है। इस अवधि में अपने घरों में बच्चों के पठन-पाठन का माहौल बनाए। जिलाधिकारी ने कहा कि बच्चों के पठन-पाठन के लिए कोना (स्टडी कॉर्नर) चिन्हित एवं विकसित कर लें। यदि बहुत जरूरी नहीं हो तो 11 बजे से पांच बजे के बीच घर से नहीं निकलने दे तथा कक्षा में एक अप्रैल से 31 मई तक पढ़ाए गए पाठ और अभ्यास का छुट्टियों में पुनः रिवीजन कराए। जिलाधिकारी ने छात्र-छात्राओं के अभिभावकों से अपील किया कि बच्चों को शैक्षणिक उपयोग वाले वीडियो आदि देखने के लिए प्रेरित करेंगे। संगोष्ठी कार्यक्रम के दौरान शिक्षकों ने अभिभावकों को गर्मी की छुट्टी के दौरान छात्रों को दिए गए होमवर्क के बारे में बताया एवं प्रेरित किया कि विद्यालय द्वारा दिए गए होमवर्क को बच्चों से ससमय पूर्ण कराएं।

वहीं, 28 अप्रैल से 2 मई के बीच अभियान के तहत पाठ्य पुस्तकों का वितरण कराया गया था। जिलाधिकारी द्वारा प्रधानाध्यापक को निर्देश दिया गया कि यदि किसी कारणवश किसी छात्र को पाठ्यपुस्तक अथवा अभ्यासपुस्तक उपलब्ध नहीं हुआ है तो प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी से समन्वय कर संगोष्ठी के दौरान ही छात्र को पाठ्यपुस्तक एवं अभ्यासपुस्तक निश्चित रूप से उपलब्ध करायेंगे।

उन्होंने प्रधानाध्यापकों को निर्देश दिया कि अभिभावकों को ई-शिक्षाकोष से होमवर्क की प्रति डाउनलोड कर उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें। परिजन शिक्षण संवाद में परिजनों से प्राप्त सुझाव के आलोक में जिला शिक्षा पदाधिकारी बक्सर एवं संबंधित पदाधिकारी को आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया।

CAMBRIDGE SCHOOL DUMRAON
Affiliated to C.B.S.E., Delhi, Up to (10+2)- Aff. No. 330723, SCHOOL No. 65720
Harnahi Road, Dumraon, Buxar - 802119
8210918840, 7319972175, 6393686958 www.cambridgeschooldumraon.com facebook.com/CAMBRIDGEDUMRAON
A CO-EDUCATIONAL SCHOOL FROM NURSERY TO STD. XII
ADMISSION NOTICE FOR STD. XI (SCIENCE & COMMERCE STREAMS)
OUTSTANDING PERFORMANCE OF OUR STUDENTS IN AISSE (Std. X) & AISSCE (Std. XII) CBSE BOARD EXAMS 2025
SCHOOL TOPPER- STD. XII
SARTHAK RAJ MISHRA 92%
SUBJECT WISE HIGHEST MARKS IN STD. XII
Chemistry : 98, Biology : 91, English Core : 97, Physics : 91, Physical Education : 96, Business Studies : 86, Mathematics : 92, Economics : 83
TOPPERS- STD. X
1st KHUSHI KUMARI 95.2%
2nd ANSH RAJ SINGH 94.8%
2nd PRAGATI KUMARI 94.8%
2nd SHREYA RAJ 94.8%
3rd ANMOL RAJ VATS 94%
3rd MOHIT KUMAR SINGH 94%
SUBJECTWISE HIGHEST MARKS
• Mathematics : 100 • Sanskrit : 100 • Social Science : 97
• Science : 100 • English : 95 • Hindi : 94
INFORMATION
The Information & Admission Cell at the JUNIOR WING, Dr. Jagnarayan Singh Hospital Campus, will remain open on all working days (Mon. - Sat.) from 9:00 am - 01:00 pm also during Summer Vacation.
LIMITED SEATS. HURRY UP!!!
REGISTRATION IS GOING ON FOR ADMISSION TO CLASS XI (SCIENCE & COMMERCE STREAMS) FOR THE ACADEMIC SESSION 2025-26. CLASSES WILL START FROM 23 JUNE, 2025.
SCHOLARSHIP SCHEME
• CANDIDATES WITH 90% & ABOVE WILL BE GIVEN HALF FREESHIP (50% REBATE IN ADMISSION FEE AND MONTHLY TUITION FEE) FOR BOTH CLASSES XI & XII. OTHER CHARGES ARE PAYABLE FOR BOTH CLASSES.
• INTEGRTION OF FOUNDATION CLASSES FOR NEET AND JEE MAINS IN CURRICULUM.
CHAIRMAN- MR. T.N. CHOUBEY

भाईचारे व सौहार्द्र को बढ़ाता है खेलकूद, काबिले तारीफ है युवाओं का प्रयास: रामजी तिवारी

- पतरकोना में आयोजित हुई नाईट क्रिकेट प्रतियोगिता
- पूरी रात चौको व छक्कों पर शोर मचाते रहे दर्शक
- बेलहरी को पराजित कर केसठ ने जीती ट्रॉफी

केटी न्यूज/डुमरांव

खेलकूद भाईचारे व सौहार्द्र को बढ़ावा देता है। इससे स्वस्थ्य प्रतिस्पर्द्धा का विकास होता है तथा युवाओं का स्वास्थ्य भी ठीक रहता है। उक्त बातें नावानगर के बेलहरी पंचायत के पूर्व मुखिया रामजी तिवारी ने कही। अवसर था उनके पैतृक गांव में आयोजित नाईट क्रिकेट प्रतियोगिता के पुरस्कार वितरण का।

उन्होंने पतरकोना जैसे गांव में नाईट क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन कराने के लिए ग्रामीण युवाओं खासकर बीबीसी क्रिकेट क्लब के अध्यक्ष विमलेश तिवारी की जमकर तारीफ की और कहा कि इस प्रयास से ग्रामीणों का खूब मनोरंजन हुआ है तथा गांव के युवाओं व किशोरों में खेल के प्रति दिलचस्पी बढ़ी है।

प्रतियोगिता में शामिल हुई थी आठ टीमे : इसके पूर्व पूर्व मुखिया रामजी तिवारी, परमानपुर पंचायत के मुखिया अनिल चौबे, रोहतास के करौली पंचायत के मुखिया शहरी तिवारी, जिप सदस्य बंटी शाही, सुदर्शन सिंह व बीबीसी क्रिकेट क्लब के अध्यक्ष विमलेश तिवारी ने संयुक्त रूप से इस प्रतियोगिता का उदघाटन किया तथा प्रतियोगिता में शामिल होने वाले खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर उनकी हौसला अफजाई भी की। इस प्रतियोगिता में नावानगर, डुमरांव, परमानपुर, बेलहरी, छतनवार, रेंका, दहिवर व केसठ की टीमे शामिल हुई थी। लीग मुकाबला छह-छह ओवर का था, जबकि फाईनल मुकाबला आठ ओवर का खेला गया।

फाइनल में केसठ की टीम बनी विजेता : इस नाईट क्रिकेट प्रतियोगिता का फाईनल मुकाबला केसठ व बेलहरी की टीमों के बीच खेला गया। जिसमें पहले बैटिंग करते हुए केसठ की टीम ने 81 रन का मजबूत स्कोर बनाया, जिसके जबाव में खेलने उतरी बेलहरी की टीम निर्धारित ओवरों छह विकेट के नुकसान पर महज 62 रन ही बनो सकी। पूरी रात चले मैच के दौरान सैकड़ो की संख्या में दर्शक मौजूद थे तथा हर चौक्को व छक्को पर जोरदार तालियों व शोरगुल मचा खिलाड़ियों की हौसला अफजाई कर रहे थे। विजेता व उपविजेता टीम को पूर्व मुखिया रामजी तिवारी व अन्य गणमान्य लोगों ने अपने हाथों पुरस्कार दिया। इस दौरान विजेता टीम को 10 हजार रूपए नगद के साथ चमचमाती ट्राफी व उप विजेता को पांच हजार नगद व रनर कप प्रदान किया गया।

फाइ में बेहतर प्रदर्शन करने वाले केसठ के सुफियान को मैन आफ द मैच व केसठ के ही संजय यादव को प्रतियोगिता का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया। आयोजन को सफल बनाने में बीबीसी क्रिकेट क्लब के अध्यक्ष विमलेश तिवारी, मोहित तिवारी, आदित्य तिवारी, बिट्टू तिवारी, विवेक तिवारी, रामबाबू, शिव शर्मा समेत कई अन्य युवाओं ने सराहनीय भूमिका निभाई। मौके पर आयोजक क्लब के अध्यक्ष विमलेश ने कहा कि गांव में खेलकूद को बढ़ावा देने के उदेश्य से इस प्रतियोगिता का आयोजन कराया गया था, उन्होंने कहा कि हर साल इस प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा, ताकी युवाओं में खेल के प्रति रूचि पैदा हो।

डुमरांव नप की सामान्य बोर्ड की बैठक में छाया रहा जलसंकट का मुद्दा, शामिल हुए विधायक

बोले पार्षद... लोगों को नहीं मिल पा रहा है पानी आपूर्ति योजना का लाभ

- बैठक में हर वार्ड में पांच में चापाकल व दो बोरिंग लगाने पर लगी मुहर
- विधायक अजीत कुशवाहा ने बैठक में की विकास की बातें

केटी न्यूज/डुमरांव

सधारण बोर्ड की बैठक में विकास का मुद्दा छाया रहा वहीं विस्तारित क्षेत्र के वार्ड पार्षदों द्वारा उपेक्षा करने की शिकायत की। बैठक की अध्यक्षता मुख्य पार्षद सुनीता गुप्ता व संचालन ईओ मनीष कुमार ने किया।

बैठक के दौरान डुमरांव एवं विस्तारित क्षेत्र के पार्षदों ने इस भीषण गर्मी के दौरान वार्डों में पेयजल की समस्याओं पर एकजुटता दिखाते हुए शीघ्र इसका निदान निकालने की बात कही। साथ ही, इस प्रस्ताव का प्रोसोडिंग दर्ज करने पर जोर दिया। इस पर चयेरमैन सुनीता गुप्ता ने सभी वार्ड पार्षदों को आश्वस्त किया की प्रत्येक वार्ड में 5 चापाकल एवं दो समरसेबल मोटर लगाया जाएगा। यह कार्य प्राथमिकता एवं जरूरतमंद वार्डो के लिए है। वही वार्ड पार्षद श्याम शर्मा ने स्ट्रीट लाइट एवं होल्डिंग टैक्स को वापस करने की मांग उठाई, जिसपर प्रतिक्रिया देते हुए मुख्य पार्षद ने कहा की इस पर अग्रेत्तर कार्रवाई चल रही है। फिर सभी को बताया गया की शहर और विस्तारित क्षेत्र में स्ट्रीट लाइट लगाने के लिए गत बैठक में प्रस्ताव संख्या 5 एवं 6 लिया गया है। इसके आलोक में ईओ द्वारा 23 मई 2025 को कार्यपालक अभियंता नगर विकास विभाग को पत्र तकनीकी स्वीकृति के लिए भेजा गया है। कार्य टेंडर के माध्यम से होगा। वहीं रख रखाव के लिए चयनित एजेंसी को जिम्वेदारी रहेगी।

12 गांवों को नप में शामिल कर लिया गया है: वहीं विस्तारित क्षेत्र के होल्डिंग टैक्स पर उप मुख्य पार्षद विकास ठाकुर पार्षद को बताया कि नगर विकास एवं आवास विभाग की अधिसूचना के तहत भोजपुर कदीम, मुहम्मदपुर, हकीमपुर सहित 12 गांव नप में शामिल कर लिया गया है। इसके विकास के लिये विभागीय निदेर्शानुसार सड़कों का सर्वेक्षण कर वर्गीकरण किया गया है। सदस्यों ने कहा कि बिना प्रचार-प्रसार और जानकारी के अभाव में कर नहीं चुकाने वालों पर अत्यधिक ब्याज जुड़ गया है, जिससे नगर के लोग भुगतान में असमर्थ हो गए हैं। सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि सम्पत्ति कर की वसूली अब वित्तीय वर्ष 2023-24 से की जाएगी। इस प्रस्ताव को स्वीकृति के लिए विभाग को भेजा जाएगा। इस निर्णय को नागरिकों ने सहूलियत और पारदर्शिता की दिशा में महत्वपूर्ण माना है।

वहीं, वार्ड पार्षद धीरेंद्र निराला ने अपने वार्ड के जल समस्या को लेकर कहा कि वर्षों से एक बड़ी आबादी पानी की समस्या से जूझ रहा है वार्ड में छठिया पोखर स्थित जलमीनार से पानी का कनेक्शन है। लेकिन पानी नहीं मिलता है वही पार्षद अमर पासवान के द्वारा नया थाना से पुराना नगर परिषद तक नाली निर्माण के लिए कहा गया। वहीं बैठक के दौरान सेंट्रल नाले पर किए गए अतिक्रमण पर भी आवाज उठा। वार्ड 33 के पार्षद के द्वारा सेंटर नाला को अतिक्रमण मुक्त एवं चौड़ीकरण का मांग किया गया। वहीं वार्ड संख्या 11 पुराना भोजपुर स्थित काली मंदिर के समीप हाईमास्ट लाइट लगाने की बात कही गई जिसे प्रोसीडिंग बुक में दर्ज किया गया। बैठक के दौरान स्थानीय विधायक अजीत कुशवाहा एवं बक्सर सांसद के प्रतिनिधि के रूप में नगर अध्यक्ष राजद मुन्ना खान शामिल रहे। इस दौरान विधायक अजीत कुशवाहा ने कहा कि बोर्ड के बैठक में जो भी योजनाएं ली जा रही है उसका सही दिशा में कार्य किया जाए ताकि जनता को इससे लाभ मिले। वहीं उन्होंने कहा कि नया थाना से रेलवे क्रासिंग तक मुख्यमंत्री शहरी समग्र योजना के तहत नाला निर्माण के लिए प्रस्ताव चला गया है। जिसकी स्वीकृति मिलने के साथ ही निर्माण कार्य को शुरू कर दिया जाएगा। वहीं अन्य पार्षद ने अपनी समस्या एवं प्रस्ताव को रखा।

गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं की जाएगी

पार्षदों ने कहा कि नप क्षेत्र में करोड़ों की लागत से सड़क एवं नाली का निर्माण विभागीय किया गया है, जिसमें अनियमितता की भरमार है। इतना ही नहीं बनने के साथ ही नाली, गली व पीसीसी रोड टूटकर बिखरने लगा है। मुख्य पार्षद सुनीता गुप्ता ने कहा कि कार्य की गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि विभागीय कार्यों के लिए टीम गठित कर जांच कराई जाएगी। जहां अनियमितता मिलती है तो उसके जिम्मेदार जेई एवं मेठ पर कार्रवाई की जाएगी। संवेदक को तीन वर्षों तक सड़क का मरम्त करनी होगी, नहीं करने पर उनपर एकरारनामा एवं नगरपालिका अधिनियम के तहत कार्रवाई होगी।

23 दिनों के बाद हड़ताल समाप्ती के बाद काम पर लौटे राजस्व कर्मचारी

डुमरांव। बिहार राज्य भूमि सुधार कर्मचारी संघ के आह्वान पर 23 दिनों से चल रही राजस्व कर्मचारियों की हड़ताल शनिवार को समाप्त हो गई। हड़ताल समप्त होते ही 17 दिनों से विरान पड़े अंचल कार्यालय की रौनक लौट आयी है। मालूम हो कि 7 मई से 29 मई तक चली इस हड़ताल के दौरान दाखिल-खारिज, परिमार्जन, आय-जाति-आवास प्रमाण पत्र जैसे कई जरूरी कार्य पूरी तरह ठप पड़े थे। इससे आम लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। 30 मई को राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के सचिव जय सिंह द्वारा पत्र जारी किए जाने के बाद सभी कर्मचारी काम पर लौट आए हैं। कर्मचारियों की वापसी से डुमरांव अंचल सहित जिले के सभी अंचलों में कार्यों की गति तेज हो गई है।

विदित हो कि राजस्व कर्मचारी अपनी 17 सूत्री मांगों को लेकर राज्यव्यापी सामूहिक अवकाश पर चले गए थे। इनमें गृह जिला में पदस्थापन, 2800 ग्रेड पे, वाहन व कार्यालय व्यय की सुविधा के साथ ही 10 वर्षों में पदोन्नति जैसी प्रमुख मांगें शामिल थीं।

डुमरांव नगर परिषद क्षेत्र के तालाबों का होगा सौंदर्यीकरण, छठ व्रतियों को मिलेगी सुविधा

केटी न्यूज/डुमरांव

- वर्षो की उपेक्षा के बाद अब संवरेंगे डुमरांव नगर क्षेत्र के प्रमुख तालाब

नगर परिषद क्षेत्र के वर्षों से उपेक्षित तालाबों की तस्वीर अब बदलने जा रही है। नगर विकास एवं आवास विभाग की ओर से जल्द ही प्रमुख तालाबों का सौंदर्यीकरण कराया जाएगा। नगर परिषद कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार, ब्लॉक स्थित खिरौली पोखर और राम सूरत राय पोखर के अलावा महरौरा एवं महाकाल मंदिर परिसर स्थित पोखर को शामिल करते हुए सौंदर्यीकरण की योजना तैयार की गई है। इन सभी तालाबों की स्थिति लंबे समय से जर्जर थी। न तो इनके चारों ओर समुचित प्रकाश की व्यवस्था थी और न ही बैठने की सुविधा।

इस कारण स्थानीय लोगों व छठ पर्व पर व्रतियों को खासा कठिनाई होती थी, लेकिन अब नगर विकास एवं आवास विभाग की ओर से टेंडर प्रक्रिया के माध्यम से शहर के महाकाल मंदिर एवं महरौरा तलाब का जीर्णोद्धार और सौंदर्यीकरण कराया जाएगा। बाकी अन्य तलाब एवं पोखर का कार्य नप द्वारा कराया जाएगा। सौंदर्यीकरण कार्य के तहत तालाबों के चारों ओर पक्की घेराबंदी की जाएगी। स्ट्रीट लाइट, सीमेंटेड पथवे और सिटिंग बेंच की व्यवस्था की जाएगी, जिससे आमजन को सुबह-शाम टहलने व बैठने की सुविधा मिल सकेगी। छठ पर्व के मद्देनजर विशेष रूप से घाटों को समतल किया जाएगा, ताकि व्रतियों को किसी प्रकार की परेशानी न हो। ईओ मनीष कुमार ने कहा कि जल जीवन हरियाली अभियान के तहत इन तलाब एवं पोखर का कार्य होगा।

चौपाल अभियान के तहत जिले के हर घर में पहुंचाया जा रहा कांग्रेस का झंडा: डॉ. सत्येन्द्र

केटी न्यूज/बक्सर

कांग्रेस अपने चौपाल कार्यक्रम के तहत हर घर कांग्रेस का झंडा पहुंचा रही है। यह अभियान जिले के सभी घरों तक कांग्रेस का झंडा पहुंचाकर ही थमेगा।

उक्त बातें बक्सर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता व बिहार प्रदेश कांग्रेस कमेटि के सदस्य डॉ. सत्येन्द्र ओझा ने शनिवार को सदर प्रखंड के बरूणा पंचायत में आयोजित चौपाल कार्यक्रम के दौरान कही।

इसके पूर्व बरूना पंचायत में प्रह्लाद पासवान की अध्यक्षता व कांग्रेस नेता अजय ओझा के संचालन में बरूना में चौपाल कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसके बाद वरिष्ठ कांग्रेस नेता सत्येन्द्र के नेतृत्व में पंचायत के घरों में कांग्रेस के झंडा का वितरण किया गया।

डॉ. सत्येन्द्र ने कहा कि राहुल गांधी के सपनों का भारत बनाने के लिए कांग्रेस पार्टी चौपाल कार्यक्रम तथा हर घर झंडा वितरण का कार्यक्रम चला रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस का मानना है कि जिसकी जितनी संख्या उसकी उतनी संसाधन पर पकड़ व सत्ता में सहभागिता होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि एससी-एसटी एवं ओबीसी समुदाय सहित जनरल कास्ट के गरीबी रेखा के नीचे के लोग लोगों को भी उनका अपना हक मिले, इसके लिए लगातार राहुल गांधी संघर्ष कर रहे हैं।

मौके पर कांग्रेस नेता अजय ओझा, पप्पू दुबे, रमेश राम, अरविंद चौधरी, हरिहर प्रसाद, उमाशंकर खरवार, विनोद कुमार कमकर, तारकेश्वर प्रसाद, रामबाबू पासवान, रामाश्रय प्रसाद, मोतीलाल शर्मा, मुकुल चौबे, आदित्य कुमार, जगलाल यादव, धर्मेंद्र यादव, लाल यादव, ऋषिकेश, तुलसी, मुकेश, अमित, धर्मेंद्र यादव सहित सैकड़ो लोग मौजूद थे। कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापन विनोद कमकर ने किया।

तंबाकू न खाने के लिए एक-दूसरे को कर सकते हैं जागरूक: जिला जज

केटी न्यूज/बक्सर

विश्व तंबाकू निषेध दिवस के अवसर पर जिला जज हर्षित सिंह द्वारा न्यायिक पदाधिकारीयों, न्यायिक कर्मचारीयों, कार्यालय कर्मचारीयों, पैनल अधिवक्ता, पारा विधिक स्वयंसेवको को तंबाकू खाने, उसका सेवन करने एवं तंबाकू से बने पदार्थो का सेवन ना करने की शपथ दिलाई।

जिला जज ने कहा कि तंबाकू के सेवन से होने वाली मौतों की संख्या में लगातार बढ़ोत्तरी को देखते हुए विश्व स्वास्थ्य संगठन ने वर्ष 1987 में तंबाकू निषेध दिवस मनाने का फैसला लिया। अगले वर्ष यानी 1988 में पहली बार विश्व तंबाकू निषेध दिवस मनाया गया। लोगों में बीड़ी, सिगरेट और गुटखा आदि के सेवन से कई तरह की बीमारियां होने का खतरा बढ़ जाता है। धूम्रपान करने से धमनियां कमजोर होने लगती हैं और कोरोनरी हार्ट डिजीज और स्ट्रोक हो सकता है। तंबाकू निषेध दिवस का दिन का महत्व आदि के बारे में जानकर हम सभी एक दूसरों को भी जागरूक कर सकते है। हर वर्ष विश्व तंबाकू निषेध दिवस 31 मई को मनाया जाता है। 1988 में मई के आखिरी दिन इसे मनाने के लिए एक प्रस्ताव पास हुआ था। जिसके बाद से हर साल 31 मई को तंबाकू के सेवन को रोकने और इससे होने वाली समस्या से जागरूक करने के लिए विश्व तंबाकू निषेध दिवस मनाया जाने लगा। मौके पर अवर न्यायाधिश नेहा दयाल, के अलावा न्यायिक पदाधिकारी, प्रधान न्यायाधीश मनोज कुमार, प्रथम, जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश उदय प्रताप सिंह एवं अन्य सभी न्यायिक पदाधिकारी व अन्य उपस्थित रहे।

नावागर में शतचंडी यज्ञ हेतु भव्य जलभरी सह शोभायात्रा का आयोजन

शोभायात्रा में जयकारों से भक्तिमय हुआ वातावरण

- यज्ञाचार्य डॉ. नारायण जी उपाध्याय के सानिध्य में 05 जून तक चलेगा यज्ञ

केटी न्यूज/नावानगर

मां काली के पंचम वर्षगांठ महोत्सव के उपलक्ष्य में स्थानीय गांव में श्रद्धा और आस्था का अद्भुत संगम देखने को मिला, जब शतचंडी पाठात्मक महायज्ञ के लिए जलभरी सह शोभायात्रा का भव्य आयोजन किया गया। शोभायात्रा में सैकड़ों श्रद्धालुओं ने भाग लिया और जयकारों के बीच पूरे क्षेत्र को भक्तिमय वातावरण से भर दिया था।

शोभायात्रा की शुरूआत स्थानीय काली मंदिर से की गई, जो नावानगर के विभिन्न मार्गों से गुजरती हुई पुनः मंदिर परिसर में संपन्न हुई। यात्रा में कलशधारी महिलाएं पारंपरिक वस्त्रों में सजी धजी दिखीं, वहीं युवाओं की टोली ने ढोल-नगाड़ों और भजन-कीर्तन के साथ उत्साह का माहौल बनाया। यज्ञ के लिए शोभायात्रा निकालने से पहले यज्ञ मंडप में वैदिक मंत्रोच्चार के बीच विधिवत पूजन किया गया। उसके पश्चात नजदीकी जलाश्य पहुंच पवित्र जल कलश में लिया गया। इस दौरान यज्ञ के आचार्यों द्वारा मुख्य कलश की पूजा की गई। हालांकि जलभरी में सर्वप्रथम गंगा नदी बक्सर से जल कलश में भरकर यज्ञ मंडप तक पहुंचा था। कार्यक्रम के आयोजकों ने बताया कि यह पंचम वर्षगांठ विशेष रूप से ऐतिहासिक और श्रद्धापूर्ण बन गई है, क्योंकि इस वर्ष शतचंडी यज्ञ का आयोजन हो रहा है। उन्होंने बताया कि जलभरी के बाद 31 मई को अरणी मंथन व मंडप प्रवेश तथा पाठ एवं हवन के बाद यज्ञ प्रारंभ हो जायेगा। शतचंडी पाठात्मक यज्ञ यज्ञाचार्य डॉ. नारायण जी उपाध्याय के सानिध्य में 05 जून तक चलेगा। साथ ही 01 जून से दुर्गा पाठ शुरू होकर 04 जून तक चलेगा। वही 05 जून को पूणार्हुति व भव्य भंडारे के साथ यज्ञ की समाप्ति हीगी। सदस्यों ने बताया कि यज्ञ में अयोध्या धाम के नरेंद्र शास्त्री के मुखार बिंदु से प्रवचन किया जाएगा। कहा यह आयोजन न केवल धार्मिक आस्था को मजबूत करता है, बल्कि सामाजिक एकता और संस्कृति के संरक्षण का भी प्रतीक बन चुका है। जलभरी शोभायात्रा में यज्ञ समिति के सभी सदस्य व ग्रामीण उपस्थित थे।

टाउन थाना क्षेत्र के मझौवां गांव में शुक्रवार की रात घटना, फायरिंग में गोली लगने से चार्टर्ड अकाउंटेंट जख्मी

आरा में दो दिन पूर्व हुए झगड़े में मारपीट व फायरिंग

♦ जख्मी युवक का आरा शहर के बाबू बाजार स्थित निजी अस्पताल में कराया जा रहा है इलाज

केटी न्यूज/आरा

शहर के टाउन थाना क्षेत्र के मझौवां गांव में शुक्रवार की रात दो दिन पूर्व हुए झगड़े को लेकर मारपीट व फायरिंग की गई। जिसमें फायरिंग के दौरान ऑफिस के ऊपर खड़े चार्टर्ड अकाउंटेंट को गोली लग गई। जख्मी युवक को गोली बाएं पैर में घुटने के नीचे लगी है। इससे वह जख्मी हो गया।

इसके बाद परिजन द्वारा उसे इलाज के लिए आरा शहर के बाबू बाजार स्थित निजी अस्पताल लगा गया।जानकारी के अनुसार गोली से जख्मी युवक टाउन थाना क्षेत्र के छोटकी सिंगही गांव निवासी अनिल सिंह का 27 वर्षीय पुत्र आशीष कुमार सिंह है। वह चार्टर्ड अकाउंटेंट है और मजा हुआ स्थित अपना ऑफिस चलता है। जबकि मारपीट के दौरान हुए जख्मियों में टाउन थाना क्षेत्र के मझौवां गांव निवासी बुटन यादव का 25 वर्षीय पुत्र सोनू यादव एवं अरुण सिंह का 32 वर्षीय पुत्र रवि शंकर सिंह शामिल है। घटना को लेकर आसपास के इलाके में सनसनी फैल गई है। उधर घटना की सूचना मिलते हैं टाउन थानाध्यक्ष पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंच मामले की छानबीन में जुट गए हैं। वही इलाज कर रहे सर्जन चिकित्सक डॉ.विकाश सिंह ने बताया कि जख्मी युवक को गोली बाएं पैर में लगी है। गोली लगने के कारण वहां का हड्डी फ्रैक्चर कर गया है।

उसके डायमंड पाट्र्स को रिपेयर कर दिया गया है और मरीज की स्थिति अभी स्टेबल है। इधर रवि शंकर सिंह ने बताया कि दो दिन पूर्व उनके दोस्त दुर्गेश बाबा से मझौवां पुल के समीप बैठने को लेकर गांव के ही कुछ युवकों झगड़ा हुआ था। उस दौरान उक्त युवकों द्वारा उसके दोस्त दुर्गेश बाबा को मारकर सिर फोड़ दिया गया था। शुक्रवार की रात विवाद के समझौते को लेकर वे लोग दुर्गेश बाबा के साथ उक्त युवकों के पास गए थे। तभी उक्त युवकों द्वारा फाइटर से उन्हें और उनके दोस्त सोनू यादव को मारकर जख्मी कर दिया । जब वे लोग भाग रहे थे। तभी वक्त लोगों द्वारा उन पर फायरिंग कर दी गई। हालांकि वे लोग बालबाल बच गए। लेकिन फायरिंग के दौरान अपने ऑफिस के ऊपर खड़े चार्टर्ड अकाउंटेंट आशीष कुमार सिंह को गोली लग गई। जिससे वह भी जख्मी हो गए। वहीं दूसरी ओर जख्मी रवि शंकर सिंह ने गांव के ही गांव के कुछ लड़कों पर दो दिन पूर्व अपने दोस्त दुर्गेश बाबा को मारकर जख्मी करने व शुक्रवार को समझौता के दौरान उन लोगों को फाइटर से मारकर उन्हें उनके दोस्त सोनू यादव को जख्मी करने एवं फायरिंग करने का आरोप लगाया है।

जबकि जख्मी चार्टर्ड अकाउंटेंट आशीष कुमार सिंह के पिता अनिल सिंह ने बताया कि उनका बेटा आशीष कुमार सिंह अपने ऑफिस के ऊपर खड़ा था। तभी उसे गोली लग गईम इसके बाद उनके दूसरे बेटे द्वारा सासाराम से फोन कर इस घटना की जानकारी दी गई। सूचना पाकर वे लोग घर से वहां पहुंचे और उसे इलाज के लिए आरा शहर के बाबू जरा स्थित निजी अस्पताल ले आए। बहरहाल पुलिस अपने स्तर से मामले की छानबीन कर रही है। पुलिस का कहना है कि जल्द ही आरोपियों की गिरफ्तारी की जाएगी।

हथियारबंद अपराधियों ने आर्मीमैन को मारी गोली, जख्मी

आरा। भोजपुर जिले चौरी थाना क्षेत्र के पुरहरा गांव में शुक्रवार की रात लुट के दौरान हथियारबंद अपराधियों ने एक आमीर्मैन को गोली मार दी। जख्मी जवान को गोली बाएं हाथ के बाह में लगी है। इसके बाद दोस्त की मदद से उसे इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल लाया गया,जहां डॉक्टरों की देखरेख में इलाज चल रहा है। जख्मी जवान चौरी थाना क्षेत्र के पुरहरा गांव निवासी स्व कमाता राय के 25 वर्षीय पुत्र घनश्याम राय है। अरूणाचल प्रदेश के मनचुका में गनर के पोस्ट पर कार्यरत है। इधर घटना की जानकारी देते हुए जख्मी जवान घनश्याम ने बताया कि 22 मई को उसकी इंगेजमेंट थी। जिसको लेकर वो 19 मई को छुट्टी लेकर गांव आया था। बड़े ही धूमधाम से इंगेजमेंट हुआ। उसके बाद 2 जून को वापस जाने वाला था। इसी बीच वह अपने दोस्त दिलीप कुमार के पुत्र रंजीत कुमार के साथ अपने बुलेट बाइक की बैटरी चेंज करवाने को लेकर आ रहा आया हुआ था। इसके बाद वह अपने एक बचपन के दोस्त उदवंतनगर थाना क्षेत्र के तेतरिया गांव निवासी पवन कुमार के माता-पिता के शादी एनिवर्सरी में शामिल होने के लिए गया था। पार्टी खत्म होने के बाद अपने दोस्त रंजीत के साथ बुलेट बाइक से अपने गांव जा रहा था। इसी बीच गांव के बाहर दो हथियारबंद अपराधी आ धमके और पहले चाकू के बल पर लूटने का प्रयास किया। जख्मी जवान ने बताया कि मेरा दोस्त रंजीत बाइक चला रहा था और मैं पीछे बैठा हुआ था, जैसे ही अपराधी ने चाकू से वार करना चाह तो मैंने उसे पकड़ लिया। उसके साथ पटका पटकी भी हुई। इसी बीच उसके दूसरे साथी ने पिस्टल निकाल कर गोली चलाने की कोशिश की तो मैंने उसे भी पकड़ लिया और दोनों के बीच जमकर मारपीट हुई। अपराधी बार-बार फायरिंग करना चाहते थे लेकिन मैंने उसके पिस्टल को पकड़ रखा था, कुछ देर के बाद अपराधी ने फायरिंग कर दी और गोली मेरे हाथ में लग गई। इसके दोनों मौके से फरार गए। गोली लगने के बाद इलाज के लिए सदर अस्पताल पहुंचा।

डिप्लोमा सर्टिफिकेट प्रवेश परीक्षा में कठिन सवालों में उलझे छात्र

केटी न्यूज/आरा

बिहार संयुक्त प्रवेश प्रतियोगिता परीक्षा पर्षद की ओर से आयोजित डिप्लोमा सर्टिफिकेट प्रवेश प्रतियोगिता परीक्षा 2025 के पहले दिन शनिवार को शहर के 14 केंद्रों पर परीक्षा ली गयी। एक पाली में ली गयी परीक्षा शांतिपूर्ण और कदाचारमुक्त रही। परीक्षा में 85 प्रतिशत परीक्षार्थी शामिल हुए। परीक्षा में भौतिकी, रसायन शास्त्र और गणित विषय से प्रश्न पूछे गये थे। परीक्षा देकर निकले परीक्षार्थियों ने बताया कि प्रश्न पत्र में गणित के प्रश्नपत्र ठीक रहे, लेकिन भौतिकी और रसायन शास्त्र के प्रश्न काफी कठिन रहे। गणित में सांख्यिकी, सर्किल और त्रिभुज से संबंधित प्रश्न थे। भौतिकी के सवालों ने परीक्षार्थियों को काफी परेशान किया। इधर, कुछ परीक्षार्थियों ने बताया कि गणित के सवाल भी काफी स्तर के थे। नियमित पढ़ाई करने वालों को कोई खास परेशानी नहीं हुई। मालूम हो कि डीसीईसी के तहत शनिवार को पहली पाली में विषय समूह पीई की परीक्षा ली गयी। बता दें कि परीक्षा के दौरान सभी केंद्रों पर मजिस्ट्रेट, ऑब्जर्वर और पुलिस बल की प्रतिनियुक्ति की गयी थी। वहीं, जिला प्रशासन की ओर से गठित टीम ने भी केंद्रों का निरीक्षण किया। आज दो पालियों में होगी परीक्षा, पहली पाली में परीक्षार्थियों की संख्या अधिक डिप्लोमा सर्टिफिकेट प्रवेश परीक्षा रविवार को दूसरे दिन भी ली जायेगी। रविवार को पहली पाली में 14 केंद्र और दूसरी पाली में कुछ ही केंद्रों पर यह परीक्षा होगी। परीक्षा के सफल आयोजन के लिए पेट्रोलिंग दंडाधिकारी, उड़नदस्ता दल, स्टैटिक दंडाधिकारी, केन्द्र ऑब्जर्वर, पुलिस पदाधिकारी एवं पुलिस बल की प्रतिनियुक्ति की गयी है। रविवार को पहली पाली में विषय समूह पीएम और दूसरी पाली में विषय समूह पीएमएम में परीक्षा होगी। सफल अभ्यर्थियों का इन्ही कोर्स में एडमिशन होगा। रविवार को यह परीक्षा पहली पाली में सुबह 11 बजे से सवा एक बजे तक होगी। सुबह आठ बजे से रिपोर्टिंग का समय निर्धारित किया गया है। सुबह साढ़े दस बजे तक इंट्री मिलेगी। इस बीच गहनता से जांच के बाद ही विद्यार्थियों को इंट्री मिलेगी। परीक्षा के दौरान इलेक्ट्रॉनिक उपकरण ले जाने पर रोक लगाई गई है। शनिवार को भी गहनता से जांच के बाद इंट्री मिली। मोबाइल सहित अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों पर रोक लगायी गयी थी। जूता पहन कर भी आने पर रोक लगी थी। रोहतास, कैमूर और बक्सर के थे अधिक परीक्षार्थी परीक्षा में रोहतास, कैमूर और बक्सर जिले के अधिकतर परीक्षार्थी शामिल हुए।

खबरें फटाफट

जनता दरबार तीन मामलों का हुआ निष्पादन

नोखा। स्थानीय थाना परिसर में शनिवार को जनता दरबार का आयोजन किया गया। जिसमें नोखा सीओ मकसूदन चौरसिया ने बताया कि जनता दरबार में आए तीन फरियादियों के मामले का निष्पादन किया गया। मौके पर एसआई देवमुनि कुमार सहित अन्य पुलिस कर्मी उपस्थित थे।

श्रीलक्ष्मी नारायण महायज्ञ की निकली जलभरी शोभा यात्रा

काराकाट। प्रखंड क्षेत्र के इटवा में आयोजित श्री लक्ष्मी नारायण महायज्ञ सह सप्त दिवसीय श्रीकृष्ण प्राण प्रतिष्ठा एवं भागवत ज्ञान यज्ञ की जलभरी शोभा यात्रा शनिवार को निकाली गई। जलभरी शोभा यात्रा यज्ञ मंडप से चलकर बिक्रमगंज डिहरी पथ होते हुए बावध बिगहा जयश्री स्थित जलाशय के तट पर पहुंचा। जहाँ विधि विधान के साथ कलश में जलभर कर पुनः यज्ञ मंडप लोटे। इस दौरान बक्सर से पैदल चलकर कावंर में गंगा जल लेकर आए रजनीश पांडेय, पप्पू सिंह, सत्येन्द्र सिंह, गोरख गिरी, राकेश सिंह, मुन्ना सिंह, छोटू सिंह, सूरज कुमार सहित दर्जनों युवक जलभरी शोभायात्रा में शामिल हुए। यज्ञ समिति के लोगों ने बताया कि जगत गुरु स्वामी राज गोपालाचार्य जी महाराज के सानिध्य में यज्ञ 6 जून को पूर्णाहुति के साथ संपन्न होगा। उसी दिन विशाल भंडारा का भी आयोजन किया जाएगा।

भोजपुर में बेकाबू ट्रक ने बाइक सवार शिक्षक को मारी टक्कर, मौके पर मौत

केटी न्यूज/आरा

भोजपुर के संदेश थाना क्षेत्र के फतेहपुर गांव स्थित कचरा भवन के पास शनिवार की सुबह सड़क हादसा हुआ। यहां बेकाबू ट्रक ने बाइक सवार यूपी निवासी शिक्षक को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में उनकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई।घटना के बाद चालक ट्रक लेकर मौके से फरार हो गया। घटना को लेकर लोगों के बीच अफरा-तफरी मची रही। मृतक मूल रूप से उत्तर प्रदेश के आजमगढ़ के कोतवाली थाना क्षेत्र के हरिया छोटी गांव निवासी स्व.रामटहल प्रजापति के 43 साल का बेटा जयराम प्रजापति है।वह वर्तमान में उत्तर प्रदेश के मऊ जिला के चिड़िया कोट थाना क्षेत्र के रुकम जालीम गांव में अपना मकान बनाकर रहते थे। वह पेशे से शिक्षक थे और फिवक्त भोजपुर के संदेश प्रखंड के सुरंगापुर गांव स्थित मध्य स्कूल में शिक्षक के पद पर कार्यरत थे।

पुलिस ने साथी शिक्षक को दी घटना की सूचना : संदेश में ही किराए का मकान लेकर अकेले रहते थे। उसी स्कूल में उनके साथ पढ़ा रहे साथी शिक्षक उमेश कुमार ने बताया कि स्कूल बंद होने के बाद शनिवार की सुबह बाइक से वह अपने घर जा रहे थे। उसी दौरान फतेहपुर गांव स्थित कचरा भवन के पास ट्रक में जोरदार टक्कर मार दी। जिससे उनकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। इसके बाद संदेश थाना पुलिस ने इसकी सूचना उन्हें दी।सूचना पाकर वह घटनास्थल पर पहुंचे और उन्होंने इसकी सूचना उनके परिजनों को दी। सूचना पाकर परिजन आरा सदर अस्पताल पहुंचे। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करवाया।बताया जाता है कि मृतक अपने चार भाई व दो बहन में चौथे स्थान पर थे। उनके परिवार में पत्नी बालिका देवी, दो बेटी शिवांगी देवी, श्वेता कुमारी व दो बेटे अनूप कुमार और अनुज कुमार है।

पुलिस की छापेमारी में दो हेरोइन तस्कर दो किलो107 ग्राम के साथ गिरफ्तार

केटी न्यूज/आरा

नवादा थाना क्षेत्र के अनाईठ मुहल्ले में एसटीएफ व पुलिस ने संयुक्त छापेमारी कर दो हेरोइन तस्कर को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए तस्कर नवादा थाना क्षेत्र के अनाईठ कुर्मी टोला निवासी छठू चौधरी के पुत्र अंकुश कुमार एवं पासवान टोली निवासी बालदेव पासवान के पुत्र इंद्रजीत कुमार शामिल है।

इनके पास से दो किलो 107 ग्राम हेरोइन, एक कार, एक लाख 27 हजार 490 नगद रुपए,दो मोबाइल, चार पासबुक, एक एटीएम, एक डीएल, एक पैन कार्ड एवं एक आधार कार्ड बरामद किया गया है। हेरोइन की कीमत बाजार में करीब पांच करोड़ की बताई जा रही है। इसकी जानकारी एएसपी परिचय कुमार ने प्रेस वार्ता में दी है। इधर,परिचय कुमार ने बताया कि एसटीएफ एवं नवादा थाना की संयुक्त टीम को सूचना मिली थी उत्तर प्रदेश के गाजीपुर से भारी मात्रा में तस्कर स्विफ्ट कार से नवादा थाना क्षेत्र के धोबीघटवां इलाके से होकर तस्कर जाने वाले है। इसके बाद दोनों टीमों ने घेराबंदी कर कार सवार एक तस्कर को धर दबोचा। कार से एक किलो हेरोइन बरामद किया गया।

इसके बाद उसके निशानदेही पर अनाईठ मुहल्ले में छापेमारी कर एक किलो 107 ग्राम हेरोइन बरामद किया गया। परिचय कुमार ने बताया कि गाजीपुर से बड़ी खेप इनके द्वारा लाई गई थी। तस्कर अलग-अलग लोगों को सप्लाई करने वाले थे।

रोहतास में एसडीएम और पीजीआरओ को दी गई विदाई

बिक्रमगंज। अनुमंडल कार्यालय बिक्रमगंज के दो पदाधिकारियों का स्थानांतरण में सम्मानित समारोह का आयोजन। भारत प्रशासनिक सेवा के अधिकारी व एसडीएम बिक्रमगंज अनिल बसाक तथा बिहार प्रशासनिक सेवा के अधिकारी व अनुमंडलीय लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी के रूप में अपनी सेवा दे चुके त्रिलोकीनाथ सिंह को शुक्रवार की संध्या मे स्थानांतरण के पश्चात भावभीनी पूर्ण विदाई दी गई। बताते चलें की किशनगंज जिला के रहने वाले आईएएस अनिल बसाक 14 दिसंबर 2023 को बिक्रमगंज एसडीएम के रूप मे अपना योगदान समर्पित किये थे।

रोहणी नक्षत्र के साथ ही धान की खेती में जुटे किसान

बिक्रमगंज (रोहतास)। अनुमंडल के खेतों में एक बार फिर हरियाली लौटने लगी है । जैसे ही पंचांग के अनुसार रोहिणी नक्षत्र का शुभ संयोग बना, किसानों ने पारंपरिक आस्था और वैज्ञानिक दृष्टिकोण को साथ लेकर आषाढ़ मास की खेती की शुरुआत कर दी ।

गांव-देहात के रास्तों से होकर गुजरिए तो हल की खड़खड़ाहट और ट्रैक्टर की गड़गड़ाहट से आपको यह साफ समझ आ जाएगा कि खेतों में फिर जीवन की तैयारी हो रही, बिक्रमगंज, संझौली, दिनारा,सूर्यपुरा, दावथ, काराकाट, नासरीगंज और राजपुर प्रखंडों के किसानों ने इस मौसम में मुख्य रूप से धान की बुआई पर ध्यान केंद्रित किया है। इसके अलावा कुछ क्षेत्रों में मक्का,अरहर और मूंग जैसी फसलों की भी तैयारी की जा रही है। किसान शंकर सिंह, सुबोध सिंह व अवधेश सिंह कहते हैं कि रोहिणी नक्षत्र में की गई बुआई से फसल की जड़ें मजबूत होती हैं और उत्पादन में भी बढ़ोतरी देखने को मिलती है। इस बार बारिश की शुरुआत भी सही समय पर हुई है, जिससे हम लोगों को काफी उम्मीद है।

कृषि विज्ञान केंद्र और विभागीय अधिकारियों द्वारा किसानों को समय- समय पर बीज चयन, मृदा परीक्षण और सिंचाई व्यवस्था पर सलाह दी जा रही है। सरकार की प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि और कृषि यंत्र अनुदान योजना का लाभ भी किसानों को मिल रहा है,जिससे खेती के प्रति उनका विश्वास और उत्साह दोनों बढ़ा है। विशेषज्ञों का मानना है कि रोहिणी नक्षत्र का यह समय कृषि के लिए अत्यंत अनुकूल होता है,क्योंकि इसमें भूमि में नमी का स्तर सही होता है और तापमान भी फसल के अंकुरण के लिए उपयुक्त रहता है।

बिक्रमगंज के खेतों में इन दिनों मेहनत और उम्मीद की फसल बोई जा रही है। किसानों को उम्मीद है कि इस बार उनका पसीना रंग जरूर लाएगा और धान की बालियों में भरपूर दाना झूमेगा।

मानिक परासी पैक्स के लिए 12 जून को कराया जाएगा मतदान, तैयारी पूरी

पैक्स अध्यक्ष चुनाव 2025 : मानिक परासी पंचायत में अध्यक्ष पद के लिए तीन ने भरा पर्चा

♦ पैक्स में सदस्य पद के लिए 11 अभ्यर्थियों ने अपना नामांकन किया है दाखिल

केटी न्यूज/काराकाट

काराकाट प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत मानिक परासी पंचायत में पैक्स अध्यक्ष चुनाव 2025 को लेकर नामांकन प्रक्रिया 30 और 31 मई को संपन्न हुई । इस दौरान पैक्स अध्यक्ष पद के लिए कुल तीन उम्मीदवारों ने नामांकन पत्र दाखिल किए हैं । इनमें अनिल प्रसाद,अरविंद तिवारी एवं सुनील कुमार गुप्ता शामिल हैं। वहीं सदस्य पद के लिए 11 अभ्यर्थियों ने अपना नामांकन दाखिल किया है । निर्वाचन की अगली प्रक्रिया के तहत नामांकन पत्रों की संवीक्षा 2 और 3 जून को की जाएगी । प्रत्याशी 5 जून तक अपना नाम वापस ले सकते हैं । इसी दिन चुनाव चिह्नों का आवंटन भी किया जाएगा । मतदान 12 जून को कराया जाएगा,जो सुबह 7 बजे से लेकर शाम 4:30 बजे तक चलेगा । मतदान की व्यवस्था पंचायत क्षेत्र के राजकीय मध्य विद्यालय मानिक परासी में की गई है । चुनाव समाप्त होने के बाद उसी दिन मतगणना की प्रक्रिया काराकाट प्रखंड मुख्यालय स्थित सामुदायिक भवन गोड़ारी में संपन्न होगी।

इस संबंध में जानकारी देते हुए प्रखंड विकास पदाधिकारी राहुल कुमार सिंह ने बताया कि सभी तैयारियां निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार की जा रही हैं और निष्पक्ष चुनाव संपन्न कराने हेतु प्रशासनिक स्तर पर पूरी सतर्कता बरती जा रही है। चुनाव के दौरान किसी तरह की गड़बड़ी नहीं हो। इसके लिए वोटर लिस्ट सहित पोलिंग बूथ को अपडेट कर दिया गया है। किसी तरह की गड़बड़ी की आशंका को देखते हुए अतिरिक्त पुलिस बल को बुलाया गया है। यह प्रयास किया जा रहा है कि शांतिपूर्ण व निष्पक्ष तरीके से चुनाव संपन्न हो सके।

01-06-2025 Final_01-06-2025 Final.qxd 5/31/2025 11:32 PM Page 5

सीएम ने किया राजकीय तिब्बी चिकित्सा महाविद्यालय का शिलान्यास

केटी न्यूज/पटना

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने नालंदा चिकित्सा महाविद्यालय एवं अस्पताल परिसर में 264 करोड़ रुपये की लागत से 200 बेड वाले राजकीय तिब्बी चिकित्सा कॉलेज एवं अस्पताल का रिमोट के माध्यम से शिलापट्ट अनावरण कर कार्यारंभ किया। राजकीय तिब्बी चिकित्सा कॉलेज एवं अस्पताल का निर्माण 10 एकड़ में किया जा रहा है। अधिकारियों ने मास्टर प्लान के माध्यम से सीएम को निर्माण कार्य कराए जानेवाले विभिन्न भागों ब्वायज हॉस्टल, गर्ल्स हॉस्टल, पीजी इंटर्न हॉस्टल, प्रिंसिपल, मेडिकल सुपरिटेंडेंट आदि के निर्माण के संबंध में विस्तृत जानकारी दी। सीएम ने कार्यारंभ के पश्चात परिसर का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि राजकीय तिब्बी चिकित्सा कॉलेज एवं अस्पताल का निर्माण कार्य तेजी से एवं अच्छे ढंग से कराएं। राज्य के हर नागरिक को सुलभ, सस्ती एवं गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा उपलब्ध कराना हमारी प्राथमिकता है। बिहार की भूमि का यूनानी से हमेशा गहरा नाता रहा है, इसलिए राज्य सरकार यूनानी चिकित्सा पद्धति को मजबूत बनाने की दिशा में कार्य कर रही है। राज्य के आम जन को आयुर्वेदिक, होमियोपैथी, युनानी जैसी उत्कृष्ट स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराने के लिए भी कार्य किया जा रहा है।ज्ञातव्य है कि 22 नवंबर 2021 को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा राजकीय तिब्बी चिकित्सा कॉलेज एवं अस्पताल का भ्रमण किया गया था। उस समय इसके भवन की स्थिति अच्छी नहीं थी। इसलिए मुख्यमंत्री द्वारा पटना में दूसरी जगह जमीन चिन्हित कर इसका विस्तार करते हुए नये एवं अच्छे भवन के निर्माण का निर्देश दिया गया था। इसके लिए नालन्दा मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल परिसर के बगल में 10 एकड़ जमीन चिन्हित की गयी है। निर्माण कार्य पूर्ण होने के बाद राजकीय तिब्बी चिकित्सा कॉलेज एवं अस्पताल को अपने पुराने परिसर से स्थानान्तरित कर नये भवन में शिफ्ट कर दिया जायेगा।इस परियोजना के अंतर्गत 200 बेड के अस्पताल, 500 क्षमता वाले सभागार, 400 क्षमता वाले बालक छात्रावास एवं 350 क्षमता वाले बालिका छात्रावास, औषधि निर्माण गृह तथा कॉलेज के प्राध्यापकों एवं अन्य कर्मियों के लिए आवास का प्रावधान किया गया है। इस चिकित्सा कॉलेज में छात्रों का नामांकन 150 प्रतिवर्ष रखा गया है।

दुर्घटना : अनियंत्रित बाइक बिजली के खंभे से टकराई, दो मजदूरों की मौके पर हुई मौत

केटी न्यूज/जमुई

जमुई जिले के लछुआड़ थाना क्षेत्र अंतर्गत लछुआड़-धधौर मुख्य मार्ग पर शनिवार को एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। केनुई और रामसागर गांव के बीच तेज रफ्तार में जा रही एक अनियंत्रित बाइक बिजली के खंभे से टकरा गई, जिससे दो मजदूरों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक गंभीर रूप से घायल हो गया।

घटना के तुरंत बाद स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची लछुआड़ थाना पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से तीनों को सिकंदरा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने दो मजदूरों को मृत घोषित कर दिया। घायल मजदूर मसूदन कोड़ा की हालत गंभीर देख उसे जमुई सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया, जहां से पटना रेफर करने की तैयारी की जा रही है।हादसे में जान गंवाने वालों की पहचान खैरा थाना क्षेत्र के खरुई बरियारपुर निवासी बनारसी मांझी और डुमरकोला गांव के गंगा यादव के रूप में हुई है। घायल मजदूर मसूदन कोड़ा का इलाज जारी है। बताया जा रहा है कि तीनों मजदूरी करने के लिए बाइक से भुल्लो गांव जा रहे थे। इसी दौरान तेज रफ्तार के कारण बाइक अनियंत्रित हो गई और बिजली पोल से टकरा गई। हादसा इतना भीषण था कि मौके पर ही दो लोगों की जान चली गई।लछुआड़ थानाध्यक्ष उपेंद्र पाठक ने बताया कि हादसे में दो लोगों की मौत हुई है और एक गंभीर रूप से घायल है। मामले की जांच की जा रही है। घटना के बाद मृतकों के घर में कोहराम मच गया है। परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है। गांव में मातमी सन्नाटा पसरा हुआ है।

मोतिहारी के चकिया प्रखण्ड के राशमंडल गांव में हुआ दर्दनाक हादसा

मोतिहारी में गंडक में नहाने के दौरान 5 बच्चे डूबे, तीन की मौत

- तीनों बच्चे आपस में अच्छे दोस्त थे और तेज गर्मी से राहत पाने के लिए बूढ़ी गंडक नदी में गए थे नहाने
- गहराई का अंदाजा न लग पाने के कारण तीनों पानी में डूबे
- ग्रामीण और गोताखोरों की मदद से शव बरामद किया गया बरामद

केटी न्यूज/मोतिहारी

मोतिहारी के चकिया प्रखण्ड के राशमंडल गांव में एक दर्दनाक हादसा हुआ है। राशमंडल ढाब बूढ़ी गंडक नदी में नहाने गए पांच बच्चों जिसमे तीन बच्चों की मौत हो गई है। इसमें दो बच्चे निकलने में सफल रहा है। उनकी पहचान 7 वर्षीय अजीत कुमार, पिता कृष्णा साह 12 वर्षीय मनीषा कुमारी पिता धर्मेंद्र सह सोनी और 8 वर्षीय छोटू कुमार पिता रमेश साह के रूप में हुई है। तीनों बच्चे आपस में काफी अच्छे दोस्त थे। मिली जानकारी के मुताबिक तेज गर्मी से राहत पाने के लिए तीनों बच्चे बूढ़ी गंडक नंदी में नहाने उतरे। लेकिन गहराई का अंदाजा नहीं लगा पाए। देखते ही देखते सभी बच्चे डूबने लगे। बच्चे अपने आप को बचाने के लिए चिल्ला भी रहे थे। वहां मौजूद कुछ लोगों को लगा कि वह लोग आपसे में खेल रहे है। लेकिन, चंद क्षणों में खतरे का एहसास हुआ। मौजूद सभी लोग बच्चों को बचाने के लिए नदी में कुद पड़े। लेकिन, तब तक देर हो चुकी थी। लगने के कारण वो डूब गए। हादसे में 5 बच्चों में से 2 बच्चों के बाहर निकाला गया। जबकि बाकी 3 बच्चों डूबने से मौत हो गई। जिसने ग्रामीण और गोताखोर के माध्यम से दो बच्चों का शव बाहर निकाला गया। जिसमे एक बच्चों का तलाश जारी 2 बच्चों को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल मोतिहारी भेजा गया है। एक का तलाश जारी है। घटना स्थल पर मौजूद स्थानीय मुखिया थाना प्रभारी पिपरा कर्मचारी छात्र नेता अमित शर्मा तमाम लोग मौजूद हैं। हादसे की खबर मिलते ही पूरे गांव में मातम छा गया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय मुखिया, थाना प्रभारी और अन्य अधिकारी मौके पर पहुंचे। मृत बच्चों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए मोतिहारी सदर अस्पताल भेज दिया गया है। एक बच्चे के शव की तलाश अभी भी की जा रही है। ग्रामीणों के अनुसार, बच्चों को तैरना नहीं आता था और अचानक गहरे पानी में चले जाने से हादसा हुआ। यह घटना एक चेतावनी है कि गर्मी से राहत पाने के चक्कर में छोटे बच्चे अक्सर बिना देखरेख के नदी या तालाब में नहाने चले जाते हैं। ऐसी स्थिति में अभिभावकों को सतर्क रहने की जरूरत है। बच्चों की सुरक्षा के लिए जागरूकता बेहद जरूरी है, ताकि भविष्य में ऐसे हादसे दोबारा न हों।

पटना में पांच लाख के गहने और दो लाख कैश चोरी

पटना। बिहटा थाना क्षेत्र के सदिसोपुर गांव में चोरी की बड़ी वारदात सामने आई है। अज्ञात चोरों ने बंद पड़े घर की खिड़की तोड़कर घर में घुसकर करीब 5 लाख रुपये के गहने और 2 लाख रुपये की नकदी चोरी कर ली। घर की मालकिन अपनी बेटी से मिलने के लिए वाराणसी गई हुई थी। शनिवार को जब वह घर लौटी तो अंदर का सामान बिखरा हुआ और कई दरवाजों के ताले टूटे हुए पाए।पीड़ित महिला आरती देवी ने पुलिस को इसकी जानकारी दी।

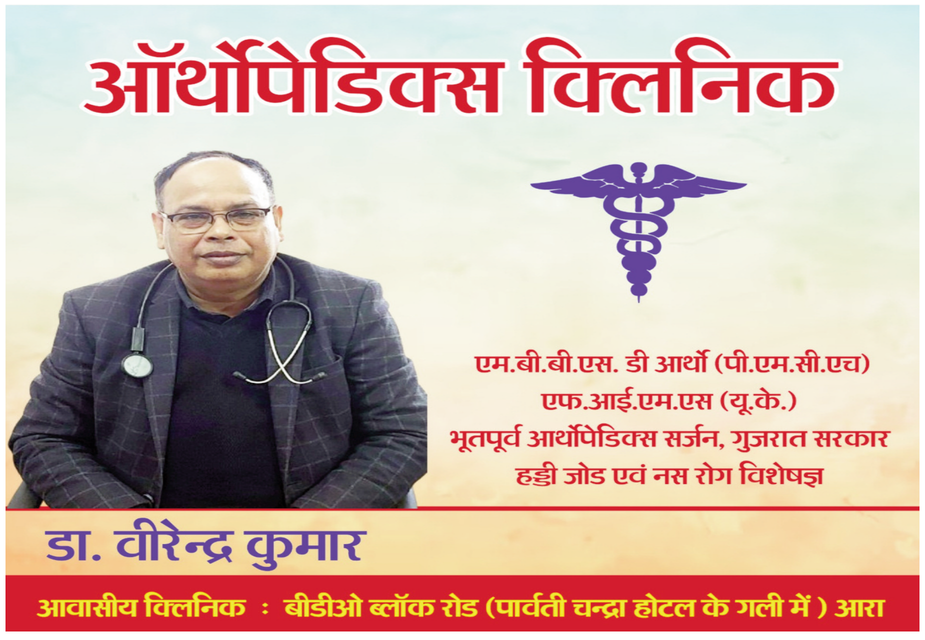

1.30 लाख शिक्षकों को 20 जून तक मिलेगा नया स्कूल, 30 जून तक देना होगा योगदान

केटी न्यूज/पटना

शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव डॉ. एस सिद्धार्थ ने कहा कि स्थानांतरित किए गए सभी एक लाख, 30 हजार शिक्षकों को आगामी 20 जून तक उनके नए स्कूलों का आवंटन कर दिया जाएगा। नव स्थानांतरित शिक्षक आगामी 30 जून से पहले अपने नए स्कूलों में योगदान कर दें। उनके स्कूल आवंटन की प्रक्रिया चल रही है। उन्होंने यह भी कहा कि स्थानांतरित शिक्षकों को अब उनके पुराने स्कूलों से विरमित होने की कोई जरूरत नहीं है। वे जैसे ही अपने नए स्कूल में अपना योगदान देंगे, वे पुराने स्कूल से अपने आप विरमित हो जाएंगे। शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव डॉ. एस सिद्धार्थ अपने साप्ताहिक कार्यक्रम शिक्षा की बात-हर शनिवार में शिक्षकों, छात्र-छात्राओं और उनके अभिभावकों द्वारा पूछे गए सवालों का जवाब दे रहे थे। अपर मुख्य सचिव ने स्थानांतरित शिक्षकों से यह भी अपील की है कि वे अपनी पदस्थापना के लिए बेवजह जिला शिक्षा पदाधिकारी के कार्यालय का चक्कर नहीं लगाएं। क्योंकि पूरी पादर्शिता के साथ स्थानांतरित शिक्षकों को स्कूलों का आवंटन किया जा रहा है। एक छात्र के स्तर से अपर मुख्य सचिव को जब यह जानकारी दी गई कि गर्मियों की छुट्टियों से पहले कई छात्र-छात्राओं को किताबें उपलब्ध नहीं कराई गई हैं तो अपर मुख्य सचिव ने इसपर नाराजगी व्यक्त करते हुए है कहा कि गर्मी की छुट्टियां खत्म होते ही बच्चों को किताबें उपलब्ध करा दी जाएंगी। उन्होंने यह भी कहा कि मैं खुद इस मामले की समीक्षा करूंगा। उन्होंने डायट व्याख्याताओं की समस्याओं के जल्द समाधान का भी भरोसा दिया है। इस परिचर्चा में डॉ. एस सिद्धार्थ ने बच्चों के अभिभावकों को भी कई सलाह दिए हैं। उन्होंने कहा कि सभी अभिभावक अपने घरों में बच्चों के पढ़ने के लिए एक कोना बनाएं। ताकि घर में पढ़ाई का माहौल बने। उन्होंने अभिभावकों से स्कूलों में आयोजित होने वाले हर टीचर्स-पैरेंट्स मीट में भाग लेने की सलाह दी है, ताकि उनके बच्चों में हो रही प्रोग्रेस की जानकारी उन्हें मिलती रहे। साथ ही, बच्चा किस विषय में कमजोर है, शिक्षक से इसकी भी जानकारी उन्हे मिल सके। उन्होंने कहा कि स्कूलों में स्टूडेंट ऑफ द वीक के लिए चुने गए बच्चे को उसके अभिभावक के सामने पुरस्कृत किया जाए। ताकि बच्चे का आत्मविश्वास बढ़ा रहे।

सूबे की सरकार में हुआ जातिगत आयोगों का गठन

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार सवर्ण और अनुसूचित जाति के साथ साथ मछुआरा जाति को भी साधने की कवायद कर रहे हैं। इसीलिए बिहार सरकार ने सवर्ण आयोग और एससी आयोग के बाद मछुआरा आयोग का गठन किया है। पशु एवं मत्स्य संसाधन विभाग ने मछुआरा आयोग के गठन को लेकर अधिसूचना जारी की है, जिसमें पटना,भागलपुर,समस्तीपुर, पूर्वी चंपारण और बक्सर के लोगों को बड़ी जिम्मेदारी सौंपी गयी है। पूर्वी चंपारण के रहने वाले ललन कुमार को मछुआरा आयोग का अध्यक्ष बनाया गया है, जबकि बक्सर के रहने वाले अजीत चौधरी को उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी दी गई है। वहीं पटना के सैदपुर पहली गली में रहने वाले राजकुमार, भागलपुर की रेणु सिंह और समस्तीपुर में रहने वाले विद्या सागर को मछुआरा आयोग का सदस्य बनाया गया है। मछुआरों के कल्याण, संरक्षण, विकास, आर्थिक अभिवृद्धि एवं उनके रक्षोपायों होगा।

बिहार सरकार ने आईएएस के तबादलें की अधिसूचना की जारी

बिहार के 47 आईएएस अधिकारियों का तबादला पटना व गया समेत कई जिलों के जिलाधिकारी बदले

केटी न्यूज/पटना

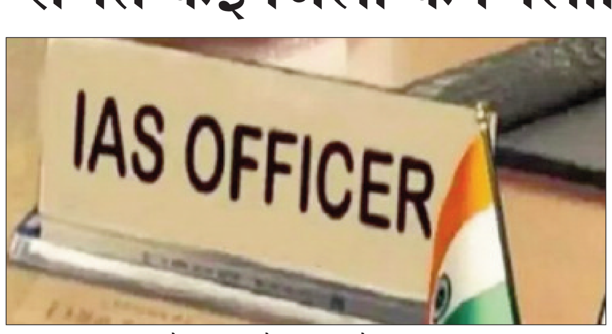

बिहार विधान सभा का चुनाव होने में कुछ ही महीने शेष रह गये हैं, इससे पहले बिहार सरकार ने पटना सहित 47 जिलों के डीएम का तबादला कर दिया है। गया के डीएम त्यागराजन एमएस (2011) को पटना का डीएम बनाया गया है। सामान्य प्रशासन विभाग ने इसकी अधिसूचना जारी कर दी है। पटना के डीएम डॉ चन्द्रशेखर सिंह (2010) को पटना प्रमण्डल का आयुक्त बनाया गया है। दरभंगा के डीएम राजीव रौशन (2010) को सारण प्रमण्डल का आयुक्त बनाया गया है। मुंगेर के डीएम अवनीश कुमार सिंह (2010) को मुंगेर प्रमण्डल का आयुक्त बनाया गया है। 2010 बैच के आईएएस अधिकारी हिमांशु कुमार राय को भागलपुर प्रमण्डल का आयुक्त बनाया गया है। वह फिलहाल योजना एवं विकास विभाग के विशेष सचिव के पद पर पदस्थापित थे। 2011 बैच के आईएएस अधिकारी नवीन कुमार को खगड़िया जिले का डीएम बनाया गया है। वह फिलहाल राज्य परिवहन में आयुक्त के पद पर पदस्थापित थे। सुपौल के डीएम कौशल कुमार (2012) को दरभंगा का डीएम बनाया गया है। मधुबनी के डीएम अरविन्द कुमार वर्मा (2012) को मुंगेर का डीएम बनाया गया है। 2010 बैच के आईएएस अधिकारी कौशल किशोर को दरभंगा का डीएम बनाया गया है। वह इससे पहले समेकित बाल विकास सेवाएं (आई सी डी एस) में निदेशक के पद पर पदस्थापित थे। 2010 बैच के आईएएस अधिकारी राजकुमार को तिरहुत प्रमण्डल का आयुक्त बनाया गया है। 2012 बैच के आईएएस अधिकारी पूर्णिया के डीएम कुन्दन कुमार को (2012) को नालन्दा, बिहार शरीफ का जिला पदाधिकारी बनाया गया है। 2013 बैच के आईएएस अधिकारी धर्मेन्द्र कुमार को पश्चिम चम्पारण, बेतिया का डीएम बनाया गया है। वह फिलहाल बिहार चिकित्सा सेवाएं एवं आधारभूत संरचना निगम लिमिटेड पटना के प्रबंध निदेशक की जिम्मेदारी संभाल रहे थे।

संक्षिप्त समाचार

बाइक की बैटरी से फोन चार्ज करते समय भयानक ब्लास्ट

जगन्नाथपुर, एजेंसी। झारखंड के पश्चिम सिंहभूम जिले के कंसलापोस गांव से एक बड़ी खबर सामने आई है। दरअसल, बाइक की बैटरी से फोन की बैटरी चार्ज करना एक युवक को महंगा पड़ गया है। वज्रपात के दौरान फोन की बैटरी फटने से एक युवक घायल हो गया। सीएच जगन्नाथपुर में प्राथमिक उपचार के बाद घायल को रेफर कर दिया गया। घटना में युवक का एक हाथ और अंगुलियां बुरी तरह से जल गई हैं। और चेहरा भी झुलस गया है।।

पलंग पर सोई बच्ची को करैत सांप ने काटा, मौत

धनबाद, एजेंसी। मृतका के चाचा बीरेंद्र वर्मा ने बताया कि गुरुवार रात उसका छोटा भाई शंकर वर्मा अपने कमरे में सो रहा था। बच्ची भी उसके साथ थी। रात में बिजली नहीं थी। अचानक भतीजी रोने लगी तो भाई और उसकी पत्नी उठी। मोबाइल का लाइट जलाकर देखा तो पुत्री के हाथ में विषैला सांप करैत हाथ में काटकर जकड़ा हुआ था। किसी तरह से सांप को एक डब्बे में बंद कर बच्ची को रात में ही इलाज के लिए सदर अस्पताल गिरिडीह ले गये। सदर अस्पताल में पुत्री को पांच इंजेक्शन व स्लाइन दिया गया। उसके बाद उसे धनबाद रेफर कर दिया गया। धनबाद ले जाने के क्रम में रास्ते में ही उसकी मौत हो गयी। इसके बाद रास्ते से ही शव को लेकर लोग घर लौट गये। घटना के बाद परिवार सहित पूरे गांव में मातम है।

एक माह में जिला के विभिन्न स्कूलों में 500 पौधा लगाने का निर्देश

धनबाद, एजेंसी। समाहरणालय सभागार में शुक्रवार को उपायुक्त आदित्य रंजन की अध्यक्षता में जिला स्तरीय स्टीयरिंग सह मानेटरिंग कमेटी की बैठक हुई। इसमें प्रधानमंत्री पोषण योजना से संबंधित विभिन्न बिंदुओं पर समीक्षा कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये। बैठक में स्कूलों द्वारा हर कार्य दिवस को पोषण योजना से संबंधित एसएमएस रिपोर्टिंग की प्रगति की समीक्षा की गयी। स्कूलों में पोषण वाटिका के निर्माण को लेकर भी चर्चा हुई। उपायुक्त ने सभी प्रखंड शिक्षा पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि एक माह के अंदर जिले के विभिन्न विद्यालयों में कम से कम 500 पौधे लगाये जाएं ताकि बच्चों को पर्यावरणीय शिक्षा भी मिल सके। उपायुक्त ने वित्तीय वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही के लिए जिला स्तर पर उपलब्ध फल और अंडा मद की राशि की समीक्षा की और सभी विद्यार्थियों को विभागीय गाइडलाइन के अनुरूप फल और अंडा नियमित रूप से उपलब्ध कराने का निर्देश दिया इस दौरान पीएम पोषण शक्ति निर्माण योजना के तहत कार्यरत रसोइया सह सहायिकाओं से संबंधित अद्यतन विवरणी की भी समीक्षा हुई। बैठक में नगर आयुक्त रवि राज शर्मा, जिला आपूर्ति पदाधिकारी प्रदीप शुक्ला, जिला शिक्षा पदाधिकारी अभिषेक झा, जिला शिक्षा अधीक्षक आयुष कुमार, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी अनीता कुजूर, बाल संरक्षण पदाधिकारी साधना कुमारी तथा सभी प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी उपस्थित थे।

सीबीएसई 10वीं में खराब परिणाम लाने वाले उत्कृष्ट विद्यालयों पर गिरी गाज, 19 प्राचार्यों को शोकाज

रांची, एजेंसी। झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद ने सीबीएसई की 10वीं की परीक्षा में अपेक्षा के अनुरूप परिणाम नहीं आने पर 19 उत्कृष्ट विद्यालयों (सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस) के प्राचार्यों को शोकाज जारी किया है। राज्य परियोजना निदेशक शशि रंजन ने इन विद्यालयों के प्राचार्यों को अलग-अलग पत्र जारी कर उन्हें स्पष्ट करने को कहा है कि असंतोषजनक परिणाम के लिए क्यों नहीं उनके विरुद्ध विभागीय और अनुशासनिक कार्रवाई की जाए। सभी विद्यालयों के प्राचार्यों को जिला शिक्षा पदाधिकारी के माध्यम से एक सप्ताह के भीतर अपना पक्ष रखने को कहा गया है। इन विद्यालयों का परिणाम 60 प्रतिशत से कम रहा है। राज्य परियोजना निदेशक ने कहा है कि राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी योजना के तहत ये विद्यालय संचालित किए जा रहे हैं। बच्चों के पठन-पाठन में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए इन विद्यालयों में भौतिक संरचना के साथ-साथ कई सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। साथ ही सीबीएसई की 10वीं की परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए विभागीय सचिव द्वारा दिशा निर्देश जारी किए गए थे।

फिर बदलने वाला है मौसम, कई जिलों में होगी बारिश, मौसम विभाग ने 13 मिमी वर्षा रिकार्ड की

रांची, एजेंसी। शुक्रवार को दोपहर बाद हल्की वर्षा होने के बाद आम लोगों को उमस भरी गर्मी से थोड़ी राहत मिली। मौसम विभाग ने 13 मिलीमीटर वर्षा रिकॉर्ड की।

मौसम विभाग के अनुसार, बांग्लादेश के ऊपर बना डिप्रेशन 18 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से उत्तर-पूर्व की ओर बढ़ रहा था, जो शुक्रवार की सुबह 8:30 बजे स्थिर हो चुका है। फिलहाल यह सिस्टम बांग्लादेश से 40 किलोमीटर दूर, पश्चिम-उत्तर-पश्चिम की ओर व ढाका से 110 किलोमीटर और भारत में बहरामपुर के उत्तर व शिलांग से 260 किलोमीटर पश्चिम-दक्षिण-पश्चिम की ओर स्थित है।

आगामी 12 घंटे में यह सिस्टम उत्तर-उत्तर-पूर्व की ओर बढ़ेगा और निम्न दाब क्षेत्र में परिवर्तित होगा। इसके अलावा उत्तर प्रदेश के मध्य भाग में समुद्रतल से ऊपर 0.9 किलोमीटर क्षेत्र में साइक्लोनिक सर्कुलेशन का असर है।

मौसम विज्ञानी अभिषेक आनंद ने बताया कि मौसम पूर्वानुमान के अनुसार, शनिवार व रविवार को रांची समेत आसपास के क्षेत्रों में आंशिक बादल छाए रहेंगे और गरज के साथ वर्षा होने की संभावना है।

एक जून को आंशिक बादल छाए रहने की संभावना है, जबकि मौसम शुष्क रहेगा। दो व तीन जून को आसमान साफ व मौसम शुष्क रहेगा।

चार व पांच जून को आंशिक बादल छाए रह सकते हैं, जबकि मौसम शुष्क रहेगा। वहीं राज्य में कुछ स्थानों पर शनिवार को कुछ स्थानों पर गरज के साथ हल्के से मध्यम दर्जे की वर्षा हो सकती है।

एक व दो जून को राज्य के उत्तर-पूर्वी भाग में कुछ स्थानों पर गरज के साथ हल्की वर्षा, तीन जून को राज्य के दक्षिण भाग में कुछ स्थानों पर गरज के साथ हल्की वर्षा हो सकती है।

चार व पांच जून को राज्य में कुछ स्थानों पर हल्की वर्षा होने की संभावना है। उन्होंने बताया कि शनिवार को रांची का अधिकतम तापमान 34.0 व न्यूनतम तापमान 23.5 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है।

सामान्य तापमान की तुलना में अधिकतम तापमान में 2.7 व न्यूनतम तापमान में 0.3 डिग्री सेल्सियस की गिरावट दर्ज की गई। वहीं पिछले 24 घंटे में राज्य के कई स्थानों पर हल्के से मध्यम दर्जे की वर्षा हुई। सबसे अधिक वर्षा चांडिल (सरायकेला-खरसावां) में 48.2 मिमी दर्ज की गई। शनिवार को सबसे अधिक अधिकतम तापमान डाल्टनगंज में 37.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

झारखंड में 2 जून तक बारिश-वज्रपात का अलर्ट

रांची, एजेंसी। बंगाल की खाड़ी में बने निम्न दबाव के क्षेत्र का असर झारखंड में शुक्रवार को भी दिखा। रांची, गुमला, लातेहार समेत कई जिलों में गरज के साथ बारिश हुई। पलामू में वज्रपात की चपेट में आने से 4 लोगों की मौत हो गई है, जबकि एक शख्स जख्मी है। गुरुवार को भी गोड्डा और पाकुड़ में तेज हवा के साथ बारिश हुई थी। वहीं, कई जिलों में बादल छाए रहे। मौसम विभाग के अनुसार, झारखंड के विभिन्न इलाकों में 2 जून तक गरज के साथ बारिश होने की संभावना बनी हुई है। साथ ही तेज रफ्तार में हवा के चलने और वज्रपात का भी अलर्ट जारी किया गया है।

राज्य में अगले दो दिनों के दौरान अधिकतम तापमान में कोई बड़े बदलाव की संभावना नहीं है। इसके बाद अगले तीन दिनों में इसमें तीन से चार डिग्री सेल्सियस की वृद्धि हो सकती है।

1 जून को पूर्वी हिस्सों में और 2 जून को देवघर, धनबाद, दुमका, गिरिडीह, गोड्डा, जामताड़ा, पाकुड़ और साहेबगंज में गर्जन के साथ हल्के दर्जे की बारिश हो सकती है। इधर, पिछले 24 घंटे में राज्य में कुछ स्थानों पर गर्जन के साथ हल्के से मध्यम दर्जे की बारिश हुई। सबसे अधिक बारिश 32.4 एमएम घाटशिला में दर्ज की गई। सबसे अधिक अधिकतम तापमान 36.8 डिग्री सेल्सियस गोड्डा में और सबसे कम न्यूनतम तापमान 21.4 डिग्री सेल्सियस लातेहार में दर्ज की गई।

जेएमएम ने केंद्र सरकार से की झारखंड को विशेष राज्य का दर्जा देने की मांग, वजह भी बताई

रांची, एजेंसी। झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के केंद्रीय महासचिव सुप्रियो भट्टाचार्य ने गुरुवार को प्रेस वार्ता में झारखंड के लिए विशेष राज्य का दर्जा और केंद्रीय योजनाओं में 75 प्रतिशत केंद्रांश की मांग उठाई। उन्होंने कहा कि 16वें वित्त आयोग को झारखंड की सामाजिक, आर्थिक और भौगोलिक स्थिति का गहन आकलन करना चाहिए।

भट्टाचार्य ने बताया कि झारखंड यूरेनियम और अन्य खनिजों का प्रमुख उत्पादक है, जिसके कारण कई पीढ़ियां मलेरिया और टीबी जैसी स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रही हैं। इसके बावजूद, राज्य ने प्राकृतिक संसाधनों का बलिदान देकर राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उन्होंने जोर देकर कहा कि ऐसी स्थिति में झारखंड विशेष राज्य के दर्जे का हकदार है। झामुमो नेता ने कहा कि झारखंड देश का सबसे बड़ा खनिज उत्पादक राज्य होने के साथ-साथ रेलवे के माध्यम से राजस्व भी देता है। विस्थापन और पलायन जैसी समस्याओं के बावजूद झारखंड के श्रमिक लेह-लद्दाख जैसे क्षेत्रों में राष्ट्र निर्माण में योगदान दे रहे हैं। भट्टाचार्य ने केंद्र से बार-बार गुहार लगाने की स्थिति को झारखंड के साथ अन्याय बताया।

केंद्रीय महासचिव सुप्रियो भट्टाचार्य ने आरोप लगाया कि रेलवे जैसे क्षेत्रों में झारखंड की उपेक्षा होती है, जहां पुराने रैक भेजे जाते हैं। भट्टाचार्य ने कहा कि झारखंड की परिस्थितियां पूर्वोत्तर राज्यों जैसी हैं, जहां शिक्षा के लिए बच्चों को लंबी दूरी तय करनी पड़ती है। इसलिए, केंद्रीय योजनाओं में 75त्र केंद्रांश की मांग जायज है। साथ ही झारखंड को विशेष राज्य का दर्जा दिया जाए।

वित्त आयोग से भाजपा की मांग, श्रद्धालुओं के लिए देवघर और रजरप्पा में बनाएं कारिडोर

रांची, एजेंसी। प्रदेश भाजपा ने राज्य के विकास और आर्थिक मजबूती के लिए 16वें वित्त आयोग के समक्ष 22 मांगें रखी हैं। इसमें धार्मिक पर्यटन के लिए महत्वपूर्ण देवघर और रजरप्पा में कारिडोर बनाने की मांग सबसे महत्वपूर्ण है। शिक्षा, स्वास्थ्य के साथ स्थानीय निकायों को मजबूत करने की मांग भी भाजपा ने की है।

भाजपा ने कहा है कि स्थानीय निकायों के चुनाव नहीं होने से जनप्रतिनिधियों की भूमिका सरकारी अधिकारियों ने ले ली है। इससे विकास योजनाओं को संचालित करने में भ्रष्टाचार हो रहा है। समय पर चुनाव नहीं होने से राज्य को केंद्रीय सहायता से भी वंचित होना पड़ रहा है। भाजपा ने शिक्षा और स्वास्थ्य व्यवस्था भी स्थानीय निकायों की देखरेख में संचालित करने का सुझाव दिया है।

पार्टी ने अलग राज्य बनने के बाद से यानि 25 वर्षों का आय-व्यय का आंकड़ा भी सार्वजनिक करने की मांग की है। प्रदेश उपाध्यक्ष राकेश प्रसाद और भाजपा विधि प्रकोष्ठ के सुधीर श्रीवास्तव ने भाजपा की मांगों और सुझाव से वित्त आयोग को अवगत कराया।वित्त आयोग को दिए सुझाव में भाजपा ने कहा है कि राज्य में आधारभूत संरचनाओं की भारी कमी है। वित्त आयोग से अनुदान देने का बाद भी आदिवासी बहुल क्षेत्रों में नए स्कूल नहीं खुल रहे हैं।

शुद्ध पेयजल नहीं मिलने से बच्चे और युवा एनीमिया जैसी बीमारी से ग्रसित हो रहे हैं। हाथियों के उत्पात से ग्रामीणों को मुआवजा देने की मांग भी इसमें शामिल है। वन नेशन वन इलेक्शन के साथ वन नेशन, वन स्कूल ड्रेस की मांग भाजपा ने वित्त आयोग से की है।

मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालय में नामांकन का फिर आया मौका, पांच जून तक जमा कर सकते हैं फॉर्म!

गिरिडीह, एजेंसी। सीबीएसई बोर्ड एवं 12वीं की परीक्षा में मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालय के बच्चों ने बेहतर प्रदर्शन किया। ऐसे में इस स्कूल के प्रति विद्यार्थियों के साथ साथ अभिभावकों की भी रूचि बढ़ गई है। इस बीच शैक्षणिक सत्र 2025-26 के कक्षा 11वीं में नामांकन को लेकर नया अपडेट आ गया है। अब जो बच्चे ऐसे स्कूल में नामांकन नहीं ले सके हैं उनके लिए नया मौका आया है। अब मेधा सूची के बाहर के बच्चे भी इस स्कूल में नामांकन ले सकेंगे।

इसकी जानकारी सर जेसी बोस बालिका उच्च विद्यालय (मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालय) के प्रिंसिपल मुन्ना प्रसाद कुशवाहा ने दी है। प्रिंसिपल मुन्ना ने बताया है कि राज्य परियोजना निदेशक झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद के तत्वावधान में 11वीं में नामांकन के लिए प्रवेश परीक्षा का आयोजन किया गया था। परीक्षा के बाद मेधा सूची के आधार पर नामांकन लिया गया। इसके बावजूद विभिन्न संकायों में कुछ सीट रिक्त रह गई है।

ऐसे में झारखंड शिक्षा परियोजना के निदेशक ने नया आदेश जारी किया है। इसके तहत वैसे विद्यार्थी जो किसी कारण नामांकन जांच परीक्षा में शामिल नहीं हो पाए थे और वह अपना नामांकन कराना चाहते हैं तो वे नामांकन का फॉर्म भर सकते हैं। प्राचार्य मुन्ना प्रसाद कुशवाहा ने बताया कि जिनके बोर्ड का प्राप्तांक 75 प्रतिशत से अधिक है वे साइंस में सीधे नामांकन के लिए आवेदन कर सकते हैं। जबकि कॉमर्स के लिए 65 प्रतिशत से अधिक अंकों की अनिवार्यता होगी। वहीं आर्ट्स पढ़ने वाले विद्यार्थी 50 प्रतिशत से अधिक अंक के साथ 5 जून तक विद्यालय में अपना आवेदन जमा कर सकते हैं। 7 जून को ऐसे विद्यार्थियों की चयनित सूची प्रकाशित की जाएगी और तब उनका नामांकन लिया जाएगा। बताया कि ग्रीष्म अवकाश में भी नामांकन कोषांग विद्यालय अवधि में सुबह 7 बजे से अपराह्न 12 बजे तक प्रतिदिन संचालित हो रहा है।

बता दें कि सीबीएसई बोर्ड में पहली झारखंड के सरकारी विद्यालय के बच्चों ने परीक्षा दिया था। मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालय के बच्चों ने इस परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन भी किया था। ऐसे बच्चों को पिछले दिनों जिलाधिकारी रामनिवास यादव के हाथों सम्मानित किया गया था।

धनबाद में पर्यटन की असीम संभावनाएं, 21 पर्यटन स्थल के विकास का प्रस्ताव!

धनबाद, एजेंसी। जिला में पर्यटन की असीम संभावनाएं हैं. फिलहाल ए, सी और डी श्रेणी के चार पर्यटन स्थल हैं जबकि कई ऐसे जगह हैं जहां पर्यटन का विकास संभव है. कुल 21 स्थानों का चयन का किया गया है. जहां पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया जाना है. इसके लिए प्रस्ताव तैयार किया गया है.

जिला में जितने भी पर्यटन स्थल हैं, जिन्हें अभी तक अधिसूचित नहीं किया गया है, उन्हें विभागीय मंजूरी दिलाकर विकसित करने का लक्ष्य रखा गया है. वर्तमान में जिला में चार पर्यटक स्थल अधिसूचित हैं. वहीं अब कुल 21 पर्यटक स्थल को चिन्हित कर उन्हें विकसित करने की प्रकिया की जा रही है. साथ ही जो चार पर्यटक स्थल हैं, उनकी श्रेणी में वृद्धि करने के लिए आगे की प्रकिया है ताकि उन्हें विकसित करने के लिए एक बेहतर फंड मुहैया हो सके. मैथन और पंचेत में वाटर स्पोर्ट्स और वाटर टूरिज्म को बढ़ावा देंने के लिए प्रस्ताव तैयार किया जा रहा है. मैथन डैम ए श्रेणी, तोपचांची झील सी श्रेणी, पंचेत डैम सी श्रेणी, और भटिंडा फॉल डी श्रेणी का ग्रेड मिला हुआ है। कतरास का झींझी पहाड़ी मंदिर एएसएआई के द्वारा मान्यता प्राप्त है. पर्यटन स्थल के रूप में इसे विकसित किया जाना है. यह मंदिर सिर्फ पत्थर से बना हुआ किसी तरह के कॉन्क्रीट का इस्तेमाल मंदिर के निर्माण में नहीं हुआ है. सैकड़ों साल पुराना यह मंदिर है. इसके अलावा गंगापुर कतरास का लिलौरी स्थान, कल्याणेश्वरी मंदिर, दुखहरनी मंदिर को विकसित करना है. इसके साथ टुंडी में गर्म कुंड और बूढ़ा बाबा मंदिर का प्रस्ताव में शामिल है. नेशनल हाईवे पर एक होटल और पार्क का निर्माण किया जाना है. मैथन के पास एक जमीन चिन्हित की गई है. नेशनल हाईवे से एक राज्य से दूसरे राज्यों में आने जाने वाले यानी लंबी दूरी तय करने वाले यात्री यहां पहुंचकर सुकून का पल बिता सकते हैं. यात्रा के दौरान वह आराम कर सकते हैं।पर्यटक स्थल की संख्या बढ़ने से स्थानीय लोगों के लिए रोजगार भी बढ़ेंगे. विभाग की तरफ से युवाओं के लिए ट्रेनिंग भी दी जा रही है. वाटर बोट चलाने और लाइफ सेविंग की भी तकनीकी के गुर सिखाए जा रहें हैं. आने वाले दिन में एनुअल मेंटेनेंस कमेटी का गठन किया जाएगा, 30 से 35 युवाओं की ट्रेनिंग दी जा रही है।

अर्जुन पुरस्कार विजेता सलीमा टेटे की कोच प्रतिमा बरवा का निधन, पारस अस्पताल में ली अंतिम सांस

रांची, एजेंसी। झारखंड की हॉकी कोच प्रतिमा बरवा का निधन हो गया। इस खबर से राज्य के खेल जगत में शोक का माहौल है। शुक्रवार को ही प्रतिमा को पैरालाइसिस अटैक आने के बाद पारस अस्पताल में भर्ती कराया गया था। यहां आईसीयू में उनका इलाज चल रहा था। जानकारी के अनुसार, प्रतिमा की हालत काफी नाजुक थी, इस कारण चिकित्सकों की तमाम कोशिशों के बाद भी प्रतिमा ने दम तोड़ दिया। उनके निधन की खबर मिलते ही खेल जगत में मातम पसर गया।

बता दें कि प्रतिमा बरवा ने झारखंड महिला हॉकी को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी है। वर्तमान में वह खूंटी स्थित आवासीय हॉकी प्रशिक्षण केंद्र की प्रमुख कोच थीं। इसके अलावा प्रतिमा सिमडेगा में भी कोच रह चुकी हैं। मालूम हो कि उनके द्वारा प्रशिक्षित कई प्रतिभाशाली हॉकी खिलाड़ी आज अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर रही हैं।

सूत्रों से प्राप्त जानकारी के मुताबिक, झारखंड की पूर्व हॉकी खिलाड़ी प्रतिमा बरवा अर्जुन पुरस्कार विजेता सलीमा टेटे, संगीता कुमारी, ब्यूटी डुंगडुंग, दीपिका सोरेंग, रजनी केरकेट्टा और सुषमा कुमारी जैसी प्रतिभावान हॉकी खिलाड़ियों की कोच रह चुकी हैं। इन सभी ने अपने खेल के दम पर न केवल झारखंड, बल्कि भारत का नाम भी दुनिया भर में रोशन किया है। प्रतिमा को खिलाड़ियों, कोचों, खेल प्रशासकों और खेलप्रेमियों की ओर से भावभीनी श्रद्धांजली दी गयी है।

झामुमो की चिंता: कहा- सेना के पराक्रम का राजनीतिकरण ठीक नहीं

रांची, एजेंसी। बिहार के सासाराम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा राजनीतिक मंच से ÷ऑपरेशन सिंदूर÷ को लेकर कहीं बातों पर गहरी नाराजगी झामुमो ने जताई है. झारखंड मुक्ति मोर्चा के केंद्रीय महासचिव सुप्रियो भट्टाचार्य ने भारतीय सेना के शौर्य और पराक्रम का राजनीतिक इस्तेमाल पर चिंता जताई है. रांची में झामुमो के कैंप कार्यालय में संवाददाता सम्मेलन आयोजित कर सुप्रियो भट्टाचार्य ने कहा कि एक ओर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गुजरात, पश्चिम बंगाल और बिहार जाकर ऑपरेशन सिंदूर और सेना के पराक्रम को लेकर अपनी राजनीति चमकाते हैं. दूसरी ओर भाजपा के नेताओं का सेना को लेकर दिया बयान देशवासियों को शर्मसार करता है।

झामुमो नेता ने कहा कि कोई भारतीय सेना की नायिका सोफिया कुरैशी को लेकर अपमानजनक बातें करता है तो कोई वायु सेना को लेकर अपमानजनक टिप्पणी करता है. हैरत की बात यह है कि प्रधानमंत्री और भाजपा का नेतृत्व ऐसी टिप्पणी करने वाले मंत्री या नेताओं पर कोई कार्रवाई नहीं करती. देश की संघीय ढांचा और परिकल्पना में सेना का दायित्व देश की रक्षा करना है. किसी को भी इसका राजनीतिक उपयोग करने की अनुमति नही दी जा सकती है।

झामुमो के केंद्रीय महासचिव सुप्रियो भट्टाचार्य ने कहा कि दुनिया के इतिहास में 1971 का युद्ध भारतीय सेना का शौर्य और पराक्रम की मिसाल है. इस युद्ध ने पाकिस्तान के दो टुकड़ा कर दिये, उस समय अमेरिका, पाकिस्तान के साथ खड़ा था. उनका सातवां बेड़ा पाकिस्तान को मदद देने के लिए निकल गया था. लेकिन हमारी सेना के पराक्रम के सामने वह भी नहीं टिक पाया. लेकिन आपरेशन सिंदूर के बाद पीएम नरेंद्र मोदी की जो भाषा उनके द्वारा राजनीतिक मंचों से बोली जा रही है वह दुखदायी है. राजनीतिक कारण में सेना के शौर्य और पराक्रम का और उनके मंत्री उनसे भी आगे निकल जाते हैं. मध्य प्रदेश के मंत्री के बयान पर भाजपा या बीजेपी सरकार ने कोई कार्रवाई नहीं की. जम्मू के उधमपुर में भाजपा नेता रणवीर पठानिया ने वायु सेना पर घोर टिप्पणी की. वायु सेना को नालायक बताया और कहा कि बिना मतलब के उनको सर आंखों पर बैठाया है, उस पर भी कोई कार्रवाई नहीं हुई. कोई कहता है कि सेना पीएम के चरणों में नतमस्तक हैं।

झामुमो नेता ने कहा कि अब घर-घर सिंदूर बांटने का प्रहसन की तैयारी भाजपा कर रही है. शायद भाजपा के नेताओं को पता नहीं है कि महिलाएं अपने पति के नाम का सिंदूर लगाती हैं. क्या कोई महिला ऐसा सोच सकती है कि कोई पर पुरूष का दिया सिंदूर वह स्वीकार करेगी. भाजपा को यह बताना चाहिए कि उनके नेता अपने घर के सिंदूर को क्यों घर से बाहर रखे हुए है।

राज्य के अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री हफीजुल हसन अंसारी के फेक विश्वविद्यालय से डिग्री लिए जाने के मुद्दे पर एनआईए द्वारा सीबीआई से आगे की जांच करने को लेकर झारखंड मुक्ति मोर्चा के नेता ने प्रतिक्रिया दी. पार्टी के केंद्रीय महासचिव सुप्रियो भट्टाचार्य ने कहा कि इसकी पटकथा पहले से लिखी गयी है और हफीजुल को सॉफ्ट टारगेट बनाया गया है. उन्होंने कहा कि जो जानकारी उनके पास है उसके अनुसार जिस विश्वविद्यालय से हफीजुल की डिग्री है उसी से असम से आनेवाले एक भाजपा सांसद ने भी डिग्री ली है लेकिन उनके लिए कुछ नहीं. झामुमो नेता ने कहा कि अगर सही से जांच हो जाये तो विश्वविद्यालय भी भाजपा के किसी नेता का निकलेगा।

बाबूलाल मरांडी ने सीएम हेमंत सोरेन से की बड़ी मांग, कहा- शराब घोटाले में सीबीआई जांच की करें अनुशंसा

रांची, एजेंसी। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी शराब घोटाले को लेकर लगातार राज्य सरकार पर प्रहार कर रहे हैं। इसी कड़ी में नेता प्रतिपक्ष ने एक बार फिर सरकार को घेरते हुए मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से एक बड़ी मांग की है। बाबूलाल ने कहा है कि सीएम अगर वास्तव में शराब घोटाले की सच्चाई उजागर करने चाहते हैं, तो इसकी जांच सीबीआई से करवाये। इसे लेकर भाजपा नेता ने अपने सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर एक पोस्ट साझा किया है।

नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने लिखा है, 'जहां तक स्मरण हो रहा है कि जब छत्तीसगढ़ सिंडिकेट के साथ मिलकर यहां शराब घोटाले की तैयारी हो रही थी। तब झारखंड से सचिव स्तर के एक अधिकारी के नेतृत्व में अधिकारियों की टीम को वहां स्टडी कर रिपोर्ट देने के लिये भेजा गया था। इन अधिकारियों ने रायपुर दौरा कर महज चौबीस घंटे में छुट्टी के दिन अपनी रिपोर्ट बनाकर छत्तीसगढ़ मॉडल अपनाने की अनुशंसा कर दी थी।

बाबूलाल मरांडी ने आगे कहा कि एसीबी अगर इस शराब घोटाले के तह तक जाना चाहती है, तो उसे रायपुर गयी कमेटी में शामिल सारे लोगों की भूमिका एवं सहभागिता को जांच के दायरे में शामिल करना चाहिये। इस बात की जांच कर कार्रवाई करनी चाहिये कि रायपुर गई टीम ने वहां किन लोगों से मुलाकात की, क्या डील हुई? वह डील कराने में कौन लोग शामिल थे? किसके दबाव में उस टीम को महज चौबीस घंटे में छुट्टी के दिन भी छत्तीसगढ़ मॉडल अपनाने की अनुशंसा वाली रिपोर्ट सौंपनी पड़ी थी?बाबूलाल मरांडी ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मांग करते हुए कहा कि मैं एक बार फिर आपसे आग्रह कर रहा हूं कि अगर आप वास्तव में इस शराब घोटाले की सच्चाई उजागर करना चाहते हैं। तो इस मामले की सीबीआई जांच की अनुशंसा करिये।

01-06-2025 Final_01-06-2025 Final.qxd 5/31/2025 11:32 PM Page 7

सुभाषितम्

अज्ञानता और विचार हीनता मानवता के विनाश के दो सबसे बड़े कारण है। - जॉन टिलोटसन

न जाने कितना लंबा चलेगा सिंदूर खेला

पाकिस्तान के खिलाफ 7 मई को शुरू हुए आपरेशन सिंदूर के बाद 10 मई को भले ही सीज फायर हो गया हो किंतु सियासी सिंदूर खेला हर दिन तेज हो रहा है। कांग्रेस समेत तमाम राजनीतिक दल और राज्य इसके शिकार हो रहे हैं।आगामी 9 जून से ये सिंदूर खेला और तेज हो जाएगा। सरकार एक ओर सेना से आपरेशन सिंदूर के ठिकाने के बाद माकड्रिल करा रही है दूसरी तरफ सियासी ड्रिल भी कर रही है। पहले सर्जिकल स्ट्राइक के बाद भाजपा ने शहीद जवानों की तस्वीरें लगाकर मैदान मारा था, वहीं अबकी पहलगाम के नागरिक शहीदों और उनकी विधवाओं की तस्वीरों से परहेज कर आपरेशन सिंदूर के लिए शुभांकर बनाई गई कर्नल सोफिया कुरेशी और विंग कमांडर व्योमिका सिंह की तस्वीरें और सिंदूर की डिब्बियां इस्तेमाल की जा रहीं हैं। भोपाल में प्रधानमंत्री की मौजूदगी में हो रहे महिला सशक्तिकरण सम्मेलन में ये सब देखा जा सकता है। भाजपा के सिंदूर खेला को लेकर मैंने पहलगाम हादसे के फौरन बाद कहा था कि सरकार और सरकारी पार्टी भाजपा आपरेशन सिंदूर को भुनाएगी। अब सिंदूर खेला पर सबसे पहले जवाबी हमला किया है तृण मूल कांग्रेस की सुप्रीमो और बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने। ममता बनर्जी ने केंद्र पर आरोप लगाते हुए कहा, केंद्र ने विभिन्न राज्यों में आगामी चुनावों से पहले राजनीतिक लाभ लेने के लिए इस (सैन्य अभियान) का नाम ऑपरेशन सिंदूर रखा। बनर्जी ने कहा, मैं इस बात से निराश हूं कि मोदी ने बंगाल की आलोचना ऐसे समय में की है जब केंद्र के आतंकवाद विरोधी रुख का समर्थन करने के लिए सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल विभिन्न देशों का दौरा कर रहे हैं। ममता बनर्जी ने कहा, मोदी जी ने आज जो कहा, उसे सुनकर हम न केवल स्तब्ध हैं, बल्कि बहुत दुखी भी हैं, जब विपक्ष देश का प्रतिनिधित्व कर रहा है इनकी मौजूदगी में उनके मंत्री ने कहा कि वे ऑपरेशन बंगाल करेंगे, ऑपरेशन सिंदूर की तरह। मैं उन्हें चुनौती देती हूं अगर उनमें हिम्मत है, तो चुनाव में उतरें, हम तैयार हैं और बंगाल आपकी चुनौती स्वीकार करने के लिए तैयार है। लेकिन कृपया याद रखें, समय एक कारक है। आपको समय याद रखना चाहिए। हमारे प्रतिनिधि अभिषेक बनर्जी भी टीम में हैं। और वे हर दिन आतंकवाद के खिलाफ, आतंक के खिलाफ बोल रहे हैं। भाजपा जुमला पार्टी के नेता की तरह चीजों का राजनीतिकरण करना चाहते है। आप बकवास कर रहे हैं। ऑपरेशन सिंदूर के बाद पश्चिम बंगाल में अपनी पहली रैली को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को सिंदूर के साथ क्षेत्र के गहरे सांस्कृतिक और भावनात्मक संबंध का जिक्र किया और दुर्गा पूजा के दौरान बंगाली महिलाओं द्वारा मनाए जाने वाले पारंपरिक सिंदूर खेला के दुरुपयोग की बात कही। आपरेशन सिंदूर के बाद प्रधानमंत्री अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप औऔर चीन के बारे में एक भी शब्द बोलने के बजाय अपनी रैलियों में आपरेशन सिंदूर और कांग्रेस पर बोल रहे हैं। आपरेशन सिंदूर पर संसद का विशेष सत्र बुलाने के बजाय आपातकाल की 50 वीं सालगिरह पर विशेष सत्र बुलाया जा रहा है। मजे की बात ये है कि समूचा विपक्ष भाजपा के आपरेशन सिंदूर और आपरेशन सिंदूर खेला का मुकाबला नहीं कर पा रहा है। सरकार ने सर्वदलीय प्रतिनिधि मंडलों के जरिये कांग्रेस समेत तमाम विपक्षी दलों में सेंध लगा दी है। शशि थरूर इसका सबसे बडा प्रतीक बने हुए हैं। मेरा अनुभव है कि आपरेशन सिंदूर खेला लंबा खिंचेगा। सरकार जनता का ध्यान आकर्षित करने के लिए आपरेशन दर आपरेशन जारी रखने वाली है। नये आपरेशन का नाम आपरेशन शील्ड रखा गया है। इसके तहत सीमावर्ती चार राज्यों जम्मू-कश्मीर, पंजाब, राजस्थान और गुजरात के साथ हरियाणा तथा केंद्रशासित प्रदेश चंडीगढ़ में फिर से शनिवार को मॉक ड्रिल होगी। ऑपरेशन शील्ड के तहत होने वाली इस ड्रिल में हवाई हमलों से बचने का अभ्यास किया जाएगा। साथ ही सुरक्षा और आपातकालीन व्यवस्थाओं को भी जांचा जाएगा। इसके बाद देर शाम को ब्लैकआउट भी किया जाएगा। सिंदूरी आवरण के जरिये भाजपा 2025,26,27,तक होने वाले तमाम विधानसभा चुनाव जीतना चाहती है। इसके बाद सिंदूर का कोई नया विकल्प तलाश लिया जाएगा। वैसे भी 2028 से आमचुनाव की तैयारियां शुरू होना है। आम चुनाव के लिए नारी शक्ति वंदन कानून पर अमल का मुद्दा लंबित है ही। वक्फ बोर्ड कानून, एक देश, एक राष्ट्र जैसे मुद्दे अभी सुप्तावस्था में है ही।

चिंतन-मनन

संत की सीख

एक धनी सेठ ने एक संत के पास आकर उनसे प्रार्थना की, महाराज, मैं आत्मज्ञान प्राप्त करने के लिए साधना करता हूं पर मेरा मन एकाग्र ही नहीं हो पाता है। आप मुझे मन को एकाग्र करने का कोई मंत्र बताएं। सेठ की बात सुनकर संत बोले, मैं कल तुम्हारे घर आऊंगा और तुम्हें एकाग्रता का मंत्र प्रदान करूंगा। यह सुनकर सेठ बहुत खुश हुआ। उसने इसे अपना सौभाग्य समझा कि इतने बड़े संत उसके घर पधारेंगे। उसने अपनी हवेली की सफाई करवाई और संत के लिए स्वादिष्ट पकवान तैयार करवाए। नियत समय पर संत उसकी हवेली पर पधारे। सेठ ने उनका खूब स्वागत-सत्कार किया। सेठ की पत्नी ने मेवों व शुद्ध घी से स्वादिष्ट हलवा तैयार किया था। चांदी के बर्तन में हलवा सजाकर संत को दिया गया तो संत ने फौरन अपना कमंडल आगे कर दिया और बोले, यह हलवा इस कमंडल में डाल दो। सेठ ने देखा कि कमंडल में पहले ही कूड़ा-करकट भरा हुआ है। वह दुविधा में पड़ गया। उसने संकोच के साथ कहा, महाराज, यह हलवा मैं इसमें कैसे डाल सकता हूं। कमंडल में तो यह सब भरा हुआ है। इसमें हलवा डालने पर भला वह खाने योग्य कहां रह जाएगा, वह भी इस कूड़े-करकट के साथ मिलकर दूषित हो जाएगा। यह सुनकर संत मुस्कराते हुए बोले, वत्स, तुम ठीक कहते हो। जिस तरह कमंडल में कूड़ा करकट भरा है उसी तरह तुम्हारे दिमाग में भी बहुत सी ऐसी चीजें भरी हैं जो आत्मज्ञान के मार्ग में बाधक हैं।

भारत के लिए युद्ध हमेशा अंतिम विकल्प रहा है

- डॉ. राघवेन्द्र शर्मा

भारतीय सनातन सभ्यता में ऐसे कई प्रसंग एक जैसे दर्ज हैं, जिन्हें देखकर और पढ़कर ऐसा प्रतीत होता रहा है मानो इतिहास स्वयं को दोहरा रहा हो। अनेक कालखंडों में, दशकों में, सदियों में और युगों में, हमने कई घटनाएं ऐसी पढ़ी हैं, जिनके अध्ययन उपरांत ऐसा लगता है जैसे आज जो हमारे रूबरू है उसे पहले भी कहीं और पहले भी देखा जा चुका है। उदाहरण के लिए हम भारत और पाकिस्तान के बीच स्थाई रूप से व्याप्त बने हुए तनाव को ले सकते हैं। आजादी के बाद से लेकर अब तक पाकिस्तान जो कुछ भी कर रहा है और भारत की ओर से जिस प्रकार से संयम, धैर्य का प्रदर्शन किया जा रहा है, यह हमें द्वापर युगीन कौरवों की अति और भगवान कृष्ण की सहृदयता का स्मरण कराता हैं। जब कौरवों के षडयंत्रों को पूरी तरह विफल करते हुए पांडव अपना अधिकार प्राप्त करने हेतु प्रयासरत थे। तब उनके नेतृत्वकर्ता के रूप में भगवान कृष्ण ने यह निर्णय लिया कि हमें अंत तक युद्ध के अलावा उपलब्ध सभी विकल्पों पर विचार करना चाहिए। ऐसा ही हुआ, भगवान कृष्ण ने शांति दूत के रूप में हस्तिनापुर गमन किया और वहां उपस्थित दुर्योधन एवं धृतराष्ट्र सहित समस्त कुरुवंशियों को अपना प्रस्ताव प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि युद्ध किसी भी समस्या का सहज समाधान नहीं हो सकता। इससे राज सत्ता पर अधिपत्य जमाए रखने की आकांक्षा पाले बैठे लोगों की तुष्टि भले ही होती हो, लेकिन अनिष्ट प्रजा का ही होता है। दोनों ही पक्ष की सेनाओं के हजारों लाखों लोग मृत्यु को प्राप्त होते हैं। उनसे अधिक लोग सदा के लिए अपंग हो जाते हैं। फल स्वरुप मानव समाज को युगों युगों तक उस अपराध का असहनीय दंड भुगतना होता है, दरअसल जो उन्होंने किया ही नहीं होता। अतः टकराव का रास्ता छोड़ते हुए कुरु वंश को पांडवों का सम्मान बनाए रखना चाहिए। भगवान कृष्ण ने राजसभा में मौजूद प्रजा के गणमान्य प्रतिनिधियों और कुरु वंश के सामर्थ्यवान पदाधिकारियों को भी यह सीख दी कि वे दुर्योधन और धृतराष्ट्र की अपवित्र महत्वाकांक्षाओं को समझें और उन्हें पाप पूर्ण कृत्य करने से रोकें। ताकि युद्ध के रूप में आसन्न अनिष्ट एवं अनर्थ को रोका जा सके। सभी सामर्थ्यवान प्रबुद्ध जन चुपचाप बने रहे। वहीं काल के वशीभूत, अपने अनर्थ से अपरिचित दुर्योधन ने जब उनकी बातों को गंभीरता से नहीं लिया और भगवान कृष्ण को ग्वाला, गायों को चराने वाला, आदि शब्दों से असम्मानित करते हुए उन्हें गिरफ्तार करने का आदेश दे डाला, तब यह तय हो गया कि अब कुरुवंशियों को काल के गाल में समाने से कोई नहीं रोक सकता। समूचा ब्रह्मांड जानता है कि केवल और केवल दुर्योधन एवं धृतराष्ट्र की हठ धर्मिता के चलते महाभारत का युद्ध हुआ और उसमें लाखों लोग अकारण ही काल के गाल में समा गए। अंततः जीत सत्य स्वरूप श्री कृष्ण के सानिध्य में सज्ज पांडवों की ही हुई। वर्तमान परिवेश में देखें तो भारत और पाकिस्तान के बीच स्थिति कुरु वंश और पांडवों जैसी ही है। देश के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी बार-बार पाकिस्तान और वहां के हुक्मरानों को चेतावनी दे रहे हैं कि अंततः युद्ध विनाश का कारण होता है। जबकि वहां के हुक्मरान और सेना प्रमुख हमारे प्रधानमंत्री के वक्तव्यों की ठीक उसी प्रकार अनदेखी कर रहे हैं, जैसे हस्तिनापुर की राजसभा में दुर्योधन ने भगवान कृष्ण के प्रति असम्मानजनक व्यवहार का प्रदर्शन किया था। श्री मोदी जानते हैं कि पाकिस्तानी राजनेता और वहां की सेना भारत विरोधी एजेंडे को ही लंबे समय तक सत्ता पर काबिज बने रहने का जरिया मान कर बैठे हुए हैं। यही कारण है कि उन्होंने पाकिस्तानी अवाम का भला चाहते हुए उसे भी आगाह किया है कि वह अपना भला बुरा समझे और दुनिया भर में आतंकवाद को निर्यात करने वाले वहां के नेताओं, हुक्मरानों तथा सेना की नापाक हरकतों को पहचानें, समय रहते उन्हें वास्तविकता का एहसास कराते हुए उन्हें भारत में आतंकवाद निर्यात करने के गलत रास्ते पर जाने से रोकें । यदि पाकिस्तानी अवाम के ईमानदार प्रयास हुए तो संभव है वह आने वाले समय में भारतीय सदाव्यता के चलते भुखमरी, कंगाली और निकट भविष्य में सन्निद्ध गृह युद्ध जैसी विभीषिका से स्वयं को बचा सकेगा। अब निर्णय पाकिस्तान को करना है कि उसे अपनी अवाम का पेट भरने के लिए रोटी की उपलब्धता उचित लगती है या फिर भारतीय सेना की गोलियों से मरना ज्यादा अच्छा लगता है। यहां कुछ-कुछ प्रसंग सीख के रूप में हम रामायण युगीन घटनाओं से भी ग्रहण कर सकते हैं। उस कालखंड में भी मयार्दा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम ने उस स्थिति में भी लंका वासियों का भला करने का और उन्हें अनिष्ट से बचाए रखने का हर संभव प्रयास किया था, जबकि वहां का राजा रावण उनकी धर्मपत्नी सीता जी का अपहरण करने का पाप कर चुका था। भगवान कृष्ण के सानिध्य में सज्ज पांडव और प्रभु श्री राम की कृपा में तैनात वानर दल किसी भी दृष्टि से पाप पूर्ण कृत्यों में संलग्न शत्रु पक्ष का अनिष्ट करने में कमजोर नहीं थे। संकल्प मात्र से ही दुष्टों को नाश करने का सामर्थ्य उन्हें सहज ही प्राप्त था। लेकिन प्रभु श्री राम ने भी पहले हनुमान जी को लंका भेजा, जिन्होंने लंका जलाने से पहले रावण को बार-बार समझाया कि वह युद्ध को हर हाल में टालने का हर संभव प्रयास करे। इसी में राक्षस जाति की भलाई है। जब समुद्र पर सेतु बन गया। युद्ध को आतुर वानर सेना लंका के समक्ष हुंकार भरने लगी। तब प्रभु श्री राम ने एक बार फिर लंका को विनाश से बचाने का रास्ता खोजा और अंगद को शांतिदूत के रूप में प्रेषित किया। जैसा कि हमारे धर्म ग्रंथ बताते हैं, रावण के सिर पर भी काल मंडरा रहा था। सो उसे सामने खड़ा सत्य भी समझ नहीं आ रहा था, या फिर यू कहा जाए कि वह समझना ही नहीं चाहता था। बात त्रेता युग की हो या फिर द्वापर की, पाप पूर्ण कृत्यों में संलग्न पक्ष ने सत्य के मार्ग पर अडिग, धर्म परायण, सामर्थ्यवान, सज्जनों की सहृदयता को कमजोरी ही समझा और स्वतः ही मृत्यु के भोज्य बन बैठे। हाल ही में जब प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी गुजरात के प्रवास पर गए तब उन्होंने भुज की पवित्र भूमि से भारत और पड़ोसी देश को संबोधित करते हुए स्पष्ट किया कि सर्जिकल स्ट्राइक, एयर स्ट्राइक और ऑपरेशन सिंदूर भारतीय सेना के ऐसे प्रयास हैं, जिनके माध्यम से हमने आतंकवादियों का तो नाश किया, उनके प्रशिक्षण कैंपों को भी ध्वस्त किया। सामरिक महत्व के जिन एयर बेसों को देखकर पाकिस्तानी हुक्मरान और वहां की सेना फूली नहीं समा रही थी, उन्हें तहस नहश किया। लेकिन पाकिस्तानी अवाम के एक भी व्यक्ति को खरोच तक नहीं आने दी। उन्होंने स्पष्ट किया कि हमारे अचूक प्रहार और भारतीय आयुधों की पहुंच यह स्पष्ट करती है कि पाकिस्तान का कोई भी भूभाग भारतीय सेना के लक्ष्य से कतई दूर नहीं है। आशय स्पष्ट है, हमारा विरोध आतंकवाद से और आतंकवाद को पोषित करने वाली पाकिस्तानी सेना तथा वहां के हुक्मरानों से है। उन्होंने पहलगाम में जो नापाक हरकत की थी, इसका माकूल जवाब उन्हें उनके घर में घुसकर दिया जा चुका है। यदि इसके बावजूद भी पाकिस्तान नहीं सुधरा, उसने भारत में आतंकवादियों को भेजना बंद नहीं किया तो फिर अब उसकी इन हरकतों को भारतीय सेना पाकिस्तानी सैन्य अपराध के रूप में ही दिखेगी और उसका समूल नाश करने के लिए सदैव तैयार है। देश के यशस्वी प्रधानमंत्री और समूची दुनिया की आशाओं के केंद्र बिंदु श्री नरेंद्र मोदी की इस दूरदर्शिता की तारीफ चहुं ओर हो रही है। विश्व के जो शांति पसंद देश हैं वे जानते हैं कि युद्ध से किसी का भला नहीं हुआ।

सरकारी घोषणाओं के झरनों में सूखते भारत की पुकार

-सोनम लववंशी

पानी के लिए तरसती आंखें, सूखते कंठ, और एक झूठ जो हर चुनावी मंच पर झाग की तरह फूटता है– हर घर नल से जल। महाराष्ट्र के नासिक जिले का पेठ तालुका और उसका एक छोटा-सा गांव बोरीचिवारी, उस झूठ का ऐसा आईना है जिसमें सत्ता का चेहरा अब भी चमकता नहीं, बल्कि धुंधलाता हुआ नजर आता है। यहाँ की महिलाएं आज भी जान हथेली पर रखकर कुएं में उतरती हैं, अपने और अपने परिवार के लिए कुछ बूंदें पानी की तलाश में। विकास के दावों की छाती पर चढ़कर जब लोकतंत्र की ये बेटियाँ रस्सियों के सहारे नीचे उतरती हैं, तब यह दृश्य अमृतकाल नहीं, अपवित्र त्रासदी की गाथा गढ़ता है। वैसे ये तस्वीर सिर्फ नासिक के एक गांव की नहीं, सूखते कंठ की दर्द भरी दास्तां राष्ट्रव्यापी समस्या बन चुकी है। महाराष्ट्र के नासिक से लेकर झारखंड के पलामू तक, जल संकट की त्रासदी एक ऐसी सच्चाई है, जो सरकार के हर घर जल जैसे तमाम वादों और अभियानों की पोल खोलती है। जल जीवन मिशन के अंतर्गत 2024 तक सभी ग्रामीण घरों में नल से जल उपलब्ध कराने का दावा किया गया, लेकिन कैग और नीति आयोग की रिपोर्टें बताती हैं कि यह योजना आंकड़ों के मायाजाल से आगे नहीं बढ़ पाई। नीति आयोग की जल प्रबंधन सूचकांक 2018 की रिपोर्ट चेतावनी देती है कि 2030 तक देश के 21 शहरों का भूजल पूरी तरह समाप्त हो सकता है। वहीं विश्व स्वास्थ्य संगठन और यूनिसेफ की 2022 की रिपोर्ट के अनुसार भारत में अब भी 15 करोड़ से ज्यादा लोग स्वच्छ पेयजल से वंचित हैं। विगत वर्षों में लातूर को ट्रेन से पानी भेजना पड़ा, बुंदेलखंड में महिलाएं निर्वस्त्र होकर प्रदर्शन करती हैं, और झारखंड के गाँवों में लोग पेड़ों से रिसती बूंदों को जमा करके पीते हैं। ये घटनाएं 21वीं सदी की नहीं लगतीं, फिर भी ये हमारे आज की सच्चाई हैं। विश्वगुरु बनाने को लालायित देश की हकीकत है, लेकिन रहनुमाओं को सिर्फ अपनी फिक्र है। तभी तो बोतलबंद पानी पीने वाले नेतागण नमामि गंगे, अटल भूजल योजना और ह्यजल क्रांति अभियान जैसे कार्यक्रम को शुरू कर ही अपने कर्तव्यों की इतिश्री समझ लेते हैं। राष्ट्रीय सैंपल सर्वे के अनुसार, ग्रामीण महिलाओं को प्रतिदिन 2-3 घंटे पानी लाने में गंवाने पड़ते हैं, जिससे शिक्षा और स्वास्थ्य प्रभावित होता हैं। जबकि यूनेस्को की एक रिपोर्ट कहती है कि भारत में जल संकट सामाजिक असमानता और जलवायु परिवर्तन के साथ मिलकर एक गहरी मानवीय आपदा का रूप ले चुका है, और यह अब चेतावनी नहीं, बल्कि वास्तविकता है। इतना ही नहीं स्कूलों में लड़कियों की उपस्थिति जल की अनुपलब्धता के कारण भी प्रभावित होती है। यूनेस्को की ही एक अन्य रिपोर्ट के अनुसार, जल संकट वाले क्षेत्रों में लड़कियों की ड्रॉप-आउट दर लगभग 23 प्रतिशत से अधिक होती है। दूसरी तरफ हमारी रहनुमाई व्यवस्था है, जो 2024 आकर बीत जाने के बाद भी ह्यहर घर नल वाला सपना भूल गई है। पीएम मोदी ने लालकिले से घोषणा की थी कि जल जीवन मिशन के अंतर्गत देश के हर ग्रामीण घर को नल से शुद्ध पानी मिलेगा। सरकारी पोर्टल्स और पीआईबी की प्रेस रिलीजों में सफलता की झिलमिलाती कहानियाँ दर्ज हैं, करोड़ों कनेक्शन दिए जा चुके हैं, ग्राफ ऊपर की ओर जा रहे हैं और कागजों में भारत प्यासा नहीं है। लेकिन बोरीचिवारी में जमीन पर उतरते ही ये आँकड़े गले में अटक जाते हैं। महिलाओं के हाथों में मटके हैं, लेकिन उनमें पानी नहीं, शिकायतें भरी हैं। कुएं में उतरकर पानी निकालने की उनकी आदत आजादी के 75 साल बाद भी नहीं छूटी, क्योंकि नल उनके घर की दीवारों पर सिर्फ.एक मेटल का पाइप है जो सूखा और खामोश है। ऐसे में क्या यही है ह्यअंतर्राष्ट्रीय जल दिवसह्न मनाने का औचित्य? क्या यही है यूनिसेफ और नीति आयोग की सिफारिशों पर खरे उतरने वाला भारत? यदि जल जीवन मिशन इतना सफल रहा है, तो फिर क्यों पेठ तालुका के बोरीचिवारी, भोर, त्र्यंबकेश्वर, अक्कलगांव जैसे गांवों की बच्चियां स्कूल के बजाय दिन भर पानी की लाइन में लगी रहती हैं? क्या उनके लिए शिक्षा का अधिकार अब भी सिर्फ किताबों में छपी इबारत है? भारत के संविधान की धारा 21 ह्यजीवन के अधिकारह्न की बात करती है, जिसमें स्वच्छ जल की उपलब्धता एक बुनियादी मानवीय अधिकार माना गया है। लेकिन इस अधिकार को पाने के लिए इन महिलाओं को कुएं की गहराई में उतरना पड़ता है, बिना सुरक्षा के महज एक रस्सी के सहारे। क्या इसी को ह्यसुशासनह्न कहते हैं? महाराष्ट्र में ही 2023-24 के बजट में जल संसाधन परियोजनाओं के लिए 15,000 करोड़ रुपए से अधिक की राशि आवंटित की गई थी। जल जीवन मिशन के लिए केंद्र सरकार ने 3.6 लाख करोड़ का प्रावधान किया था। इन योजनाओं का लाभ किसे मिला? क्या ठेकेदारों को? क्या टेंडर लेने वाले निगमों को? या फिर अधिकारियों की ट्रैवल रिपोर्ट्स को, जिनमें प्रोजेक्ट्स ऑन ट्रैक लिखा होता है? सरकारें आती हैं, नारे बदलते हैं, लेकिन प्यास नहीं बुझती। नासिक जैसे अर्ध-शहरी क्षेत्रों में भी जब ये स्थिति है, तो आदिवासी और घने जंगलों में बसे गांवों की दशा की कल्पना मात्र ही सिहरन पैदा कर देती है। पेठ का यह गांव न तो बाढ़ग्रस्त है, न भूकंप-प्रभावित, फिर भी यहाँ पीने का पानी नहीं। क्यों? जल संकट कोई अचानक आई आपदा नहीं, यह तो लंबे समय से तैयार किया गया एक ह्यसामाजिक अपराधह्न है– संवेदनहीनता का परिणाम। ग्राउंड वाटर लेवल गिरता रहा, तालाब और जलाशयों पर मॉल खड़े होते रहे, जल संरचनाओं की मरम्मत कागजों तक सीमित रही, और जनता को आश्वासन के पानी से बहलाया जाता रहा। कभी सरकारी बाबू कहते हैं कि पाइपलाइन बिछाई जा रही है, तो कभी सरपंच कहते हैं कि बिजली नहीं है, पंप चालू नहीं हो सकता। लेकिन असली सवाल कोई नहीं उठाता कि आखिर इन योजनाओं की मॉनिटरिंग कौन कर रहा है? पेठ जैसी जगहों में आरटीआई के जरिए पूछे गए सवालों के जवाब अक्सर ह्यरिकॉर्ड उपलब्ध नहींह्न कहकर टाल दिए जाते हैं। जनसुनवाई की बैठकें नदारद हैं और जनता के हिस्से में सिर्फ एक ह्यसुनो और भूल जाओह्न वाली व्यवस्था है। यह तस्वीर केवल एक गांव की नहीं है, यह तस्वीर उस राष्ट्र की है जो अब भी अपनी 50 करोड़ ग्रामीण आबादी को स्वच्छ पानी की न्यूनतम गारंटी नहीं दे सका है। दुनिया भर में ह्यजलवायु परिवर्तन की बड़ी-बड़ी कांफ्रेंस में भारत भागीदारी करता है, लेकिन अपने गांवों में पानी की कमी से आत्महत्या करते किसानों की सूची तक नहीं बनाता। क्या हमने कभी सोचा है कि जब एक बच्ची हर दिन 3-4 घंटे पानी लाने में खर्च करती है, तो उसकी शिक्षा, पोषण और स्वास्थ्य पर क्या असर पड़ता है? जब एक माँ, जो प्रसव के बाद बमुश्किल ठीक हुई हो, कुएं में उतरती है, तो उसे जिंदगी की कितनी कीमत चुकानी पड़ती है? और जब पानी की एक बाल्टी के लिए झगड़े होते हैं, तो समाज के ताने-बाने पर कैसा असर होता है? सरकारों के पास ह्यपानी पर राजनीति का अद्भुत हुनर है।

बच्चा ज्यादा कार्टून देखता है तो ध्यान दें

बच्चा है तो कार्टून तो देखेगा ही। अगर आपकी भी यही सोच है तो इसे बदलने की जरूरत है। ज्यादा कार्टून देखना आपके बच्चे के मानसिक सेहत के साथ-साथ उसके सामान्य स्वभाव को भी प्रभावित कर सकता है। टीवी की लत से बच्चे को इस प्रकार बचायें।

किसी भी मां से पूछ कर देखिए, वह अपने बच्चे के टीवी देखने की लत से परेशान जरूर मिलेगी। साइकोलॉजिस्ट, कामना छिब्बर के मुताबिक, ह्यसभी जानते हैं कि बच्चे जो देखते हैं, वही सीखते हैं। टीवी और उस पर आने वाले कार्टून सीरियरल का असर उन पर तेजी से बढ़ रहा है। वहीं दूसरी ओर उनमें सोशल स्किल्स कम हो रहे हैं। यही वजह है कि 8 से 15 साल के 13 प्रतिशत बच्चों में एडीएचडी, ऑटिज्म, एंजाइटी आदि मानसिक परेशानियां पाई जाती हैं। टीवी की इसी लत के कारण किसी एक चीज पर ध्यान केंद्रित करने में भी उन्हें परेशानी होती है। पढ़ाई-लिखाई से जुड़ी परेशानियां भी इसी लत का नतीजा है। इन समस्याओं से छुटकारा पाने का एक ही उपाय है, टीवी देखने की आदत पर नियंत्रण।ह्न अगर आप चाहती हैं कि आपके बच्चे को कार्टून की लत न लगे, वह खेलकूद और पढ़ाई में भी पूरी तरह से सक्रिय रहे, तो इसके लिए कोशिश भी आपको ही करनी होगी। टीवी प्रोग्राम हो सही बच्चे पर टीवी के लिए एकदम पाबंदी लगाना तो संभव नहीं है, इसलिए जरूरी है कि आप यह ध्यान दें कि आपका बच्चा टीवी पर कोई अच्छा व ज्ञानवर्धक प्रोग्राम ही देखे। ऐसा कोई भी सीरियल या कार्टून शो जो बच्चे की सोच को नकारात्मक बना सकता है, उससे बचें। कोशिश करें कि बच्चा ऐसा प्रोग्राम देखे जिसमें वह भाग ले सके। जैसे कि क्विज प्रतियोगिता, कोई आर्ट वर्क बनाने की विधि आदि। इस तरह के प्रोग्राम देखने से आपके बच्चे का मानसिक विकास होगा। यदि आपका बच्चा कुछ देखने की जिद करता है तो सबसे पहले उससे उस प्रोग्राम को देखने की वजह जानें। यदि वह ऐसा न कर पाए या उसकी मांग गलत हो तो उसे अपनी आपत्ति का कारण समझाएं। टीवी देखने की समय सीमा निर्धारित करें अक्सर माता-पिता बच्चे की शैतानियों व जिद से बचने के लिए उसे टीवी में ही व्यस्त रहने देने में राहत महसूस करते हैं। उन्हें लगता है, बाहर जाएगा, धूल-मिट्टी में खेलेगा, कपड़े गंदे करेगा या चोट लगा बैठेगा, इससे बेहतर है घर में ही आंखों के सामने टीवी देखता रहे लेकिन आपकी यह सोच गलत है। आप इसके दीर्घकालिक प्रभाव को नजरअंदाज कर रही हैं। बच्चे को अपने आसपास के वातावरण से सीखने का मौका दें। इस तरह उनका शारीरिक व मानसिक विकास ठीक प्रकार से होगा। उनकी टीवी देखने की समय सीमा निर्धारित करें। बच्चे को 1 या 2 घंटे से ज्यादा टीवी बिल्कुल न देखने दें।

टीवी देखते समय रहे साथ कोशिश करें कि जब भी आपके बच्चे का टीवी देखने का टाइम है, उस वक्त आप भी उसके साथ बैठें। अपने काम करने के चक्कर में उसे अकेला बिल्कुल नहीं छोडें। टीवी देखते वक्त उसके हर सवाल का सही जवाब दें, यदि बच्चा सवाल न पूछे तो आप उससे उसके संदर्भ में सवाल पूछें। यदि बच्चे में किसी सीन को देखकर कोई गलत बात सीखने का अंदेशा हो तो बातों-बातों में उसे उस काम के दुष्परिणाम के बारे में जानकारी दें। खाना-टीवी साथ नहीं ज्यादातर परिवारों में लोग रात के वक्त खाना खाते हुए एक साथ बैठकर टीवी देखने को पारिवारिक एकजुटता का प्रतीक समझने की भूल करते हैं

आज का राशिफल

मेष किसी लीडरशिप रोल में हैं, तो आपके फैसले की सराहना होगी। सक्रियता से माहौल सकारात्मक रहेगा।	**तुला** आप किसी पार्टनरशिप में बिजनस कर रहे हैं तो आपसी तालमेल से बड़ा लाभ प्राप्त कर सकते हैं।
वृषभ आज कार्यस्थल पर दबाव महसूस होगा और आपका काम काम में मन नहीं लगेगा।	**वृश्चिक** आज दिन अनुकूल है। आपकी मेहनत और समर्पण से ऑफिस में आपको लाभ होगा।
मिथुन लेकिन आपकी योजना और समय प्रबंधन से सब कुछ कंट्रोल में रहेगा।	**धनु** आज भाग्य आपके साथ है, विशेषकर करियर के मामले में आपको लाभ होगा।
कर्क आज दिन लाभ और तरक?की से भरा होगा। ऑफिस में आपके योगदान को सराहना मिलेगी।	**मकर** कार्यक्षेत्र में आपको नई जिम्मेदारियां मिल सकती हैं जो आपके प्रमोशन का रास्ता खोलेंगी।
सिंह आज दिन मिलाजुला रहेगा। आपके आत्मविश्वास और संचार कौशल की परीक्षा हो सकती है।	**कुंभ** लोगों के लिए उत्तम रहेगा। आइडियाज और इनोवेशन से कंपनी में आपकी स्थिति मजबूत होगी।
कन्या जो लोग इंटरव्यू दे रहे हैं या नई नौकरी की तलाश में हैं, उनके लिए दिन शुभ है।	**मीन** आज दिन लाभ से भरा होगा। ऑफिस में किसी पुराने प्रयास का फल मिल सकता है।

विशेष

मानसून की भविष्यवाणी से किसानों के चेहरे पर खुशी

मौसम विभाग ने इस बार सामान्य से अधिक बारिश की भविष्यवाणी की है। जून से लेकर सितंबर के बीच में देश के सभी राज्यों में औसत से ज्यादा बारिश होने की बात कही गई है। मौसम विभाग की इस भविष्यवाणी से सबसे ज्यादा प्रसन्न किसान है।उसे लग रहा है, रवी और खरीफ की दोनों फैसले अच्छी होगी। भारत की अर्थव्यवस्था कृषि पर आधारित है। जिस तरह के हालात बने हुए हैं।उसमें सही बारिश होने के कारण किसानों के साथ-साथ देश की आर्थिक स्थिति भी बेहतर होगी। सरकार भी प्रसन्न है।

अमिताभ और जया बच्चन चर्चाओं में

पिछले 11 वर्षों से अमिताभ बच्चन मोदी सरकार के समर्थन में आंख बंद करके दौड़ रहे थे।वहीं उनकी धर्मपत्नी जया बच्चन राज्यसभा में समाजवादी पार्टी की ओर से सांसद हैं। वह सरकार के ऊपर खफा रहती हैं।ऐसा कोई मौका नहीं छोड़ती हैं,जो सरकार के लिए परेशानी खड़ा करने वाला हो। हाल ही में अमिताभ बच्चन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर 4 ट्रिलियन डॉलर की भारतीय अर्थव्यवस्था का श्रेय 75 साल की मेहनत को दिया है। हालांकि सरकार का यह दावा झूठा निकला। सरकार से जुड़ा एक वर्ग मान रहा है। अमिताभ बच्चन को 11 साल की मोदी सरकार को यह श्रेय देना था। उन्होंने 75 साल का क्यों कहा, जिसके कारण अब अमिताभ बच्चन भी भाजपा में शंका की निगाहों से देखे जा रहे हैं।

कार्टून कोना

आज का इतिहास

आज का इतिहास 1 जून 1868 अमेरिका के 15 वें राष्ट्रपति जेम्स बुकानन का निधन हुआ. 1874 ईस्ट इंडिया कंपनी भंग कर दी गई. 1930 मुम्बई वी.टी.और पूणे के बीच पहली डीलक्स ट्रेन चली. 1932 फ्रेंज वान पेपेन जर्मनी के चांसलर बने. 1964 आना के बदले नया पैसा का चलन आरम्भ . 1970 एकाधिकार और प्रतिबंधित व्यापार अधिनियम प्रभावी हुआ. 1973 यूनान में सैनिक शासकों ने राजशाही समाप्त कर दी. 1989 प्रसिद्ध उद्घोषक व कमेंटेंटर मेलविल डी. मेलो का निधन. 1996 भूतपूर्व राष्ट्रपति संजीव रेड्डी का निधन. 1996 एच.डी. देवेगोड़ा ने प्रधानमंत्री पद की शपथ ली. 2001 बी.एम.डब्ल्यू. कांड के मुख्य अभियुक्त संजीव नंदा को 45 करोड़ रुपये की जमानत पर विदेश जाने की छूट. 2002 पाकिस्तान स्थित भारतीय उच्चायोग में कार्यरत कर्मचारी कुलवंत सिंह को आई. एस. आई. ने अगवा कर मारपीट की.

दैनिक पंचांग

1 जून 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	वृष में	मिथुन	06.13 बजे से
चंद्र	कर्क में	कर्क	08.27 बजे से
मंगल	कर्क में	सिंह	10.43 बजे से
बुध	वृष में	कन्या	12.55 बजे से
गुरु	मिथुन में	तुला	15.05 बजे से
शुक्र	मीन में	वृश्चिक	17.20 ब.से
शनि	मीन में	धनु	19.36 बजे से
राहु	मीन में	मकर	21.41 बजे से
केतु	कन्या में	कुंभ	23.28 बजे से
राहुकाल		मीन	01.01 बजे से
4.30 से 6.00		मेष	02.31 बजे से
बजे तक		वृष	04.11 बजे से

रविवार 2025 वर्ष का 152 वा दिन
दिशाशूल पश्चिम **ऋतु** ग्रीष्म।
विक्रम संवत् 2082
शक संवत् 1946
मास ज्येष्ठ **पक्ष** शुक्ल
तिथि षष्ठी 20.00 बजे को समाप्त।
नक्षत्र आश्लेषा 21.37 बजे को समाप्त।
योग ध्रुव 09.11 बजे को समाप्त।
करण कौलव 08.01 बजे तदनन्तर तैतिल 20.00 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 04.9 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 22° 04'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872362
जूलियन दिन 2460827.5
कलियुग संवत् 5125
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1446
महीना जिल्हेज **तारीख** 04
विशेष स्कंद षष्ठी।

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
उद्वेग	05.56 से 07.23 बजे तक	शुभ	05.36 से 07.09 बजे तक
चर	07.23 से 08.51 बजे तक	अमृत	07.09 से 08.41 बजे तक
लाभ	08.51 से 10.18 बजे तक	चर	08.41 से 10.14 बजे तक
अमृत	10.18 से 11.46 बजे तक	रोग	10.14 से 11.46 बजे तक
काल	11.46 से 01.14 बजे तक	काल	11.46 से 01.19 बजे तक
शुभ	01.14 से 02.41 बजे तक	लाभ	01.19 से 02.51 बजे तक
रोग	02.41 से 04.09 बजे तक	उद्वेग	02.51 से 04.24 बजे तक
उद्वेग	04.09 से 05.36 बजे तक	शुभ	04.24 से 05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

केशव टाइम्स
डिजिटल संस्करण

बक्सर, 01 जून 2025
website:keshavtimes.com
e-mail:keshavtimes1@gmail.com

जर्मनी में विदेशी छात्रों को मिलती है कम कीमत में क्वालिटी एजुकेशन

दुनिया भर से पढ़ाई के लिए आने वाले छात्रों के लिए जर्मनी एक खुली और रंगबिरंगी सोसायटी है। अंतर्राष्ट्रीय छात्रों के लिए जर्मनी पहले ही हॉट स्पॉट बन चुका है और इसमें लगातार तेजी देखने को मिल रही है। जर्मनी में विदेशी छात्रों की संख्या बढ़कर 3.60 लाख पहुंच चुकी है यानी प्रत्येक सेमेस्टर में एक चौथाई छात्र विदेशी हैं।

दुनिया भर से पढ़ाई के लिए आने वाले छात्रों के लिए जर्मनी एक खुली और रंगबिरंगी सोसायटी है। अंतर्राष्ट्रीय छात्रों के लिए जर्मनी पहले ही हॉट स्पॉट बन चुका है और इसमें लगातार तेजी देखने को मिल रही है। जर्मनी में विदेशी छात्रों की संख्या बढ़कर 3.60 लाख पहुंच चुकी है यानी प्रत्येक सेमेस्टर में एक चौथाई छात्र विदेशी हैं।

जर्मनी में क्यों करें पढ़ाई

जर्मनी में पढ़ाई करने के कई कारण हैं जिसमें प्रमुख है शिक्षा की बेहतरीन गुणवत्ता, ट्यूशन फीस में छूट, शानदार करियर के मौके, इंगलिश में पढ़ाए जाने वाले इंटरनैशनल डिग्री प्रोग्राम आदि शामिल हैं। जर्मनी की यूनिवर्सिटिज की दुनिया में काफी प्रतिष्ठा है। टाइम्स हायर एजुकेशन वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग में जर्मनी की 47 यूनिवर्सिटिज दुनिया की सबसे अच्छी यूनिवर्सिटिज में शामिल हैं। आप इस बात पर विश्वास करें या नहीं लेकिन यह सच है कि जर्मनी की कई यूनिवर्सिटिज ट्यूशन फीस नहीं लेती हैं और यह बात विदेशी छात्रों पर भी लागू होती है। इसके अलावा यहां छात्रों के पास स्कॉलरशिप प्राप्त करने के भी कई मौके होते हैं खासतौर से जर्न अकेडमिक एक्सचेंज सर्विस के जरिए। इसके भारत में कई ऑफिस हैं जो भारतीय छात्रों को उनकी जरुरत के हिसाब से कोर्स मुहैया कराती है।

भाषा

जर्मनी में विदेशी छात्र करीब 2 हजार ऐसे कोर्सेस में से अपनी पसंद का कोर्स चुन सकते हैं जिनकी पढ़ाई अंग्रेजी में कराई जाती है। इसलिए यहां जर्मन भाषा की समझ जरूरी नहीं है। हालांकि जर्मन भाषा को सीखना आगे आपके ही काम आएगा।

आइडिया का देश

जर्मनी शुरू से ही अविष्कारों का देश रहा है यहां प्रिंटिंग प्रेस से लेकर ऑटोमोबाइल और एमपी 3 फॉर्मेट का अविष्कार हुआ है। अभी तक करीब 80 जर्मन वैज्ञानिकों को नोबेल पुरस्कार मिल चुका है। वर्ल्ड इकोनॉमिक फॉरम की ताजा रिपोर्ट के मुताबिक जर्मनी सबसे इनोवेटिव देश है। इसमें जर्मनी की यूनिवर्सिटिज अहम रोल निभाती है क्योंकि यहां रिसर्च काफी मजबूत है।

किसी जर्मन यूनिवर्सिटी से ग्रेजुएशन करने के बाद छात्र 18 महीने जर्मनी मे नौकरी ढूंढने के लिए रूक सकते हैं। जर्मनी इंडस्ट्रीयल इनोवेशन और मैनुफैक्चरिंग में वर्ल्ड लीडर है इसलिए यहां हर समय इंजिनियर्स की कमी रहती है। इसके अलावा यहां कई ऐसे शहर हैं जहां होली और दिवाली जैसे त्योहार मनाए जाते हैं जिसके कारण यह भारतीयों के लिए बेहतरीन डेस्टिनेशन है।

ये 5 वॉटर कोर्स दिलाएंगे विदेश जाने का मौका

अगर आप विदेश जाकर करियर बनाना चाहते हैं तो आपके लिए जरूरी आर्टिकल है। यहां पर हम यहां पर टॉप-5 वॉटर डिप्लोमैसी और डेवलपमेंट कोर्सेज के बारे में बता रहे हैं, जिनमें आप बेहतरी करियर बना सकते हैं। साथ ही लाखों-करोड़ों रुपये की कमाई भी कर सकते हैं।

पानी की कमी और खराब गुणवत्ता जैसी समस्याएं आज पूरी दुनिया में देखी जा रही हैं। सबसे बड़ी बात ये समस्याएं किसी एक देश की सीमाओं में नहीं सिमटी हैं। ऐसे में वैश्विक जल प्रबंधन के मुद्दों को सुलझाने के लिए कुशल रणनीतिकारों और विकास विशेषज्ञों की ज़रूरत है। दुनिया भर में कई देश अपने जल संसाधनों का प्रबंधन टिकाऊ तरीके से करने की चुनौती का सामना कर रहे हैं। इस क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभाने के लिए ऐसे लोगों की ज़रूरत है जिनके पास सही विशेषज्ञता और व्यावहारिक ज्ञान दोनों का मिश्रण हो।

क्रॉस कल्चरल कम्यूनिकेशन स्किल

वैश्विक स्तर पर टिकाऊ जल कूटनीति के लिए सबसे महत्वपूर्ण कारक विभिन्न संस्कृतियों के बीच संवाद स्थापित करना और वैश्विक भाषाई परिवेश में काम करना सीखना है। पेशेवर कूटनीतिज्ञों को कूटनीतिक वार्ता, हितधारकों को जोड़ने और नीतिगत पैरवी करते समय सावधानी और खुले दिमाग का परिचय देना चाहिए।

तकनीकी विशेषज्ञता

जल विज्ञान, जल प्रबंधन सिद्धांतों और पर्यावरण विज्ञान में मजबूत आधार होना इस पेशे की नींव है। जल मॉडलिंग, जीआईएस और डेटा विश्लेषण में विशेषज्ञता आमतौर पर हायर करने वाले ढूंढते हैं।

नीति विश्लेषण और विकास

जल क्षेत्र का मूल जल नीतियों का विश्लेषण करना, उनके लागू करने के परिणामों का अध्ययन करना और बेहतर, टिकाऊ जल संसाधन प्रबंधन रणनीतियों के विकास में शामिल होना है।

वार्ता और समाधान

जल पेशेवरों में कूटनीतिक स्किल मजबूत होनी चाहिए और उन्हें विवादों का समाधान करने में सक्षम होना चाहिए ताकि पानी तनाव और संघर्ष का कारण न बने।

कोर्सेज एंड ट्रेनिंग, वाटर डिप्लोमेसी एंड गवर्नेंस

अंतर्राष्ट्रीय जल कानून, सीमा पार जल प्रबंधन और कूटनीति पर बल देने वाले पाठ्यक्रम छात्रों को साझा जल संसाधनों के प्रबंधन में शामिल जटिल मुद्दों की बुनियादी समझ प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किए गए हैं।

पर्यावरण नीति और रेगुलेशन

राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्वच्छ जल संसाधनों के लिए नियामक व्यवस्थाओं की जानकारी होना उचित कानून और रणनीतियां बनाने के लिए ज़रूरी है।

परियोजना प्रबंधन

बड़े पैमाने पर बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को सफलतापूर्वक चलाने के लिए नेतृत्व क्षमता, बजट बनाने का कौशल, सहयोग और विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों वाली टीम वर्क की आवश्यकता होती है।

जल विज्ञान और जल प्रबंधन

ऐसे तकनीकी पाठ्यक्रम मौजूद हैं जो जल विज्ञान मॉडलिंग, जलग्रहण क्षेत्र प्रबंधन और एकीकृत जल संसाधन प्रबंधन जैसे विषयों पर पढ़ाते हैं। ये पाठ्यक्रम जल संसाधनों के टिकाऊ उपयोग के लिए व्यावहारिक शिक्षा प्रदान करते हैं।

अंतर-सांस्कृतिक संचार और वार्ता

इस तरह के प्रशिक्षण कार्यक्रम अंतर-सांस्कृतिक संचार और वार्ता कौशल पर केंद्रित होते हैं, जो वैश्विक जल क्षेत्र में विभिन्न हितधारकों के साथ सफलतापूर्वक बातचीत करने की क्षमता प्रदान करते हैं।

पेशेवर विकास कार्यक्रम

संयुक्त राष्ट्र, विश्व बैंक और क्षेत्रीय विकास बैंक जैसे संगठन अक्सर जल संसाधन प्रबंधन और अंतर्राष्ट्रीय विकास के क्षेत्र में काम करने वाले व्यक्तियों के लिए पेशेवर विकास कार्यक्रम और प्रशिक्षण के अवसर प्रदान करते हैं।

ये हैं देश की सबसे महंगी डिग्रियां, जानिए एवरेज फीस

समय के साथ देश में शिक्षा भी महंगी हो गई है। शायद यही वजह है कि अब कुछ डिग्रियों को प्राप्त करने के लिए युवाओं को ज्यादा पैसे खर्च करने पड़ते हैं। हालांकि, सरकारी कॉलेजों में फीस फिर भी कम है। लेकिन प्राइवेट कॉलेजों कई कोर्सेज के फीस बहुत ही ज्यादा है। ऐसे में आइए हम आपको बताते हैं देश की सबसे महंगी डिग्रियों के बारे में

भारत में मेडिकल, इंजीनियरिंग सहित कई कोर्स संचालित किए जाते हैं। कई कोर्स ऐसे होते हैं जिन्हें करने के बाद बढ़िया सैलरी भी मिलती है। हालांकि, ये डिग्रीयां महंगी भी होती हैं। ऐसे में आइए हम आपको बता दें कि देश की सबसे महंगी डिग्रियों के बारे में?

मेडिसिन

मेडिसिन की डिग्री भारत में महंगी डिग्री में एक है। मेडिसिन की पढ़ाई सरकारी कॉलेजों में सस्ती होती है। लेकिन अगर प्राइवेट कॉलेजों की बात करें तो मेडिसिन की डिग्री के लिए 50 लाख से 1 करोड़ रुपये तक खर्च करना पड़ सकता है।

इंजीनियरिंग डिग्री

भारत में इंजीनियरिंग डिग्री के लिए सरकारी स्कूलों में फीस एक वर्ष की 2 लाख रुपये तक है। लेकिन प्राइवेट कॉलेजों की बात करें तो इंजीनियरिंग के लिए 10 लाख रुपये या फिर उससे ज्यादा तक की फीस एक वर्ष के लिए देना पड़ सकता है।

बिजनेस डिग्री

बिजनेस मैनेजमेंट सहित अन्य कोर्सेज के लिए आईआईएम सहित अन्य सरकारी कॉलेजों को छोड़कर स्टूडेंट्स 20 से 25 लाख रुपये तक खर्च करना पड़ सकता है। हालांकि, प्राइवेट इंस्टीट्यूट में स्टूडेंट्स को कई तरह की स्कॉलरशिप भी दी जाती है।

लॉ कोर्सेज

लॉग की डिग्री लेने के लिए प्राइवेट कॉलेजों में स्टूडेंट्स को कुल 10 लाख रुपये तक खर्च करने पड़ सकते हैं। बदलते दौर के साथ लॉ के क्षेत्र में करियर ऑप्शन भी बढ़ गए हैं। जिसके चलते बड़ी संख्या में हर वर्ष स्टूडेंट्स लॉ की पढ़ाई करते हैं। यही वजह है कि कई प्राइवेट कॉलेजों की तरफ से फीस भी बढ़ा दी गई है।

एविएशन

एविएशन की डिग्री भी देश की महंगी डिग्रियों में एक है। एविएशन की पढ़ाई के लिए स्टूडेंट्स को 5 लाख रुपये से 15-20 लाख रुपये की फीस एक वर्ष की देनी पड़ सकती हैं। हालांकि, एविएशन की पढ़ाई के बाद स्टूडेंट्स को बढ़िया सैलरी भी मिलती हैं।

डिजाइन

डिजाइन कोर्सेज की गिनती भी महंगी डिग्रियों में होती है। देश के कई संस्थानों से डिजाइन कोर्सेज को करने के लिए स्टूडेंट्स को 10 से लाख रुपये तक खर्च करने पड़ सकते हैं। हालांकि, डिजाइन कोर्स करने वाले स्टूडेंट्स को बढ़िया सैलरी भी मिलती है।

फूड स्टार्टअप्स में ऐसे बनाएं करियर

बदलते जमाने के साथ लोग परंपरागत कोर्सेज से हटकर कुछ ऐसे नए कोर्स कर रहे हैं, जिससे वे न सिर्फ पैसा कमा कर रहे हैं, बल्कि अपना सपना भी पूरा कर रहे हैं। इन्हीं फील्ड में फूड स्टार्टअप भी नया विकल्प बनकर उभरा है। जिसमें आप बेहतर करियर बना सकते हैं।

खाने की दुनिया लगातार बदल रही है और इस बदलाव में सबसे आगे चल रहे हैं फूड आंत्रप्रेन्योर्स। ये नई पीढ़ी के बिजनेस करने वाले लोग परंपरागत रेस्टोरेंट के तरीकों को तोड़ रहे हैं। ये ना सिर्फ खाने के बारे में हमारे नजरिए को बदल रहे हैं, बल्कि खाने से जुड़े स्टार्टअप्स में रोजगार के नए मौके भी पैदा कर रहे हैं। अगर आप भी इस रोमांचक फील्ड में करियर बनाने की सोच रहे हैं, तो सबसे पहले ये जानना ज़रूरी है कि फूड बिजनेस से जुड़े कौन-कौन से कोर्स हैं, करियर के कौन से विकल्प मौजूद हैं और आपको किन खासियतों की ज़रूरत होगी।

पाठ्यक्रम और शिक्षा

अच्छा खाना पकाने की शिक्षा के बिना ज्यादातर फूड एंटरप्रेन्योर्स अपना सपना पूरा नहीं कर पाते। वैसे तो कुकिंग स्कूल क्लासिकल और प्रैक्टिकल तरीके से खाना बनाना सिखाने के साथ-साथ किचन मैनेजमेंट भी सिखाते हैं, लेकिन फूड एंटरप्रेन्योरशिप कोर्स रेस्टोरेंट इंडस्ट्री में बिजनेस चलाने के बारे में पूरी जानकारी देते हैं। इन कार्यक्रमों में खासतौर पर फूड प्रोडक्ट डेवलपमेंट, मार्केटिंग और फाइनेंशियल मैनेजमेंट जैसे क्षेत्रों में जानकारी दी जाती है। इससे भविष्य के फूड एंटरप्रेन्योर्स को बिजनेस में आने वाली चुनौतियों से निपटने के लिए जरूरी स्किल्स हासिल हो जाते हैं।

फूड स्टार्टअप्स में करियर विकल्प

शेफप्रेन्योर

जो लोग खाने के क्षेत्र में नयापन लाना चाहते हैं, उनके लिए शेफप्रेन्योर बनना एक बेहतरीन विकल्प है। ये क्रिएटिव फूड प्रोडक्ट डेवलपर होते हैं, जो अपने पाक कला के हुनर से ऐसे प्रोडक्ट्स बनाते हैं, जिनका स्वाद ग्राहकों के ज़हन में बस जाता है और उनकी ब्रांड प्रतियोगिता में अलग पहचान बनाती है।

फूड टेक्नोलॉजिस्ट

फूड टेक्नोलॉजिस्ट वो प्रोफेशनल्स होते हैं, जो खाने के सामान बनाने और उनकी खासियतों को बनाए रखने में माहिर होते हैं। फूड साइंस और टेक्नोलॉजी के ज्ञान का इस्तेमाल करते हुए ये प्रोडक्ट की क्वालिटी, सुरक्षा और शेल्फ लाइफ सुनिश्चित करते हैं, साथ ही नए प्रोडक्ट बनाने और मौजूदा प्रोडक्ट्स को बेहतर बनाने के अवसर तलाशते हैं।

मार्केटिंग और ब्रांडिंग स्पेशलिस्ट

फूड स्टार्टअप बाजार में सफलता के लिए अच्छी मार्केटिंग और ब्रांडिंग बहुत जरूरी है। मार्केटिंग प्रोफेशनल्स सोशल मीडिया, इनफ्लुएंसर कोलैबोरेशन और एक्सपीरियंसल मार्केटिंग कैम्पेन्स जैसे अलग-अलग मीडिया प्लेटफॉर्म के जरिए ब्रांड रिकॉल, लॉयल्टी और डिमांड पैदा करने के लिए अपने क्रिएटिव स्किल्स और रणनीतिक सोच का इस्तेमाल करते हैं।

सप्लाई चेन और ऑपरेशन्स मैनेजर

फूड स्टार्टअप की सफलता के लिए किसी भी काम की तरह सप्लाई चेन का सुचारू रूप से चलना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। सप्लाई चेन और ऑपरेशन्स मैनेजर सामान मंगवाने, प्रोडक्शन प्रोसेस को लागू करने और लॉजिस्टिक सपोर्ट का समन्वय करते हैं, जिससे पूरी सप्लाई चेन एक कुशल और पर्यावरण के अनुकूल तरीके से चलती है।

महंगाई से राहत पर बड़ा फैसला: खाद्य तेल की कीमत बढ़ने से रोकेगी सरकार

कच्चे तेल पर आयात शुल्क 10 फीसदी घटा

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्र सरकार ने कच्चे पाम तेल, कच्चे सोयाबीन तेल और कच्चे सूरजमुखी तेल पर सीमा शुल्क घटाकर 10 प्रतिशत कर दिया है। वित्त मंत्रालय के इस फैसले का मकसद खाद्य तेलों की खुदरा कीमतों में कमी लाना और खाने के तेल का कारोबार करने वाले घरेलू कारोबारियों के हितों की रक्षा करना है। पहले इन तीनों कच्चे खाद्य तेलों पर शुल्क 20 प्रतिशत था। बता दें कि भारत अपनी घरेलू खाद्य तेल आवश्यकता का 50 प्रतिशत से अधिक आयात करता है।

कीमतों में कमी से उपभोक्ताओं को लाभ मिलेगा

इस फैसले के बाद उद्योग संगठन सॉल्वेंट एक्सट्रैक्टर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एसईए) के अध्यक्ष संजीव अस्थाना ने कहा कि कच्चे तेल पर शुल्क में कमी से घरेलू कीमतों को कम करने में मदद मिलेगी, जिससे उपभोक्ताओं को लाभ होगा।

केंद्रीय खाद्य सचिव संजीव चोपड़ा ने फैसले की पुष्टि की– वित्त मंत्रालय ने शुक्रवार को तत्काल प्रभाव से अधिसूचना जारी कर खाद्य तेल पर लगने वाले आयात शुल्क को घटाने के फैसले की जानकारी दी। समाचार एजेंसी पीटीआई के मुताबिक, केंद्रीय खाद्य सचिव संजीव चोपड़ा ने बताया कि सरकार ने कच्चे खाद्य तेलों पर मूल सीमा शुल्क 20 प्रतिशत से घटाकर 10 प्रतिशत कर दिया है।

ताजा फैसले के बाद कितनी राहत मिलेगी– इस फैसले पर उद्योग संगठन सॉल्वेंट एक्सट्रैक्टर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एसईए) के कार्यकारी निदेशक बीवी मेहता ने कहा, कच्चे पाम तेल, कच्चे सोयाबीन तेल और कच्चे सूरजमुखी तेल पर लगने वाला मूल सीमा शुल्क यानी कस्टम ड्यूटी को घटाकर 10 फीसदी कर दिया गया है। इन तीनों उत्पादों पर प्रभावी आयात शुल्क (मूल सीमा शुल्क और अन्य शुल्क सहित) अब 16.5 प्रतिशत होगा। पहले 27.5 प्रतिशत आयात शुल्क लगता था। उन्होंने कहा, हाल ही में रिफाइंड पाम तेल का आयात बढ़ा है, क्योंकि यह कच्चे पाम तेल की तुलना में सस्ता है।

आईवीपीए ने भी सरकार के फैसले का स्वागत किया– उद्योग निकाय एसईए और भारतीय वनस्पति तेल उत्पादक संघ (आईवीपीए) ने भी सरकार के फैसले का स्वागत किया है। घरेलू कारोबारियों और खाद्य तेल का प्रसंस्करण करने वाले लोगों की सुरक्षा के लिए कच्चे और परिष्कृत खाद्य तेलों के बीच शुल्क का अंतर बढ़ाने की मांग लंबे समय से हो रही है।

सरकार ने साहसिक फैसला लिया

शुक्रवार देर रात जारी बयान में एसईए के अध्यक्ष संजीव अस्थाना ने कहा, सरकार ने कच्चे और रिफाइंड तेलों के बीच शुल्क अंतर को 8.25 प्रतिशत से बढ़ाकर 19.25 प्रतिशत करने का साहसिक फैसला सही समय पर लिया है। अब रिफाइंड पामोलिन का आयात कम होगा। कच्चे पाम तेल की मांग बढ़ने से घरेलू रिफाइनिंग क्षेत्र में नई जान आएगी।

इस तेल पर नहीं मिलेगी राहत

30 मई को जारी वित्त मंत्रालय की अधिसूचना के बाद भी रिफाइंड तेल पर मूल सीमा शुल्क 32.5 प्रतिशत ही रहेगा। यानी इसमें कोई बदलाव नहीं किया गया है। वर्तमान में रिफाइंड तेलों पर प्रभावी शुल्क 35.75 प्रतिशत है। ऐसे में इस तेल का इस्तेमाल करने वाले लोगों को कोई राहत नहीं मिलेगी।

देश के विदेशी मुद्रा भंडार में इजाफा; 6.992 अरब डॉलर बढ़कर 692.721 अरब डॉलर पर पहुंचा रिजर्व

नई दिल्ली, एजेंसी। देश का विदेशी मुद्रा भंडार 23 मई को समाप्त हफ्ते के दौरान 6.992 अरब डॉलर बढ़कर 692.721 अरब डॉलर पर पहुंच गया। भारतीय रिजर्व बैंक ने शुक्रवार को इसकी जानकारी दी। इससे पहले 16 मार्च को समाप्त हफ्ते के दौरान विदेशी मुद्रा भंडार 4.888 अरब डॉलर घटकर 685.729 अरब डॉलर रह गया था। इससे पहले, सितंबर 2024 के अंत में विदेशी मुद्रा भंडार 704.885 बिलियन

अमरीकी डॉलर के सर्वकालिक उच्च स्तर को छू गया था। शुक्रवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, 23 मई को समाप्त हफ्ते में विदेशी मुद्रा भंडार का प्रमुख घटक विदेशी मुद्रा आस्तियां 4.516 मिलियन अमेरिकी डॉलर बढ़कर 586.167 बिलियन अमेरिकी डॉलर हो गईं। डॉलर के संदर्भ में अभिव्यक्त की जाने वाली विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियों में विदेशी मुद्रा भंडार में रखे गए यूरो, पाउंड और येन जैसी गैर–अमेरिकी इकाइयों के मूल्यवृद्धि या मूल्यह्रास का प्रभाव शामिल होता है। आरबीआई ने कहा कि सप्ताह के दौरान स्वर्ण भंडार 2.366 अरब डॉलर बढ़कर 83.582 अरब डॉलर हो गया। शीर्ष बैंक ने कहा कि विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) 81 मिलियन अमेरिकी डॉलर बढ़कर 18.571 अरब अमेरिकी डॉलर हो गया। शीर्ष बैंक के आंकड़ों के अनुसार, समीक्षाधीन सप्ताह में आईएमएफ के पास भारत की आरक्षित स्थिति भी 30 मिलियन अमेरिकी डॉलर बढ़कर 4.401 बिलियन अमेरिकी डॉलर हो गई।

1 शेयर पर 3 शेयर बोनस दे रही है कंपनी, रिकॉर्ड डेट का हुआ ऐलान

नई दिल्ली, एजेंसी। वी मार्ट रिटेल इंडिया ने बोनस शेयर के लिए रिकॉर्ड डेट का ऐलान कर दिया है। कंपनी एक शेयर पर 3 शेयर बोनस दे रही है। बता दें, कंपनी पहली बार निवेशकों को बोनस शेयर देने जा रही है।

1 शेयर पर 3 शेयर बोनस दिया जाएगा– शुक्रवार को वी–मार्ट रिटेल इंडिया ने बताया है कि 10 रुपये के फेस वैल्यू वाले एक शेयर पर 3 शेयर बोनस के तौर पर दिया जाएगा। इस बोनस इश्यू के लिए कंपनी ने 23 जून 2025 की तारीख को रिकॉर्ड डेट तय किया है। यानी इस दिन जिन निवेशकों के नाम कंपनी के रिकॉर्ड बुक में रहेंगे उन्हें बोनस शेयर का लाभ मिलेगा। वी मार्ट रिटेल इंडिया ने आखिरी बार निवेशकों को 2022 में बोनस शेयर दिया था। कंपनी एक शेयर पर 75 पैसे का डिविडेंड दिया था। 2019 में कंपनी ने एक शेयर पर 1.70 रुपये का डिविडेंड दिया था।

शेयर बाजार में कैसा है प्रदर्शन

वी मार्ट रिटेल इंडिया के शेयर शुक्रवार को 0.14 प्रतिशत की गिरावट के बाद 3406.60 रुपये के लेवल पर बंद हुआ था। बीते 3 महीने के दौरान इस कंपनी ने निवेशकों को 14 प्रतिशत से अधिक का रिटर्न दिया है। वहीं, एक साल में कंपनी के शेयरों का भाव 61 प्रतिशत से अधिक चढ़ चुका है।

शापूरजी पल्लोनजी ग्रुप को मिला रेकॉर्ड 3.4 अरब डॉलर का लोन

कर्ज देने जर्मनी का यह बैंक आया आगे

नई दिल्ली, एजेंसी। देश के बड़े औद्योगिक घरानों में शामिल शापूरजी पल्लोनजी ग्रुप को जर्मनी के एक बैंक से रेकॉर्ड लोन मिला है। जर्मनी के ड्यूश बैंक ने एसपी ग्रुप के लिए 3.35 अरब डॉलर (करीब 29 हजार करोड़ रुपये) का प्राइवेट क्रेडिट जुटाया है। यह एक तरह का लोन है जिसे नॉन-कन्वर्टिबल डिबेंचर ड्यूश कहते हैं। यह अमेरिका के बाहर सबसे बड़ी प्राइवेट क्रेडिट डील है।

एसपी ग्रुप एक इंफ्रास्ट्रक्चर कंपनी है। उन्होंने टाटा संस में अपनी हिस्सेदारी का कुछ भाग गिरवी रखकर यह पैसा जुटाया है। इस काम में ब्लैक रॉक और मॉर्गन स्टेनली जैसे बड़े निवेशकों ने भी साथ दिया। यह लोन तीन साल के लिए है और इस पर 19.75 प्रतिशत का ब्याज लगेगा। ब्याज हर साल के अंत में मिलेगा। इससे पहले एसपी ग्रुप ने जो लोन लिया था, उस पर ब्याज दर थोड़ी कम थी। साल 2023 में, एसपी ग्रुप की कंपनी गोस्वामी इंफ्राटेक ने 18.75 प्रतिशत ब्याज पर 1.7 अरब डॉलर जुटाए थे।

कहां होगा पैसे का इस्तेमाल– लोन में मिली रकम का इस्तेमाल पुराने लोन चुकाने और रियल एस्टेट और ईपीसी कारोबार को बढ़ाने के लिए किया जाएगा। एक निवेशक ने कहा कि इससे बड़े कॉरपोरेट घरानों को लंबे समय के लिए पैसा जुटाने का एक नया तरीका मिलेगा।

पहली बार हुआ ऐसा

जर्मन बैंक ने खुद इस डील में 893 मिलियन डॉलर लगाए हैं। वे इसमें से 500 मिलियन डॉलर से ज्यादा अपने पास रखेंगे। बैंक ने ब्लैक रॉक, सोना कैपिटल, मॉर्गन स्टेनली और पिमको जैसे निवेशकों को भी इसमें शामिल किया है। सोना कैपिटल और पिमको जैसी कंपनियों ने इस डील के जरिए भारत में पहली बार बड़ा प्राइवेट क्रेडिट निवेश किया है।

किस-किस ने लगाया पैसा

इस पूरे फंडिंग में तीन तरह के निवेशकों ने पैसा लगाया है। पहले, वे लोग जिन्होंने स्टर्लिंग बॉन्ड में पहले से निवेश किया हुआ है। दूसरे, वे लोग जिन्होंने गोस्वामी बॉन्ड में पहले से निवेश किया हुआ है। और तीसरे, अमेरिका, ब्रिटेन, हांगकांग,

सिंगापुर और भारत के नए प्राइवेट क्रेडिट निवेशक।

बैंक ने भी अपना रिस्क कम करने के लिए कई इंटरनेशनल क्रेडिट फंड्स को इसमें शामिल किया है। ब्लैक रॉक ने 70 मिलियन डॉलर, सोना ने 180 मिलियन डॉलर, मॉर्गन स्टेनली इन्वेस्टमेंट मैनेजमेंट ने 60 मिलियन डॉलर और पिमको ने 45 मिलियन डॉलर लगाए हैं। इस तरह इन सभी ने मिलकर लगभग 355 मिलियन डॉलर का निवेश किया है। इसके अलावा, एरेस ने अलग से 500 मिलियन डॉलर का निवेश किया है।

फरालोन कैपिटल, जो एसपी ग्रुप को पहले से लोन देता रहा है, उसने 596 मिलियन डॉलर का निवेश किया है। डेविडसन केम्पनेर और सेर्बेरस कैपिटल ने क्रमशः 401 मिलियन डॉलर और 474 मिलियन डॉलर लगाए हैं।

इस शर्त पर मिला लोन

यह लोन एसपी ग्रुप की टाटा संस में 9.2 प्रतिशत हिस्सेदारी के बदले दिया गया है। यह हिस्सेदारी स्टर्लिंग इन्वेस्टमेंट, शापूरजी पल्लोनजी रियल एस्टेट और एसपी एनर्जी के जरिए है। एसपी एनर्जी तेल और गैस का कारोबार करती है। इस डील को बैंक ने अकेले ही पूरा किया है। यह पहला बड़ा कॉरपोरेट बॉन्ड है जो एफपीआई के नए नियमों के तहत जारी किया गया है। इन नियमों के अनुसार, विदेशी निवेशक अब जनरल लिमिट रूट से निवेश कर सकते हैं, पहले उन्हें वॉलंटरी रिटेंशन रूट का इस्तेमाल करना पड़ता था जिसमें कई तरह की पाबंदियां थीं।

इंजीनियरिंग छोड़ शुरू किया ऐसा काम कि 2 साल में कमा डाले 50 लाख रुपये

नई दिल्ली, एजेंसी। जब भी हम किसी इंजीनियर का नाम लेते हैं, हमारे दिमाग में सूट–बूट पहने एक शख्स की तस्वीर उभरने लगती है। क्या आप कभी सोच सकते हैं कि कोई इंजीनियर एक कारोबारी भी हो सकता है ऐसा ही एक नाम है सुष्मिता कनेरी का। सुष्मिता एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर थीं, जो अब उद्यमी बन गई हैं। महाराष्ट्र के पुणे में सुष्मिता का परिवार साधारण

था। उनके माता–पिता हमेशा मेहनत और आत्मनिर्भरता पर जोर देते थे। उन्होंने सुष्मिता को समझदारी से फैसले लेने और दयालु रहने की सीख दी। सुष्मिता ने साल 2020 में विश्वकर्मा इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी पुणे से सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग की डिग्री हासिल की। इसके बाद वे नौकरी करने के लिए तैयार थीं। लेकिन स्कूल के दिनों में ही उनके मन में सामाजिक उद्यमी बनने का विचार आ गया था।

कैसे आया कारोबार का ख्याल– सुष्मिता बताती हैं, स्कूल में मैं क्लास मॉनिटर थी। मैंने एक बार चंदा इकट्ठा करने का अभियान चलाया। मैंने अपने दोस्तों से पैसे इकट्ठे करके एक अनाथालय को दान करने का सोचा। हमने 500 रुपये जमा किए और अनाथालय के बच्चों के लिए स्टेशनरी खरीदी। इस छोटे से काम से मुझे पता चला कि बहुत से लोग मुश्किलों का सामना कर रहे हैं। तभी से मुझे समाज के लिए कुछ करने और एनजीओ के साथ काम करने का शौक हो गया। इसी अनुभव ने उन्हें टेक्नोलॉजी और सामाजिक कार्यों के जरिए बदलाव लाने के बारे में सोचने पर मजबूर किया। पढ़ाई पूरी करने के बाद उनके सामने एक मुश्किल फैसला था। उनके पास नौकरी का प्रस्ताव था, लेकिन वे टेक्नोलॉजी और सामाजिक कार्यों को मिलाकर कुछ करना चाहती थीं।

3 दिन में 57 गुना सब्सक्राइब हुआ आईपीओ, निवेशकों ने लिया हाथों-हाथ

नई दिल्ली, एजेंसी। स्कोडा ट्यूब्स आईपीओ को निवेशकों की तरफ से हाथों-हाथ लिया गया है। 3 दिन के सब्सक्रिप्शन के दौरान इस आईपीओ को 57 गुना सधिक बोलियां प्राप्त हुई हैं। स्कोडा ट्यूब्स आईपीओ का साइज 220 करोड़ रुपये का है। कंपनी आईपीओ के जरिए 1.57 करोड़ फ्रेश शेयर जारी करने जा रही है।

28 मई को खुला था आईपीओ– स्कोडा ट्यूब्स आईपीओ निवेशकों के लिए 28 मई 2025 को खुल गया था। निवेशकों के पास 30 मई 2025 तक दांव लगाने का मौका था। इस मेनबोर्ड आईपीओ का इश्यू प्राइस 140 रुपये प्रति शेयर निर्धारित किया गया। वहीं, लॉट साइज 100 शेयरों का बनाया गया था। जिसकी वजह से निवेशकों को कम से कम 13,000 रुपये का दांव लगाना पड़ा था।

3 दिन में 57 गुना सब्सक्राइब हुआ आईपीओ– 28 मई से 30 मई के दौरान कंपनी के आईपीओ को 57 गुना सब्सक्राइब किया गया है। रिटेल कैटगरी में यह आईपीओ 20.89 गुना सब्सक्राइब किया गया था। वहीं, क्यूआईबी कैटगरी में में 72.97 गुना और एनआईआई कैटगरी में यह 121.72 गुना सब्सक्रिप्शन प्राप्त हुआ था।

क्या चल रहा है जीएमपी

ग्रे मार्केट में यह आईपीओ 20.50 रुपये रुपये के प्रीमियम पर आज ट्रेड कर रहा है। 29 मई को यह आईपीओ 22 रुपये के प्रीमियम पर ट्रेड कर रहा था। यह ग्रे मार्केट में कंपनी की सबसे मजबूत स्थिति थी। मौजूदा ग्रे मार्केट की स्थिति देखकर लगता है कि यह आईपीओपॉजिटिव डेब्यू शेयर बाजार में कर सकता है। बता दें, आईपीओ की लिस्टिंग बीएसई एसएमई में होगी।

वोडाफोन आइडिया अब 20,000 करोड़ रुपये जुटाने की तैयारी

, बोर्ड की मिली मंजूरी, घाटे से जूझ रही कंपनी

नई दिल्ली, एजेंसी। घाटे से जूझ रही टेलीकॉम कंपनी वोडाफोन आइडिया के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स ने 20,000 करोड़ रुपये के लिए मंजूरी दे दी है। यह फैसला ऐसे समय में हुआ है जब कंपनी का मार्च तिमाही के दौरान नेट लॉस 6609 करोड़ रुपये बढ़कर 7166 करोड़ रुपये हो गया है। कंपनी लगातार सब्सक्राइबर्स को गंवा रही है। कंपनी इस नए फंड के जरिए 4जी और 5जी का विस्तार करेगी। जिससे कंपनी के बिजनेस के मौजूदा परिस्थितियों पर असर पड़े। और सब्सक्राइबर्स को फिर से वापस लाया जा सके। कंपनी ने कहा है कि वो इस बात का मूल्यांकन कर रहे हैं कि पैसा इक्विटी या फिर डेट या किसी अन्य माध्यम से जुटाया जाए।

लगातार घट रहे हैं ग्राहक– ब्रिटेन के वोडाफोन ग्रुप पीएलसी और भारत के आदित्या बिरला ग्रुप का ज्वाइंट वेंचर दिल्ली और मुंबई जैसे शहरों में 5जी सर्विसेज देने के बाद भी

ग्राहकों की घटती संख्या को रोक नहीं पा रहा है। 2019 में हुए मर्जर के बाद दिसंबर में पहली बार सब्सक्राइबर्स की संख्या 200 मिलियन के नीचे आ गई। मार्च में एक बार कंपनी के सब्सक्राइबर्स की संख्या घटकर 198.20 मिलियन डॉलर हो गई।

वीआई के ऑडिटर्स एसआर बाटलीबॉय एंड एसोसिएट्स ने चेतावनी दी है कि कंपनी की फाइनेंशियल कंडीशन्स ने नगदी के प्रवाह को प्रभावित किया है। हालांकि, इसके उलट कंपनी के टॉप मैनेजमेंट में रिजल्ट्स को लेकर उत्साह है। उनका कहना है कि सब्सक्राइबर्स के गंवाने की रफ्तार में कमी आई है। साथ भी रेवन्यू प्रति उपभोक्ता में सुधार हुआ है।

जियो और एयरटेल के बीच पैठ बनाने में होगी मुश्किल

वीआई ने अपनी 5जी सर्विसेज को दिल्ली एनसीआर, मुंबई, चंडीगढ़ और पटना में इस तिमाही सर्विसेज शुरू की हैं। अब कंपनी की योजना है कि जहां 5जी एयरवेज हैं उन सभी 17 सर्कल में यह सर्विसेज शुरू की जा सकें। हालांकि, रिलायंस जियो और एयरटेल की बाजार में इस हिसाब से मौजूदगी है वैसे वीआई की अपनी पैठ बनाने में मुश्किलों का सामना करना पड़ेगा।

टैक्सपेयर्स के लिए आया एक्सेल टूल

नई दिल्ली, एजेंसी। आयकर विभाग ने शुक्रवार को कहा कि उसने आकलन वर्ष 2025-26 के लिए आईटीआर-1 और आईटीआर-4 के लिए एक्सेल टूल उपलब्ध कराई है, जिससे करदाता अपना आयकर रिटर्न दाखिल कर सकेंगे। आयकर विभाग ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा-आकलन वर्ष 2025-26 के लिए आईटीआर-1 और आईटीआर-4 के लिए एक्सेल सुविधा करदाताओं के लिए उपलब्ध है। इन सुविधाओं को उपलब्ध कराने के साथ करदाता 2024-25 में अर्जित आय के लिए अपना आईटीआर दाखिल करना शुरू कर सकते हैं।

15 सितंबर तक डेडलाइन– बता दें कि इस साल आईटीआर-1 और आईटीआर-4 में आयकर रिटर्न दाखिल करने की अंतिम तिथि 31 जुलाई से बढ़ाकर 15 सितंबर कर दी गई है। हाल ही में सीबीडीटी ने एक बयान जारी कर कहा था कि करदाताओं के लिए दस्तावेज दाखिल करने के

अनुभव को सुचारू एवं सुविधाजनक बनाने के लिए, यह निर्णय लिया गया है कि आईटीआर दाखिल करने की अंतिम तिथि जो मूल रूप से 31 जुलाई थी उसे बढ़ाकर 15 सितंबर 2025 कर दिया गया है।

कौन सा फॉर्म किसके लिए– आईटीआर-1 के अलावा आईटीआर-4 फॉर्म ऐसे व्यक्ति, एचूएफ और संस्थाएं भरते हैं, जिनकी सालाना आय 50 लाख रुपये तक है और जिन्हें अपने खातों का ऑडिट नहीं करवाना पड़ता। सूचीबद्ध शेयर से 1.25 लाख रुपये तक के दीर्घकालिक पूंजीगत लाभ पाने वाले इस आय को आईटीआर-1 और आईटीआर-4 में दिखा सकते हैं। इससे पहले उन्हें आईटीआर-2 फार्म भी भरना पड़ता था।

कब अधिसूचित हुए थे फॉर्म

इस साल, आकलन वर्ष 2025–26 के लिए आईटीआर फॉर्म अप्रैल के अंत और मई की शुरुआत में अधिसूचित किए गए थे। आमतौर पर, आईटीआर फॉर्म वित्त वर्ष की समाप्ति से पहले फरवरी/मार्च के आसपास अधिसूचित किए जाते हैं। हालांकि, इस बार आईटीआर फॉर्म और दस्तावेज दाखिल करने की सुविधा में देरी हुई क्योंकि राजस्व विभाग के अधिकारी नए आयकर विधेयक में व्यस्त थे जिसे फरवरी में संसद में पेश किया गया था।

2 लाख तक का गोल्ड लोन वाले कर्जदार ध्यान दें

आरबीआई के प्रस्तावित नियमों से हो सकते हैं बाहर

नई दिल्ली, एजेंसी। दो लाख रुपये तक का गोल्ड लोन लेने वाले कर्जदार आरबीआई के प्रस्तावित नियमों से बाहर हो सकते हैं। वित्त मंत्रालय ने कहा, हमने गोल्ड लोन पर केंद्रीय बैंक के मसौदा दिशा-निर्देशों की जांच की है और इन छोटे कर्जदारों को इससे बाहर रखने का सुझाव दिया है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने 9 अप्रैल को गोल्ड लोन पर मसौदा दिशानिर्देश जारी किया था। इसमें गारंटी में सुधार करने और लोन को सही तरीके से उपयोग करने का सुझाव दिया गया है। यह भी प्रस्ताव किया गया कि सोने के बदले वर्गीकृत सभी कर्जों का ऋण मूल्य अनुपात सोने के मूल्य के 75 फीसदी से अधिक नहीं होगा।

जनवरी, 2026 से लागू हो सकता है नियम – वित्त मंत्रालय ने कहा, आरबीआई के मसौदा निर्देशों की वित्तीय सेवा विभाग (डीएफएस) ने जांच

की है। डीएफएस ने केंद्रीय बैंक को सुझाव दिए हैं, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि छोटे गोल्ड लोन उधारकर्ताओं की जरूरतों पर विपरीत प्रभाव न पड़े। ऐसे दिशानिर्देशों को क्षेत्र स्तर पर लागू करने के लिए समय की जरूरत होगी। इसलिए, एक जनवरी, 2026 से यह लागू हो सकता है।

01-06-2025 Final_01-06-2025 Final.qxd 5/31/2025 11:33 PM Page 10

आईपीएल 2025: टूटे सभी रिकॉर्ड्स, प्लेऑफ मैच में जमकर बरसे रन

नई दिल्ली, एजेंसी। आईपीएल-2025 का एलिमिनेटर मैच चंडीगढ़ में शुक्रवार को खेला गया, जिसमें मुंबई इंडियंस ने गुजरात टाइटंस को 20 रन से मात दी। इसी के साथ मुंबई क्वालीफायर-2 में पहुंच चुकी है। इस नॉकआउट मुकाबले में जमकर रन बरसे। आलम ये रहा कि पिछले सभी रिकॉर्ड्स भी टूट गए। इस मैच में मुंबई ने 228 रन बनाए, जबकि लक्ष्य का पीछा करते हुए गुजरात टाइटंस 208 रन बना सकी। यानी मुकाबले में कुल मिलाकर 436 रन बने। ये आईपीएल इतिहास के प्लेऑफ मैच में सर्वाधिक रन का रिकॉर्ड है। इससे पहले साल 2014 में पंजाब किंग्स और चेन्नई सुपर किंग्स ने मिलकर 428 जोड़े थे। इस लिस्ट में सनराइजर्स हैदराबाद और आरसीबी के बीच साल 2016 में खेला गया फाइनल मुकाबला तीसरे स्थान पर है, जिसमें कुल 408 रन बने थे। इनके अलावा गुजरात टाइटंस और मुंबई इंडियंस की टीम साल 2023 में मिलकर 404 रन बना चुकी है। 30 मई को खेले गए निर्णायक मुकाबले में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी मुंबई इंडियंस ने 5 विकेट खोकर 228 रन बनाए। टीम के लिए रोहित शर्मा ने सर्वाधिक 81 रन बनाए, जबकि जॉनी बेयरस्टो ने 47 रन की पारी खेली। दोनों सलामी बल्लेबाजों के बीच 7.2 ओवरों में 84 रन की साझेदारी हुई।

विपक्षी टीम के लिए प्रसिद्ध कृष्णा और साई किशोर ने 2-2 विकेट झटके, जबकि मोहम्मद सिराज ने 1 शिकार किया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी गुजरात टाइटंस की टीम 20 ओवरों में 6 विकेट खोकर 208 रन ही बना सकी। टीम के लिए सलामी बल्लेबाज साई सुदर्शन ने सर्वाधिक 80 रन की पारी खेली, जबकि वॉशिंगटन सुंदर ने 48 रन का योगदान दिया, लेकिन गुजरात को जीत नहीं दिला सके। मुंबई के लिए ट्रेंट बोल्ट ने 2 शिकार किए। उनके अलावा जसप्रीत बुमराह, रिचर्ड ग्लीसन, मिचेल सेंटनर और अश्विनी कुमार ने 1-1 विकेट चटकाए। क्वालीफायर-2 अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में 1 जून को खेला जाना है, जहां मुंबई का सामना पंजाब किंग्स से होगा। ये नॉकआउट मैच जीतने वाली टीम 3 जून को इसी स्टेडियम में आरसीबी से खिताब के लिए भिड़ेगी।

जसप्रीत बुमराह लेंगे संन्यास!

इंग्लैंड दौरे से पहले भारतीय तेज गेंदबाज ने दिया ये बड़ा हिंट

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम पांच मैचों की टेस्ट सीरीज खेलने इंग्लैंड दौरे पर जाने वाली है. इस दौरे से पहले विराट कोहली और रोहित शर्मा ने संन्यास का ऐलान कर दिया. वहीं अब टीम के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह का एक चौंकाने वाला बयान सामने आया है. इंग्लैंड दौरे के लिए टीम इंडिया का ऐलान हो चुका है. शुभमन गिल की कप्तानी में भारतीय टीम इंग्लैंड दौरे पर जाएगी. दुनिया के सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज में से एक जसप्रीत बुमराह ने अपने रिटायमेंट प्लान का खुलासा किया है. बुमराह ने पूर्व आस्ट्रेलियाई खिलाड़ी माइकल क्लार्क के यूट्यूब पॉडकास्ट शो बेयॉन्ड 23 में बताया कि जब उनका शरीर सही तरह से क्रिकेट नहीं खेल पाएगा, उस वक्त वे संन्यास का ऐलान कर देंगे. बुमराह ने कहा कि किसी भी खिलाड़ी के लिए लंबे समय तक सब कुछ खेलते रहना कठिन है. बुमराह ने आगे कहा कि मैं काफी समय से ऐसा कर रहा हूं, लेकिन एक समय पर आपको ये समझना पड़ता है कि आपका शरीर कहां जा रहा है. जसप्रीत बुमराह ने आगे कहा कि आपको अपने शरीर को लेकर यह तय करना चाहिए कि कौन सा टूर्नामेंट खेलना ज्यादा जरूरी है. खिलाड़ी को अपने शरीर का इस्तेमाल करने में थोड़ा समझदार होना चाहिए. बुमराह ने आगे कहा कि मैं क्रिकेटर के तौर पर अपने करियर में कुछ नहीं छोड़ना चाहता और हमेशा ही आगे बढ़ना चाहता हूं.

पाकिस्तान ने दूसरा टी-20 57 रन से जीता

नई दिल्ली, एजेंसी। पाकिस्तान ने दूसरे टी-20 में बांग्लादेश को 57 रन से हरा दिया। इस जीत के साथ पाकिस्तान ने तीन मैचों की सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त हासिल कर ली है। टीम ने पहले मुकाबले में 37 रन से जीत दर्ज की थी। शुक्रवार को लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में पाकिस्तान ने टॉस जीतकर पहले बैटिंग का फैसला किया। 20 ओवर में 6 विकेट के नुकसान पर 201 रन बनाए। 202 रन के टारगेट का पीछा करने उतरी बांग्लादेश टीम 19 ओवर में 144 रन पर सिमट गई। तीसरा और अंतिम मैच 1 जून 2025 को लाहौर में खेला जाएगा। ओपनर साहिबजादा फरहान ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 74 रन बनाए और उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। पाकिस्तान की तरफ से फरहान के अलावा नवाज की भी फिफ्टी साहिबजादा फरहान ने 41 बॉल में 74 रन की पारी खेली। हसन नवाज ने नाबाद फिफ्टी (51 रन) लगाई। वहीं, मोहम्मद हारिस ने भी 25 गेंद में तेजी से 41 रन बनाए। बांग्लादेश की तरफ से हसन महमूद और तंजिम हसन साकिब ने 2-2 विकेट लिए। 1 विकेट रिशाद हुसैन ने भी लिया। तंजिम की फिफ्टी, बांग्लादेश का मिडल ऑर्डर फ्लॉप रहा 202 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए बांग्लादेश की टीम 19 ओवरों में 144 रन पर ऑलआउट हो गई। टीम की बल्लेबाजी पूरी तरह से फ्लॉप हो गई। बांग्लादेश के लिए तंजिम हसन साकिब ने सबसे ज्यादा 50 रन बनाए। लेकिन बांग्लादेश का मिडल ऑर्डर पूरी तरह से फ्लॉप रहा। ऑलराउंडर मेहिदी हसन मिराज (23) के अलावा कोई भी मिडल ऑर्डर का खिलाड़ी दहाई के आकड़ें तक नहीं पहुंच पाया।

स्वियातेक और सबालेंका फ्रेंच ओपन के चौथे दौर में, अल्कारेज और टियाफो भी अगले राउंड में पहुंचे

पेरिस, एजेंसी। तीन बार की ग्रैंडस्लैम विजेता सबालेंका ने ओल्गा डैनिलोविच को 6-2, 6-3 से हराया, जबकि अपने पांच मेजर खिताब में से चार रोलां गैरां में जीतने वाली स्वियातेक ने जैकलीन क्रिस्टियन को 6-2, 7-5 से हराकर फ्रेंच ओपन में लगातार 23 मैच में जीत दर्ज की।

गत महिला चैंपियन इगा स्वियातेक और शीर्ष रैंकिंग पर काबिज आर्यना सबालेंका ने शुक्रवार को एक भी सेट गंवाए बिना फ्रेंच ओपन टेनिस ग्रैंडस्लैम के चौथे दौर में प्रवेश किया। वहीं, पुरुष एकल में स्पेन के कार्लोस अल्कारेज और फ्रांसेस टियाफो ने भी अगले दौर में जगह बनाई।

सबालेंका और स्वियातेक की एकतरफा जीत

तीन बार की ग्रैंडस्लैम विजेता सबालेंका ने ओल्गा डैनिलोविच को 6-2, 6-3 से हराया, जबकि अपने पांच मेजर खिताब में से चार रोलां गैरां में जीतने वाली स्वियातेक ने जैकलीन क्रिस्टियन को 6-2, 7-5 से हराकर फ्रेंच ओपन में लगातार 23 मैच में जीत दर्ज की। स्वियातेक का दूसरा सेट एक घंटे 16 मिनट तक चला। 27 वर्षीय सबालेंका इस साल छह एकल फाइनल में पहुंच चुकी हैं, लेकिन स्वियातेक पिछले साल लगातार अपना तीसरा फ्रेंच ओपन खिताब जीतने के बाद पहले फाइनल में पहुंचने की कोशिश में जुटी हैं। महिलाओं के अन्य मुकाबलों में ओलंपिक चैंपियन झेंग किनवेन ने 18 वर्षीय क्वालिफायर विक्टोरिया एमबोको को 6-3, 6-4, से मात दी, जबकि 16वें नंबर की खिलाड़ी अमांडा एनिसिमोवा और लियूडमिला सैमसोनोवा ने भी अपने मुकाबले जीत लिए।

अल्कारेज और टियाफो भी जीते

पुरुष वर्ग के तीसरे दौर में दूसरी वरीयता प्राप्त अल्कारेज ने जुम्बुर को 6-1, 6-3, 4-6, 6-4 से हराकर चौथे दौर में जगह बनाई। 15वीं वरीयता प्राप्त फ्रांसेस टियाफो ने हमवतन कोर्डा को 7-6, 6-3, 6-4 से हराकर चौथे दौर में जगह बनाई। पुरुषों के अन्य मुकाबलों में आठवें नंबर के लोरेंजो मुसेटी ने मारियानो नावोने को, होग्लर रूने ने फ्रांस के क्वेंटिन हालिस को और अमेरिका के 12वें वरीय टॉमी पॉल ने कारेन खाचानोव को हराकर अगले दौर में जगह बनाई।

सिनर और गॉफ भी अगले दौर में पहुंचे

इससे पहले विश्व रैंकिंग में शीर्ष पर काबिज पुरुष खिलाड़ी यानिक सिनर और महिला वर्ग में दूसरी वरीयता प्राप्त अमेरिका की कोको गॉफ बृहस्पतिवार को जीत के साथ अगले दौर में आगे बढ़ने में सफल रहे। सिनर ने दूसरे दौर के मुकाबले में फ्रांस के 38 साल के रिचर्ड गासकेट को 6-3, 6-0, 6-4 से हराकर उनका करियर समाप्त किया। गासकेट ने पहले ही फ्रेंच ओपन के बाद संन्यास की घोषणा की थी।

ज्वेरेव और फिल्स भी अगले दौर में

तीसरे नंबर पर काबिज अलेक्जेंडर ज्वेरेव और 14 नंबर के खिलाड़ी आर्थर फिल्स ने भी अपने-अपने मुकाबलों में जीत हासिल की। 24 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन नोवाक जोकोविच ने पैर की परेशानी से निपटने के लिए मेडिकल टाइमआउट लिया। उन्होंने हालांकि तीन सेटों में कोरेंटिन मोउटेट को शिकस्त दी। जैक ड्रेपर ने दिन के आखिरी मैच में गेल मोनफिल्स को हराया।

ड्रेपर ने कमाल का खेल दिखाया

ब्रिटेन के पांचवें वरीयता प्राप्त जैक ड्रेपर ने दूधिया रोशनी में तीन घंटे से अधिक समय तक चले मैच में फ्रांस के दिग्गज मोनफिल्स को 6-3, 4-6, 6-3, 7-5 से मात दी। गॉफ ने महिला वर्ग के मैच में 23 असहज गलतियां करने के बावजूद चेक गणराज्य की टेरेजा वैलेंटोवा पर आसान जीत दर्ज की। दूसरी वरीयता प्राप्त गॉफ ने 18 साल की खिलाड़ी के खिलाफ 75 मिनट तक चले मुकाबले को 6-2, 6-4 से जीता। गॉफ के सामने अगले दौर में चेक गणराज्य की एक अन्य खिलाड़ी मारिया बौजकोवा की चुनौती होगी।

पेगुला और मेडिसन कीज भी अगले दौर में

महिला वर्ग में अन्य विजेताओं में तीसरी वरीयता प्राप्त जेसिका पेगुला, ऑस्ट्रेलियाई ओपन चैंपियन मैडिसन कीज, 18 वर्षीय मीरा एंड्रीवा और 2023 विंबलडन चैंपियन मार्केटा वोंड्रोसोवा शामिल थी। साल 2019 की उपविजेता वोंड्रोसोवा इस साल गैर-वरीयता प्राप्त हैं। उन्होंने 25वीं रैंकिंग की खिलाड़ी मैग्डालेना फ्रेच को 6-0, 4-6, 6-3 से हराया।

रोहित आईपीएल में 300 सिक्स लगाने वाले पहले भारतीय

नई दिल्ली, एजेंसी। मुंबई इंडियंस ने शुक्रवार को खेले गए आईपीएल एलिमिनेटर मुकाबले में गुजरात जायंट्स को हरा दिया। अब मुंबई की टीम 1 जून को पंजाब के साथ क्वालिफायर-2 खेलेगी। इस मैच में जीतने वाली टीम फाइनल में आरसीबी से भिड़ेगी। मुंबई के लिए पूर्व कप्तान रोहित शर्मा ने 81 रनों की पारी खेली। रोहित आईपीएल में 300 सिक्स लगाने वाले पहले भारतीय बने। वे कोहली के बाद 7 हजार रन बनाने वाले लीग के दूसरे बैटर भी बने। गुजरात टाइटंस आईपीएल के इस सीजन सबसे ज्यादा कैच छोड़ने वाली टीम बनी। टीम ने इस सीजन 27 कैच ड्रॉप किए। जीटी ने अपने पहले पांच मैचों में कुल 5 कैच गिराए थे, लेकिन इसके बाद के अगले 10 मैचों में 22 कैच छोड़े। मेंस टी-20 लीग में सबसे ज्यादा बार 25 या उससे अधिक रन बनाने का रिकॉर्ड अब सूर्यकुमार यादव के नाम हो गया है।

लिवरपूल ने जेरेमी फ्रिम्पोंग को किया साइन, इससे पहले बायर लीवरकुसेन से जुड़े थे

लिवरपूल, एजेंसी। लिवरपूल ने बायर लीवरकुसेन से डच खिलाड़ी जेरेमी फ्रिम्पोंग के साथ अनुबंध किया है। नए कोच आर्ने स्लॉट के आने के बाद क्लब का पहला बड़ा अनुबंध है। 24 वर्षीय राइट-विंग-बैक ने शुक्रवार को एएक्सए

ट्रेनिंग सेंटर में सफलतापूर्वक मेडिकल पूरा करने के बाद दीर्घकालिक अनुबंध पर हस्ताक्षर किए। क्लब के आधिकारिक चैनल से बात करते हुए फ्रिम्पोंग ने कहा, यह काफी आसान रहा। लिवरपूल ने दिलचस्पी जाहिर की थी और यह मेरे लिए बड़े अवसर की तरह था। विंग-बैक ने कहा, मेरे लिए यह ऐसा था कि आप लोग किसी भी तरह, बस इसे पूरा करें। लिवरपूल के प्रशंसकों को मैं अपना सब देने जा रहा हूं, और उम्मीद है कि हम एक साथ जीतेंगे, एक साथ जश्न मनाएंगे, सब कुछ एक साथ करेंगे। फ्रिम्पोंग ने बेयर लीवरकुसेन के 2023-24 के अभियान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। अपने साढ़े चार साल के साथ के दौरान 190 मैचों में 30 गोल किए थे और 44 गोलों में सहायता दी थी। जाबी अलोंसो के नेतृत्व में, फ्रिम्पोंग ने क्लब को एक अपराजित बुंडेसलीगा खिताब और डीएफबी-पोकल हासिल करने में मदद की, और उनके उल्लेखनीय 51-गेम अपराजित लकीर ने आखिरकार यूईएफए यूरोपा लीग के फाइनल के साथ अपना समापन किया।उनके प्रदर्शन ने उन्हें लगातार दो वर्षों तक बुंडेसलीगा टीम ऑफ द सीजन में जगह दिलाई, जो उनके निरंतर प्रदर्शन और दाएं फ्लैंक पर आक्रमण करने की क्षमता का प्रमाण है।

आरसीबी फाइनल नहीं जीती तो तलाक दे दूंगी... महिला फैन ने दी धमकी

नई दिल्ली, एजेंसी। आईपीएल 2025 का रोमांच अपने चरम पर पहुंच चुका है, अब आखिरी 2 मैचों का खेल बाकी है. दूसरी ओर रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के फैंस का जोश देखते ही बनता है. क्वालिफायर-1 में पंजाब किंग्स पर शानदार जीत के बाद आरसीबी फाइनल में पहुंच चुकी है. आरसीबी की टीम 9 साल के बाद आईपीएल का फाइनल खेलने वाली है. इसी बीच रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की एक फैन सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रही है. इस फैन ने आरसीबी के ना जीतने पर अपने पति को तलाक देने की धमकी दी है. 29 मई 2025 को मुल्लांपुर के महाराजा यादवेंद्र सिंह स्टेडियम में खेले गए क्वालिफायर-1 मुकाबले में आरसीबी ने पंजाब किंग्स को 8 विकेट से हराकर फाइनल में जगह बनाई. इससे पहले आरसीबी ने अपना आखिरी लीग मैच लखनऊ में खेला था. इस मैच के दौरान स्टेडियम में मौजूद एक महिला फैन ने अनोखा पोस्टर लहराया, जिसने सभी का ध्यान खींच लिया. पोस्टर पर लिखा संदेश इतना अनोखा था कि यह तुरंत कैमरों की नजर में आ गया और देखते ही देखते सोशल मीडिया पर वायरल हो गया. इस पोस्टर का वीडियो अब लाखों लोगों तक पहुंच चुका है, और फैंस इस पर तरह-तरह की प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं. इस पोस्टर पर लिखा है, 'अगर आरसीबी फाइनल नहीं जीती, तो मैं अपने पति को तलाक दे दूंगी.' इस अनोखे और बोल्ड बयान ने क्रिकेट फैंस के बीच हंसी, आश्चर्य और बहस का माहौल बना दिया है. आरसीबी के फैंस हमेशा से अपने जोश और जुनून के लिए मशहूर रहे हैं. इस महिला फैन का पोस्टर भी उनके इस जुनून का एक उदाहरण है. वहीं, कुछ लोगों ने इसे गंभीरता से लिया और सवाल उठाया कि क्रिकेट के फैसले को निजी रिश्तों से जोड़ना कहां तक उचित है.

आरसीबी की टीम अपने शानदार प्रदर्शन के लिए सुर्खियों में बनी हुई है. रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के लिए ये सीजन अभी तक काफी शानदार रहा है. उसने लीग स्टेज में 14 में से 9 मैचों में जीत हासिल की और 19 अंकों के साथ वह दूसरे स्थान पर रही.आरसीबी अब 3 जून 2025 को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में होने वाले फाइनल में मुकाबला उतरेगी.

नायर ने जड़ा नाबाद शतक, सरफराज खान भी चमके

नई दिल्ली, एजेंसी। इंग्लैंड लॉयन्स और इंडिया-ए के बीच चार दिवसीय अनधिकृत टेस्ट मैच 30 मई (शुक्रवार) से कैंटरबरी के सेंट लॉरेंस ग्राउंड पर शुरू हुआ. इस मुकाबले के पहले दिन करुण नायर और सरफराज खान ने शानदार बल्लेबाजी की. करुण नायर ने जहां नाबाद शतकीय पारी खेली है. वहीं सरफराज खान ने 92 रनों का योगदान दिया. ध्रुव जुरेल के बल्ले से भी नाबाद अर्धशतकीय पारी निकली है. इन तीनों खिलाड़ियों की शानदार पारियों के दम पर इंडिया-ए ने पहले दिन की समाप्ति तक अपनी पहली पारी में तीन विकेट के नुकसान पर 409 रन बना लिए. करुण नायर 186 (246 गेंद, 24 चौके और 1 सिक्स) और ध्रुव जुरेल 82 रनों (104 गेंद, 9 चौके और एक सिक्स) पर नाबाद लौटे. करुण और जुरेल के बीच चौथे विकेट के लिए अब तक 177 रनों की पार्टनरशिप हो चुकी है. बता दें कि करुण नायर को इंग्लैंड के खिलाफ आगामी टेस्ट सीरीज के भारतीय टीम में जगह मिली है. वहीं सरफराज खान को ड्रॉप कर दिया गया था. अब सरफराज ने शानदार पारी खेलकर चयनकर्ताओं को जवाब दिया है. दूसरी ओर करुण नायर ने इंग्लैंड के खिलाफ हेडिंग्ले में होने वाले पहले टेस्ट के लिए अपनी मजबूत दावेदारी पेश की.

यशस्वी-ईश्वरन ने किया निराश

इस मुकाबले में इंडिया-ए को पहला झटका छठे ही ओवर में लग गया, जब कप्तान अभिमन्यु ईश्वरन महज 8 रनों के निजी स्कोर पर एडवर्क जैक का शिकार बने. फिर दूसरे सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल (24 रन) भी सेट होने के बाद जोश हल की गेंद पर विकेटकीपर जेम्स रेव को कैच थमा बैठे. 51 रनों पर दूसरा विकेट गिरने के बाद सरफराज खान और करुण नायर ने जबरदस्त पार्टनरशिप करके टीम को संभाला. सरफराज और करुण नायर के बीच तीसरे विकेट के लिए 181 रनों की पार्टनरशिप हुई. सरफराज ने 119 गेंदों पर 92 रन बनाए, जिसमें 13 चौके शामिल रहे. सरफराज को जोश हल ने विकेटकीपर जेम्स रेव के हाथों कैच आउट कराया. सरफराज के आउट होने के कुछ देर बाद करुण नायर ने अपना शतक पूरा कर लिया. करुण के फर्स्ट क्लास करियर का ये 24वां शतक रहा.

इंडिया-ए की प्लेइंग-11:

अभिमन्यु ईश्वरन (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, करुण नायर, सरफराज खान, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), नीतीश कुमार रेड्डी, शार्दुल ठाकुर, हर्ष दुबे, अंशुल कम्बोज, हर्षित राणा, मुकेश कुमार.

इंग्लैंड लॉयन्स की प्लेइंग-11:

टॉम हेंस, बेन मैकिनी, एमिलियो गे, मैक्स होल्डन, जेम्स रेव (कप्तान/विकेटकीपर), डैन मूसली, रेहान अहमद , जमान अख्तर, एडवर्ड जैक, जोश हल, अजीत डेल.

01-06-2025 Final_01-06-2025 Final.qxd 5/31/2025 11:33 PM Page 11

फिल्म 'लग जा गले' में जान्हवी कपूर के अपोजिट नजर आएंगे टाइगर श्रॉफ

जान्हवी कपूर ने अपने करियर की शुरुआत एक रोमांटिक ड्रामा फिल्म 'धड़क' से की थी। इस फिल्म के प्रोड्यूसर करण जौहर थे। हाल ही में वह करण जौहर की फिल्म 'होमबाउंड' को लेकर भी चर्चा में रही हैं, इस फिल्म के प्रोड्यूसर भी करण जौहर हैं। जान्हवी अगले साल रिलीज होने वाली फिल्म 'लग जा गले' में नजर आएंगी, इसे भी करण जौहर ही प्रोड्यूस कर रहे हैं। इस फिल्म में जान्हवी का हीरो कौन होगा? इसकी जानकारी भी मिली है। एक्टर टाइगर श्रॉफ फिल्म 'लग जा गले' में जान्हवी कपूर के अपोजिट नजर आएंगे। यह दोनों पहली बार किसी फिल्म में साथ एक्टिंग कर रहे हैं। फिल्म को राज मेहता निर्देशित करेंगे। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार यह एक बदला लेने वाली लव स्टोरी होगी। इस फिल्म में एक्शन भी खूब होगा।

कब शुरू होगी फिल्म की शूटिंग

इन दिनों टाइगर श्रॉफ फिल्म 'बागी 4' में व्यस्त हैं और जान्हवी कपूर 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' में व्यस्त हैं। दोनों जब इन फिल्मों से फ्री हो जाएंगे तो ही फिल्म 'लग जा लगे' की शूटिंग शुरू करेंगे। सूत्रों के अनुसार इस फिल्म की शूटिंग इस साल के आखिर में शुरू होने की उम्मीद है।

टाइटल को कैसे चुना गया

जान्हवी कपूर की फिल्म 'लग जा गले' का टाइटल लंबे डिस्कशन के बाद तय किया गया। आखिर में 'लग जा गले' टाइटल फाइनल हुआ क्योंकि यह फिल्म की कहानी पर फिट बैठता है। यह फिल्म अगले साल यानी 2026 में रिलीज हो सकती है।

इन फिल्मों में भी जान्हवी आएंगी नजर

जान्हवी कपूर की अगली फिल्म 'परम सुंदरी' है। इस फिल्म में वह सिद्धार्थ मल्होत्रा के साथ नजर आएंगी। 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' नाम की फिल्म भी जान्हवी कर रही हैं। इसके अलावा अगले साल रिलीज होने वाली एक साउथ फिल्म 'पेड्डी' में भी जाहन्वी अभिनय करती नजर आएंगी। इस फिल्म में वह राम चरण के साथ नजर आएंगी।

ऋतिक रोशन ने अपकमिंग प्रोजेक्ट के लिए होम्बले फिल्म्स से मिलाया हाथ

अभिनेता ऋतिक रोशन एक बार फिर से धमाल मचाने को तैयार हैं। उन्होंने अपकमिंग प्रोजेक्ट के लिए प्रोडक्शन हाउस होम्बले फिल्म्स के साथ हाथ मिलाया है। होम्बले फिल्म्स के साथ ऋतिक पहली बार काम करने जा रहे हैं। प्रोजेक्ट की डिटेल को अभी निर्माताओं ने शेयर नहीं किया है। यह स्पष्ट नहीं है कि ऋतिक इस प्रोजेक्ट में किस तौर पर शामिल होने जा रहे हैं। हालांकि अभिनेता ऋतिक रोशन होम्बले फिल्म्स के साथ काम करने को लेकर उत्साहित जरूर हैं। होम्बले फिल्म्स के साथ काम करने को लेकर ऋतिक ने बताया, होम्बले ने पिछले कुछ सालों में इंडस्ट्री को एक से बढ़कर एक बेहतरीन कहानी दी है। मैं उनके साथ साझेदारी करने और अपने दर्शकों को शानदार सिनेमाई अनुभव देने के लिए उत्सुक हूं। हम बड़े सपने देख रहे हैं और इस सपने को साकार करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। इस बारे में होम्बले फिल्म्स के संस्थापक विजय किरागंदूर ने बताया, इस सहयोग से मैं बहुत खुश हूं। होम्बले फिल्म्स का उद्देश्य दर्शकों को ऐसी कहानियां सुनाना है, जो प्रेरित करती हैं और सोच की सीमाओं से परे हैं। ऋतिक रोशन के साथ काम करना इस सपने को आकार देता है, जो हमने मिलकर देखा है। हम दर्शकों को खास और बेहतरीन अनुभव देने के लिए प्रतिबद्ध हैं, जो दमदार और टाइमलेस दोनों हो। होम्बले फिल्म्स एक ऐसा प्रोडक्शन हाउस है जो भारत में सबसे बड़े कंटेंट क्रिएटर्स में से एक के रूप में उभरा है, जिसने पिछले कुछ वर्षों में केजीएफ चैप्टर 1' और 'चैप्टर 2', सलार- पार्ट 1 – सीजफायर और 'कांतारा' जैसी ब्लॉकबस्टर पैन–इंडिया फिल्में दी हैं। ऋतिक रोशन के वर्कफ्रंट की बात करें तो उनके पास 'वॉर 2' और 'कृष 4' भी है, जिसका प्रशंसकों को बेसब्री से इंतजार है। वॉर 2 में ऋतिक के साथ कियारा आडवाणी, जूनियर एनटीआर भी नजर आएंगे। फिल्म 14 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

हॉरर फिल्मों में काजोल का डेब्यू मां का ट्रेलर रिलीज

अभिनेत्री काजोल की अगली फिल्म मां का ट्रेलर रिलीज हो गया है। मुंबई में हुए एक इवेंट में इसे रिलीज किया गया। ट्रेलर में काजोल अपनी बेटी की राक्षसों से रक्षा करती हुई नजर आ रही हैं। काजोल फिल्म मां से हॉरर फिल्म में डेब्यू कर रही हैं। ट्रेलर की शुरूआत काजोल से होती है। वह गाड़ी चला रही हैं और पीछे उनकी बेटी बैठी है। वह कह रही है कि मां पेट में काफी दर्द हो रहा है। इस पर काजोल कहती हैं कि आगे होटल दिखेगा तो रुक जाएंगे। इसके बाद अचानक काजोल की गाड़ी पर कोई कूदता है। दोनों डर जाते हैं। इसके बाद काजोल एक घर में पहुंचती हैं। काजोल अपनी बेटी से कहती हैं कि यह नई जगह है। इसलिए यहां से कहीं नहीं जाना। फिर काजोल की बेटी और एक लड़की एक पुरानी हवेली में जाती हैं। यहां अचानक काजोल की बेटी को एक राक्षस खींच ले जाता है। अब काजोल की बेटी मुसीबत में पड़ जाती है। इसके बाद काजोल अपनी बेटी को

फिल्म में कौन–कौन हैं?

मां फिल्म में काजोल लीड रोल में हैं। काजोल इस फिल्म से तीन साल बाद बड़े पर्दे पर लौट रही हैं। काजोल के अलावा फिल्म में रोनित रॉय, इंद्रनील सेनगुप्ता, जितिन गुलाटी, गोपाल सिंह और सूर्य शिखा दास होंगी। हाल ही में काजोल ने बताया कि फिल्म में उनका किरदार सबसे जबरदस्त होगा। फिल्म का ट्रेलर रिलीज होने से पहले काजोल ने 28 जून को लिखा था जब एक मां टूट जाती है तो एक देवी का जन्म होता है। मां का ट्रेलर कल रिलीज होगा।

फिल्म के बारे में

काजोल की यह फिल्म हॉरर, सुपरनेचुरल ड्रामा है। फिल्म विशाल फुरिया के निर्देशन में बनी है। फिल्म को अजय देवगन फिल्म्स ने प्रोड्यूज किया है। मां फिल्म 27 जून 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। हिंदी के अलावा यह फिल्म तमिल, तेलुगू और बांग्ला भाषा में भी रिलीज होगी।

शैतान से जोड़ा जा रहा फिल्म का कनेक्शन

मां फिल्म का कनेक्शन शैतान से जोड़ा जा रहा है। शैतान फिल्म में आर माधवन ने निगेटिव रोल निभाया था। इस फिल्म में भी आर माधवन निगेटिव रोल में हैं। हालांकि, इसकी अभी तक कोई अधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। फिल्म के प्रोड्यूसर अजय देवगन ने भी कहा है कि इस फिल्म को शैतान से न जोड़ा जाए।

टाइगर जिंदा है और पद्मावत से नाम कमाने वाली अनुप्रिया गोयनका ने इन सीरीज में निभाया दमदार रोल

हिंदी और तमिल सिनेमा में अपनी अदाकारी का जलवा दिखाने वाली अभिनेत्री अनुप्रिया गोयनका अपना जन्मदिन मना रही हैं। अनुप्रिया गोयनका ने बॉबी जासूस से 2014 में बॉलीवुड में कदम रखा। इसके बाद उन्होंने 'पद्मावत', 'टाइगर जिंदा है' जैसी फिल्में कीं। फिल्मों के अलावा अनुप्रिया गोयनका ने सीरीज में अच्छा काम किया है। वह अनुराग बसु द्वारा निर्देशित टीवी सीरीज स्टोरीज बाई रबींद्रनाथ टैगोर (2015) में नजर आईं। विक्रमादित्य मोटवानी के निर्देशन में बनी सेक्रेड गेम्स (2018) में अनुप्रिया गोयनका ने मेघा सिंह का किरदार अदा किया। इसमें उनकी एक्टिंग की काफी तारीफ हुई। द फाइनल कॉल (2019) टीवी सीरीज एक उपन्यास पर आधारित थी। विजय लालवानी के निर्देशन में बनी इस सीरीज में गोयनका ने परिनीता परी का किरदार निभाया। क्रिमिनिल जस्टिस (2019) टीवी सीरीज को भी खूब पसंद किया गया। इसमें अनुप्रिया गोयनका के किरदार निखत हुसैन को खूब सराहा गया। साइकोलोजिकल क्राइम थ्रिलर असुर (2020) में अनुप्रिया गोयनका के काम की काफी तारीफ हुई। इसका निर्देशन ओनी सेन ने किया था। आश्रम (2020) सीरीज को लोगों ने खूब सराहा। इसमें बॉबी देओल लीड रोल में थे। 2023 में आई टीवी सीरीज सुल्तान ऑफ देल्ही में अनुप्रिया ने शंकर देवी का किरदार निभाया। इसके अलावा अनुप्रिया गोयनका ने खोज, असुर 2, क्राइम नेक्ट डोर और अभय जैसी टीवी सीरीज में अच्छा काम किया है।

सूरज पंचोली ने जेल में बिताए बुरे दिनों को किया याद

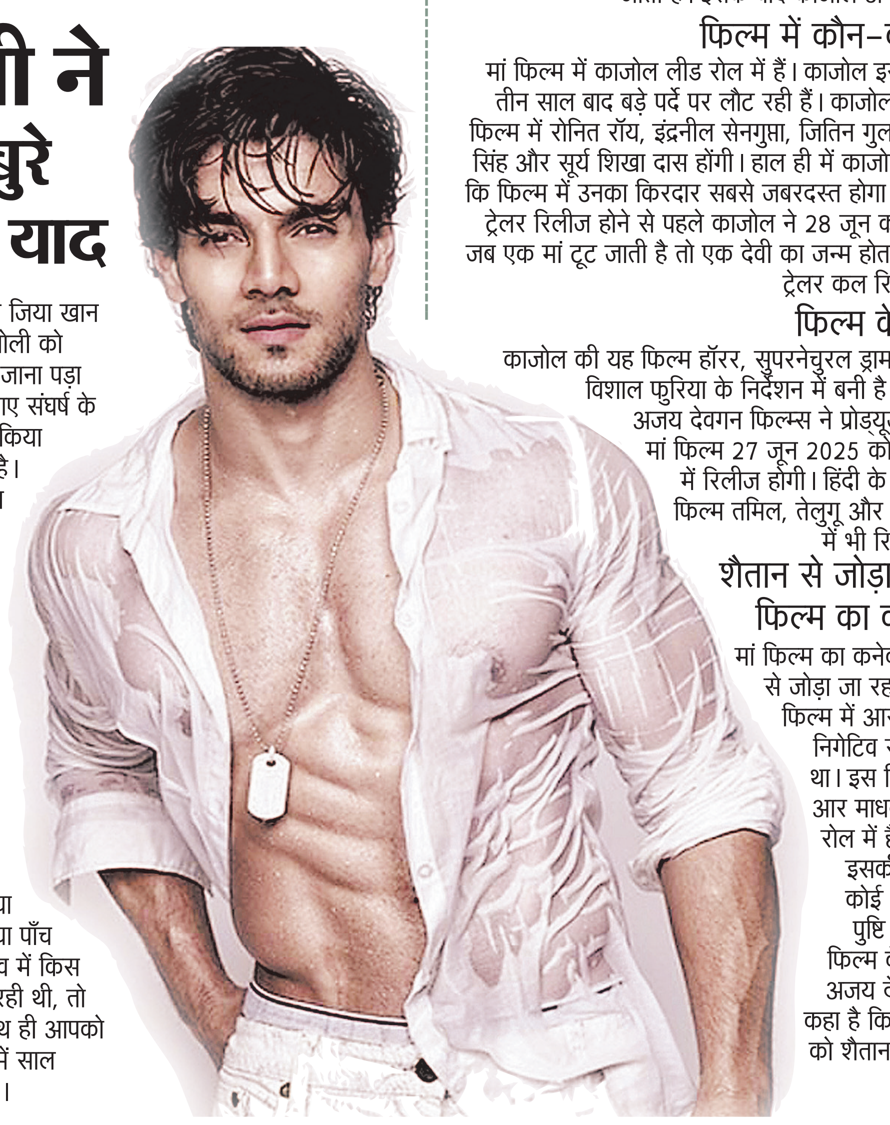

साल 2013 में बॉलीवुड की दिवगंत एक्ट्रेस जिया खान के आत्महत्या मामले में अभिनेता सूरज पंचोली को गिरफ्तार किया गया था और उन्हें जेल भी जाना पड़ा था। अब अभिनेता ने अपने जेल में बिताए गए संघर्ष के दिनों को याद किया है और उन्हें कैसे ट्रीट किया जाता था, इसके बारे में भी खुलासा किया है। अभिनेता सूजर पंचोली ने हिंदी रश के साथ बातचीत में अपने जेल के खराब अनुभवों को साझा किया है। उन्होंने कहा, मैं उस समय सिर्फ 21 साल का लड़का था। मुझे आर्थर रोड जेल भेज दिया गया और एकांत कारावास में डाल दिया गया। मैं उसी सेल में था, जिसमें 26/11 हमले के आतंकी अजमल कसाब को रखा गया था। उन्होंने मेरे साथ ऐसा व्यवहार किया जैसे मैंने कोई बम विस्फोट किया हो।' आगे बातचीत में अभिनेता ने कहा, वहां मेरे पास तकिया भी नहीं था, मैं अखबारों पर सोता था। उन्होंने मेरे साथ बहुत बुरा व्यवहार किया, जैसे मैंने कोई भयानक अपराध किया हो। मैं अतिशयोक्ति नहीं कर रहा हूं। चार या पाँच साल बाद मुझे समझ में आया कि मैं वास्तव में किस दौर से गुजरा था। ये सारी चीजें, जब घट रही थी, तो यह सब एक सपने जैसा लग रहा था।' साथ ही आपको बताते चलें कि सूरज पंचोली को इस केस में साल 2023 में सीबीआई ने क्लीन चिट दे दी थी।

मैं चाहता हूं कि दिमाग पर सक्सेस चढ़े और मैं उसे नियंत्रित करूं

अपने हर किरदार में अलग रंग भरने वाले नैशनल अवॉर्ड विनर एक्टर पंकज त्रिपाठी इन दिनों अपनी मशहूर सीरीज क्रिमिनल जस्टिस के चौथे सीजन को लेकर चर्चा में हैं। फुकरे, मिमी, ओएम जी 2, मिर्जापुर, स्त्री जैसी तमाम फिल्मों और शोज में यादगार भूमिकाएं निभा चुके पंकज त्रिपाठी से खास बातचीत

थोड़ा तो गुरूर चढ़े तो मैं खुद को संभालूं

अपनी चिरपरिचित मुस्कान के साथ पंकज कहते हैं, मैं तो चाहता हूं कि कुछ बदलाव आए, लेकिन नहीं आ पा रहा है। पता नहीं क्या प्रॉब्लम है। कुछ तो होना चाहिए यार कि लगे कि मैं सफल हूं। ये मेरे दिमाग में तो होना चाहिए। मेरे दिमाग में भी नहीं आता है। मैं तो चाहता हूं कि दिमाग पर सक्सेस चढ़े और मैं अपने विचार और बुद्धि से उसे नियंत्रित करूं कि विनम्र रहना है, ये सक्सेस का गुरूर है, पर वही नहीं आ रहा है और यही प्रॉब्लम है कि क्यों नहीं आ रहा है? थोड़ा तो आना चाहिए ना, कोई केमिकल लोचा है।

बिजी रहना पसंद नहीं करते पंकज

यही नहीं, पिछले कुछ समय में धड़ाधड़ कई फिल्में और सीरीज करने वाले पंकज त्रिपाठी इतनी व्यस्तता भी पसंद नहीं करते। उनका कहना है, हम ऐक्टिंग के लिए नहीं जी रहे हैं। हमें जीवन जीना है और वो जीवन ठीकठाक चले, उसके लिए ऐक्टिंग करते हैं। वह पैशन है, जिससे थोड़ी आदमनी हो जाए और परिवार की बेसिक जरूरतें पूरी हो जाएं। हम कई बार यह बात नहीं समझ नहीं पाते हैं और काम के पीछे बहुत ज्यादा भागने लगते हैं। जैसे, मैं खुद अपना संतुलन खो चुका था। अब मैं उसको ठीक करने में लगा हुआ हूं।

गुंडा, दरबान, दूधवाला जैसे रोल ही मिलते थे

पंकज त्रिपाठी आज अभिनय की पाठशाला माने जाते हैं, मगर करियर के शुरुआत में उन्हें उनके साधारण बैकग्राउंड की वजह से जज किया जाता था। उन्होंने बताया, पहले कास्टिंग को लेकर मुझे जज किया जाता था। शुरू में कोई मुझे ढंग के रोल में सोचता ही नहीं था। चूंकि, हम बिहार से थे, तो कास्टिंग के समय पानवाला, दूधवाला, दरबान, गुंडा, ऐसे ही रोल के लिए बुलाया जाता था। यह तो किस्मत अच्छी थी कि मैंने एक दिन दाढ़ी कटाई और कास्टिंग वालों को मेरा दूसरा चेहरा दिखा। फिर मसान के बाद उनकी सोच काफी बदली, वरना गैंग्स ऑफ वासेपुर के बाद मुझे सिर्फ खूंख्वार क्रिमिनल चाकू लिए आदमी का रोल ही मिल रहा था।

इन दिनों बॉलिवुड में टॉक्सिक माहौल पर आ रहे बयानों पर पंकज क्या सोचते हैं?

उनके करीबी फिल्मकार अनुराग कश्यप तक इसके चलते बॉलिवुड छोड़ने की बात कह चुके हैं? इस सवाल पर उन्होंने कहा, अनुराग कहीं नहीं गए हैं। उनकी दो तीन फिल्में बनी हुई हैं। वो कहानी लिख रहे हैं, बना रहे हैं। कहीं किसी मनःस्थिति में वे बोल दिए होंगे या कई बार बिन बोले भी खबरें आ जाती हैं।

बॉलिवुड वो नरक, जो मैंने नहीं देखा

वो आगे कहते हैं, देखिए, स्टोरी टेलिंग अच्छी नहीं हो रही है, जड़ों से जुड़ी कहानियां नहीं आ रही हैं, इससे मैं भी सहमत हूं, पर अभी मैं कई पॉडकास्ट या रील में देखता हूं कि लोग सिनेमा इंडस्ट्री के बारे में ऐसी–ऐसी बात कहते हैं कि लगता है कि इससे ज्यादा नरक वाली तो कोई जगह ही नहीं होगी। फिर मुझे लगता है कि यार, ये सब अनुभव मुझे क्यों नहीं हुआ? मेरा कास्टिंग को लेकर जो अनुभव था, वो मैंने बताया। बाकी, मेरे हिसाब से इंडस्ट्री की आलोचना इस बात के लिए होनी चाहिए कि यहां पर लेबर लॉ होना चाहिए कि 12 घंटे की शिफ्ट क्यों? हर जगह 8 घंटे की शिफ्ट होती है। वर्क कल्चर ठीक करना चाहिए। अभी जब से डिजिटल आया है, लोग रीटेक पर रीटेक लेते रहते हैं। एडिटिंग क्लियर नहीं है तो 360 शूट कर लो और सजा यूनिट भुगतती है कि 12 के 16 घंटे हो गए। मगर इंसानी शरीर और दिमाग 18 घंटे कैसे काम करेगा।

माधव की तरह की है सर्वाइवल की लड़ाई

क्रिमिनल जस्टिस के वकील माधव मिश्रा को पंकज पिछले 6 सालों में चार बार पर्दे पर जी चुके हैं। वह मानते हैं कि यह किरदार उनका हमसाया बन चुका है। बकौल पंकज त्रिपाठी, जब श्रीधर राघवन ने ये किरदार सुनाया था, तो लगा था कि हम बहुत एक जैसे हैं। वह भी बिहार से आए हैं एलएलबी करके, मुंबई में नोटरी–वोटरी देखते हैं। सर्वाइवल की लड़ाई है। वन रूम किचन में रहते थे। मैं ऐक्टिंग का माधव मिश्रा हूं। मैं भी बिहार से ऐक्टिंग में आया। वैसे ही सर्वाइवल की लड़ाई थी, वन रूम किचन में जी रहा था। उनकी तरह हम भी ऑटो में घूमते हैं। बस ये जुगाडू आदमी थे। मैं जुगाडू नहीं हूं। मुझे सिर्फ मेहनत पर भरोसा है। मुझे लगा कि चलो, मैं इनसे जुगाडू बनना सीखूंगा, तो मैंने इनसे जुगाड़ के गुर सीखे हैं। हालांकि अभी भी हुआ नहीं हूं, पर यह सही है कि हम दोनों साथ–साथ आगे बढ़ रहे हैं।